सूर्योदय 5:38 सूर्यास्त 7:18

आज का तापमान

शिमला	16.8 न्यू	23.5 अधि
धर्मशाला	21.7 न्यू	29.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,928
निफ्टी	24,317

सोना 1,42,000 चांदी 2,17,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शुक्रवार, 31 जुलाई 2026 | 16 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 97, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

वंदे मातरम् बिल लोकसभा में भी पास अब राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार

गृह राज्यमंत्री बोले- वंदे मातरम् राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक

एजेंसी, नई दिल्ली। राज्यसभा के बाद लोकसभा में भी वंदे मातरम बिल पास हो गया है। विपक्ष के हंगामे के बावजूद दोनों सदनों में वंदे मातरम बिल पास हो गया है। वंदे मातरम बिल को बुधवार, 29 जुलाई को राज्यसभा से अनुमति मिली थी। वहीं वीरवार को लोकसभा से भी यह बिल पास हो गया है। दोनों सदनों से पास होने के बाद अब यह बिल राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

वंदे मातरम बिल के कानून बनने के बाद अब राष्ट्रीय गीत को भी राष्ट्रगान जन-गण-मन जैसी कानूनी सुरक्षा मिलेगी। नए कानून के लागू होने से वंदे मातरम का अपमान करना अपराध माना जाएगा। वंदे मातरम गाए जाने के दौरान बाधा डालना या किसी को वंदे मातरम गाने से रोकना भी अपराध होगा। वंदे मातरम का अपमान करने पर तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। यही सजा राष्ट्रगान का अपमान करने पर भी होती है। राष्ट्रपति से मंजूरी मिलने के बाद यह बिल कानून बन जाएगा। इसके तहत राष्ट्रगीत वंदे मातरम का सम्मान करना कानूनी दायरे में आएगा। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने 24 जुलाई को राज्यसभा में यह बिल पेश किया था। सरकार के अनुसार, राष्ट्रीय गीत की गरिमा की रक्षा के लिए इस कानून की आवश्यकता है। इस गीत ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस बिल में राष्ट्रीय गीत के सभी छह छंदों को गाने की भी बात कही गई है। यह कदम गृह मंत्रालय के उस आदेश के बाद उठाया गया है, जिसमें राज्यों को आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रीय गीत बजाने या गाने का निर्देश दिया गया था, खासकर उन कार्यक्रमों में जहां राष्ट्रगान बजाया जाता है।

खड़गे बोले-शिक्षा संस्थानों में मनुस्मृति को मानने वाले बढ़े

राज्यसभा में पेपर लीक से जुड़े परीक्षा संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे के 'मनुस्मृति' बयान पर हंगामा हुआ। वे शैक्षणिक संस्थाओं पर आरएसएस के दखल पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों में मनुस्मृति मानने वाले बढ़ गए हैं, इससे शूद्र को पढ़ने का अधिकार छिन गया है। इस पर सदन में हंगामा शुरू हो गया। जेपी नड्डा ने टोकते हुए कहा कि खड़गे का बयान तथ्यों से परे है। इससे अशांति फैल सकती है। इसके बाद सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि मनुस्मृति वाला बयान रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। यह पूरी बहस पेपर लीक से जुड़े पब्लिक एग्जामिनेशन (अनफेयर मीन्स की रोकथाम) संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान हुई।

न्यूज शॉर्ट्स

नेपाल में दो भारतीय पर्यटकों से डांस क्लब में मारपीट

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल पुलिस ने दो भारतीय पर्यटकों के साथ राजधानी काठमांडू के एक डांस क्लब में मारपीट और दुर्व्यवहार करने के आरोप में वीरवार को दो नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक के अनुसार, काठमांडू के लाजिमपाट स्थित बॉलीवुड डांस क्लब से कंचनपुर बेलडांडी निवासी महेश रोकाया और नुवाकोट निवासी सुरेंद्र श्रेष्ठ को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पाया गया कि डांस क्लब के कर्मचारियों ने भारतीय नागरिकों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया। अधिक बिल बनाकर जबरन मोबाइल बैंकिंग के जरिए बिल का भुगतान करवाया। इसके अलावा, आरोपितों ने पुलिस कर्मचारियों के काम में बाधा डाली और उनके साथ हाथापाई भी की।

कांवड़ यात्रा के दौरान हुई सांप्रदायिक हिंसा

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल के सुनसरी जिले में रविवार रात कांवड़ यात्रा के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर शुरू हुए एक मामूली विवाद वीरवार को बड़े सांप्रदायिक तनाव में बदल गया। शुरुआत में यह मामला दो समुदायों के बीच कहासुनी तक सीमित था, लेकिन देखते ही देखते हिंसा फैल गई और पुलिस को हालात काबू करने के लिए गोली चलानी पड़ी। इस हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे तराई-मधेश क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शन के दौरान सिराहा में एक और युवक की मौत के बाद तनाव और बढ़ गया। प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए नेपाल के सुनसरी और सिराहा जिलों के कई हिस्सों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया है।

निवेश धोखाधड़ी का आरोपी राहुल फिजी से भारत लाया

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने निवेश धोखाधड़ी मामले में वांछित आरोपित राहुल शामराव कालोखे को फिजी से भारत प्रत्यर्पण किया है। कालोखे पर अपने सहयोगियों के साथ मिलकर लोगों को ऊंचे मुनाफे का झांसा देकर निवेश कराने और निवेशकों की रकम का दुरुपयोग कर निजी लाभ उठाने का आरोप है। सीबीआई ने बताया कि एजेंसी ने यह कार्रवाई विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और महाराष्ट्र पुलिस के सहयोग से की। कालोखे पर आरोप है कि उसने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर लोगों को बड़े मुनाफे का झांसा देकर निवेश कराने के लिए प्रेरित किया। बड़ी संख्या में निवेशकों ने विभिन्न योजनाओं में रकम जमा कराई लेकिन आरोपित ने धनराशि का दुरुपयोग कर उसे निजी लाभ के लिए इस्तेमाल किया।

ईरान-अमेरिका जंग में पहली बार मिस्र पर हमला

एजेंसी, वॉशिंगटन। ईरान-अमेरिका के बीच जारी जंग अब मिस्र तक पहुंच गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक मिस्त्र सरकार ने गुरुवार को बताया कि बुधवार को दमियाता पोर्ट पर दो गैस टैंकरों में लगी आग हादसा नहीं, बल्कि ड्रोन हमले का नतीजा थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक ड्रोन ने अमेरिकी कंपनी के नैचुरल गैस स्टोरेज टैंकर एनरगोस विंटर को निशाना बनाया, जिसके बाद आग पास में खड़े दूसरे टैंकर गैसलॉग सलेम तक फैल गई। हालांकि, दमकल टीम ने जल्द ही आग पर काबू पा लिया और कोई हताहत नहीं हुआ।

पैलेट गन से घायल हुए प्रदर्शनकारियों का इलाज कराए दिल्ली सरकार : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया है कि वो जंतर-मंतर के विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन से घायल हुए प्रदर्शनकारियों का इलाज कराए।

कोर्ट ने प्रदर्शन के दौरान रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के असलहों के मूवमेंट को संरक्षित रखने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि किसी विशेष घटना में पैलेट गन के इस्तेमाल की वैधता की जांच की जा सकती है। उच्चतम न्यायालय ने ये आदेश आईबी के पूर्व निदेशक और पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त यशोवर्धन आजाद और दो अन्य पीड़ितों की याचिका पर दिया है। याचिका में पैलेट गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध के साथ ही पीड़ितों को मुआवजा देने की भी मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान कनॉट प्लेस के पास भारी भीड़ पर नियंत्रण के लिए तैनात आरएएफ ने पहले आंसू गैस और लाठीचार्ज किया। उसके बाद पैलेट से लैस पंप एक्शन गन का इस्तेमाल किया गया। याचिका में कहा गया है कि बल प्रयोग करने से पहले कोई चेतावनी नहीं दी गई और कई प्रदर्शनकारियों की आंखों समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। याचिका में कहा गया है कि पैलेट गन को भले ही कम घातक हथियार बताया जाता हो, लेकिन इससे बड़ी संख्या में धातु के छर्रे निकलते हैं। इससे आंखों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर नुकसान का खतरा रहता है। पैलेट गन का इस्तेमाल संविधान के तहत न्यायसंगत बल प्रयोग की कसौटी पर खरा नहीं उतरता।

◆ सुप्रीम कोर्ट ने आरएएफ के असलहों का रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के दिए निर्देश

राष्ट्रीय राजमार्गों के टोल प्लाजा पर बनेगी आधुनिक शौचालय सुविधा

एजेंसी, नई दिल्ली। स्वच्छता और यात्री सुविधा बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों के टोल प्लाजा पर विश्वस्तरीय सार्वजनिक शौचालय सुविधाएं विकसित करेगी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि एनएचएआई ने इसके लिए नया प्रदर्शन आधारित ढांचा तैयार किया है, जिसमें स्वच्छता, डिजिटल निगरानी और यात्री केंद्रित रखरखाव पर ध्यान दिया गया है। इस पहल के तहत पुराने शौचालय ब्लॉकों का नवीनीकरण किया जाएगा और नए शौचालय बनाए जाएंगे। इनका डिजाइन स्वदेशी और टिकाऊ होगा, जिसमें हरित भवन मानकों का पालन किया जाएगा। नई व्यवस्था में इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित लाइव टेलीमेट्री सिस्टम लगाया जाएगा, जिससे वास्तविक समय में रखरखाव की निगरानी हो सकेगी। साथ ही, सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रदर्शन आधारित भुगतान प्रणाली लागू होगी। यात्री एनएचएआई के 'राजमार्गयात्रा' मोबाइल ऐप के जरिए अपनी प्रतिक्रिया भी दे सकेंगे।

अहमदाबाद में भूकंप के लगे हल्के झटके, 2.6 रही तीव्रता

एजेंसी, अहमदाबाद। अहमदाबाद में वीरवार तड़के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। गांधीनगर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआई) द्वारा जारी जानकारी के अनुसार वीरवार सुबह 4:39 बजे रिक्टर स्केल पर 2.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र अहमदाबाद शहर से लगभग 29 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम दिशा में स्थित था। इसकी गहराई जमीन की सतह से करीब 20 किलोमीटर मापी गई, जिसके कारण कुछ इलाकों में हल्का कंपन महसूस हुआ। भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी भी प्रकार की जनहानि, घायल होने या संपत्ति के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। प्रशासन और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार अहमदाबाद और आसपास के कुछ शांत क्षेत्रों में रहने वाले लोगों ने कुछ सेकंड तक हल्की धूजारी महसूस की, लेकिन अधिकांश लोगों को इसका एहसास भी नहीं हुआ। भूकंप विज्ञानियों के अनुसार 2.6 तीव्रता का भूकंप सामान्य श्रेणी में आता है और इससे आमतौर पर किसी बड़े नुकसान की आशंका नहीं रहती। फिर भी विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को हमेशा सतर्क रहना चाहिए।

सीएम रेखा आज करेंगी 'विद्या वाहिनी' योजना की शुरुआत, 3000 छात्राओं को मिलेंगी साइकिलें

एजेंसी, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 31 जुलाई को ईस्ट विनोद नगर स्थित स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगी और कक्षा 9 की छात्राओं को 'विद्या वाहिनी' नाम से साइकिलों का वितरण करेंगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री प्रथम चरण में 3,000 छात्राओं को 'विद्या वाहिनी' साइकिलें प्रदान करेंगी। इसके बाद अगले एक माह के भीतर दिल्ली की कुल 1,40,000 छात्राओं को चरणबद्ध तरीके से साइकिलें वितरित की जाएंगी। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं के लिए विद्यालय तक पहुंच को अधिक सुगम बनाना, उनकी नियमित उपस्थिति को बढ़ावा देना और उन्हें आत्मनिर्भर एवं आत्मविश्वासी बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की कोई भी बेटी केवल दूरी, संसाधनों की कमी या परिवहन संबंधी कठिनाइयों के कारण अपनी पढ़ाई से वंचित न रहे। 'विद्या वाहिनी' केवल एक साइकिल नहीं, बल्कि दिल्ली की बेटियों के सपनों, आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य की सवारी है। सरकार चाहती है कि दिल्ली की हर बेटी निर्भय होकर विद्यालय पहुंचे, बेहतर शिक्षा प्राप्त करे और अपने जीवन के प्रत्येक लक्ष्य को हासिल करे।

◆ 'विद्या वाहिनी' से बेटियों के सपनों को मिलेगी नई उड़ान

ई20 पेट्रोल पर सरकार का स्पष्टीकरण, वैज्ञानिक परीक्षणों के बाद लागू हुआ मिश्रण

एजेंसी, नई दिल्ली। ई20 मिश्रित पेट्रोल को लेकर जारी बहस के बीच केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि इसे वैज्ञानिक सत्यापन और व्यापक परामर्श के बाद लागू किया गया है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने लोकसभा में बताया कि इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को नीति आयोग, ऑटोमोबाइल कंपनियों, तेल विपणन कंपनियों और तकनीकी संस्थानों की सहभागिता से चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया। उन्होंने कहा कि एआरएआई, एसआईएएम, आईआईपी और अन्य संस्थानों द्वारा किए गए परीक्षणों में इंजन क्षमता, ईंधन दक्षता, उत्सर्जन, जंग प्रतिरोध और सामग्री अनुकूलता जैसे मानकों पर ई20 को सुरक्षित पाया गया है। सरकार के अनुसार देश में प्रतिदिन करीब 8 करोड़ वाहन पेट्रोल भरवाते हैं, जिनमें लगभग 80 प्रतिशत पेट्रोल वाहन शामिल हैं।

◆ एआरएआई और तकनीकी संस्थानों के परीक्षणों के बाद बढ़ाया गया इथेनॉल मिश्रण

पूर्व बस ड्राइवर के घर 28 करोड़ रुपए कैश, 15 किलो सोना मिला

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पुलिस ने बुधवार रात एक छापेमारी में 28.5 करोड़ से ज्यादा कैश और 15 किलो सोना बरामद किया। सोने की कीमत करीब 21.5 करोड़ आंकी गई है। इस तरह कुल बरामदगी करीब 50 करोड़ की है।

नोटों का ढेर इतना बड़ा था कि उन्हें गिनते-गिनते 5 करेंसी काउंटिंग मशीनें खराब हो गईं। पुलिस ने आरोपी मिनार मंडल को गिरफ्तार किया है। वह पहले राज्य परिवहन विभाग में बस ड्राइवर था और बाद में स्टोन कारोबार से जुड़ गया। आरोपी फरार पत्थर कारोबारी तुलु मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन का मैनेजर और साला है। तुलु मंडल वही शख्स है, जिसने 2024 में अपनी बेटी की करीब 100 करोड़ की आलीशान शादी कराई थी। तुलु मंडल को पूर्व टीएमसी नेता अनुब्रत मंडल का करीबी माना जाता है। अनुब्रत जून में टीएमसी के बागी ऋतब्रत बनर्जी गुट में शामिल हो गए थे। बंगाल के मुंख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने सराहनीय काम किया है। उन्होंने छापेमारी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर कीं।

◆ नोट गिनते-गिनते 5 मशीनें खराब हुईं, आरोपी गिरफ्तार

सावन के पहले दिन बाबा विशवनाथ के दरबार पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ, किया जलाभिषेक

एजेंसी, वाराणसी। श्रावण मास के पहले दिन वीरवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधि-विधान से जलाभिषेक व पूजन-अर्चना की।

इससे पूर्व उन्होंने काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन कर प्रदेश और देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि तथा लोककल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दूसरे दिन सर्किट हाउस से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बाबा कालभैरव मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में मौजूद श्रद्धालुओं ने उनका 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया और स्थानीय दुकानदारों से सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी भी ली।

इस दौरान उन्होंने एक दुकान पर बैठे बच्चे को स्नेहपूर्वक चॉकलेट भेंट कर दुलार भी किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे, जहां उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर षोडशोपचार विधि से बाबा विश्वनाथ का पूजन-अर्चन किया तथा पावन ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक किया। उन्होंने प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री के मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने 'हर-हर महादेव' के उद्घोष से पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया। श्रावण मास में बड़ी संख्या में उमड़ने वाले श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में मौजूद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सावन के दौरान दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन, सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जाएं, ताकि सभी भक्तों को व्यवस्थित और सहज दर्शन का लाभ मिल सके।

भारत प्रतिस्पर्धी सुधारों में 25 पायदान ऊपर, वैश्विक रैंकिंग में 57वें स्थान पर

एजेंसी, नई दिल्ली। संरचनात्मक व प्रतिस्पर्धा-समर्थक सुधारों के क्षेत्र में भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कॉम्पिटेरे फाउंडेशन की रिपोर्ट के अनुसार भारत वैश्विक रैंकिंग में 82वें स्थान से सुधरकर 57वें स्थान पर पहुंच गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि यह सुधार वर्ष 2010 से 2023 के बीच किए गए नीतिगत बदलावों और बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के प्रयासों को दर्शाता है। मंत्रालय के अनुसार 'इंडियाज नेक्स्ट ग्रोथ फ्रंटियर' रिपोर्ट में भारत के मार्केट डिस्टॉर्शन्स परफॉर्मेंस इंडेक्स का मूल्यांकन किया गया है। रिपोर्ट में बाजार की विकृतियों को कम करने और प्रतिस्पर्धी माहौल को मजबूत बनाने के लिए किए गए सुधारों को रेखांकित किया गया है। यह रिपोर्ट भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) और कॉम्पिटेरे फाउंडेशन के सहयोग से जारी की गई।

6 से 8 अगस्त तक होंगे जन-संवाद कार्यक्रम, जरूरतमंद परिवारों की समस्याओं पर बनेगी कार्ययोजना : सीएम सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुक्खू ने ग्रामीण विकास व पंचायतीराज विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'अपना परिवार सुखी परिवार योजना' पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार 6, 7 व 8 अगस्त, 2026 को 'अपना परिवार सुखी परिवार योजना' के तहत जन-संवाद कार्यक्रम आयोजित करेगी। यह कार्यक्रम ब्लॉक स्तर पर आयोजित किए जाएंगे और इनकी अध्यक्षता विधायक करेंगे। इस कार्यक्रम के लिए ग्राम पंचायतों के क्लस्टर बनाये जाएंगे और एक क्लस्टर में अधिकतम 10 ग्राम पंचायतें चिन्हित की जाएंगी। सुक्खू ने कहा कि जन-संवाद कार्यक्रम में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों से चिन्हित अति निर्धन परिवारों को आमंत्रित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में इन अति निर्धन परिवारों के विकास और कल्याण के लिए जरूरी विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की व्यापक स्तर पर चर्चा की जाएगी। इस चर्चा के फीडबैक के आधार पर प्रदेश सरकार द्वारा योजनाएं बनाई जाएंगी और उन्हें धरातल पर कार्यान्वित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से लगभग 1.78 लाख अति निर्धन परिवार चिन्हित किए गए हैं। यह प्रक्रिया आठ चरणों के दौरान पूर्ण की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य उस हर परिवार को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना है, जो अभी तक अपने हक से वंचित रहे हैं। अभी तक प्रदेश में 85 हजार परिवार ऐसे हैं, जो अति निर्धन हैं, लेकिन उन्हें कभी बीपीएल परिवार में शामिल ही नहीं किया गया और न ही उन्हें प्रदेश सरकार की किसी योजना का लाभ मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वित्त वर्ष के बजट में अपना परिवार सुखी परिवार योजना की घोषणा की गई थी, जिसे उद्देश्यों के अनुरूप अब कार्यान्वित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार चिन्हित किए गए इन अति निर्धन परिवारों का सहारा बनेंगी। इनकी आर्थिक स्थिति में परिवर्तन लाकर हम अर्थव्यवस्था में समृद्धि के साथ प्रदेश की समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे।

सीएम हेल्पलाइन पर लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई : सीएम धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सीएम हेल्पलाइन-1905 पर आने वाली शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर सख्त रुख अपनाया है। वीरवार को सचिवालय में समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने साफ कहा कि जन शिकायतों को टालने वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा, जिन अधिकारियों की शिकायतों पर शून्य प्रतिशत कार्रवाई है, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने और संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने पेयजल विभाग और जल जीवन मिशन से जुड़ी बड़ी संख्या में लंबित शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए सभी मामलों का एक सप्ताह के भीतर निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों का सिर्फ निपटारा नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि भी सुनिश्चित की जाए। समीक्षा में बताया गया कि 18 अप्रैल से 28 जुलाई 2026 के बीच सीएम हेल्पलाइन-1905 पर 67,843 शिकायतें दर्ज हुईं।

इनमें 20,461 शिकायतों का पूर्ण निस्तारण, 31,363 का आंशिक निस्तारण, 7,404 प्रक्रियाधीन, 4,061 लंबित और 3,738 स्पेशल क्लोज श्रेणी में हैं। अधिकारियों के अनुसार स्पेशल क्लोज का प्रतिशत घटकर 5.5% रह गया है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों के शिकायतकर्ताओं से फोन पर सीधे बात कर शिकायतों के निस्तारण की स्थिति भी जानी और जरूरत पड़ने पर संबंधित जिलाधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में यह भी तय हुआ कि अब हर सोमवार जनपद स्तर पर जिलाधिकारी, मंडल स्तर पर मंडलायुक्त और शासन स्तर पर सचिव 'समाधान दिवस' आयोजित करेंगे, जहां जनता की शिकायतों की सुनवाई और समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबित मामलों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी वास्तविक शिकायत को तकनीकी श्रेणियों में डालकर लंबित न रखा जाए।

◆ कहा- हर सोमवार को होगा समाधान दिवस

संकल्प मुख्यमंत्री ने गीता ज्ञान संस्थानम में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज से की भेंट

गीता ज्ञान को घर-घर तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार गीता को पाठ्यक्रम में और घर-घर गीता के संकल्प पर काम कर रही है। श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का संपूर्ण विज्ञान है।

गीता में कर्म, धर्म, ज्ञान और भक्ति का जो समन्वय बताया गया है,वही आज के समय में समाज और देश को आगे बढ़ाने का आधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार संस्कृति और विकास को साथ लेकर चल रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को देर सायं गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गीता ज्ञान संस्थान, कुरुक्षेत्र के राधा कृष्ण मंदिर में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज से भेंट की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज से गुरु शिष्य परंपरा निभाते हुए शॉल उड़ाकर आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री ने संस्थान के राधा कृष्ण मंदिर में मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा का दिन गुरु-शिष्य परंपरा और भारतीय संस्कृति के गौरव का प्रतीक है। गीता की भूमि कुरुक्षेत्र से पूरे विश्व को जीवन जीने की कला मिली है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज पिछले कई दशकों से गीता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उनका जीवन और कार्य हम सभी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय गीता नगरी के रूप में विकसित किया जा रहा है। ब्रह्मसरोवर, ज्योतिसर और गीता ज्ञान संस्थान जैसे केंद्रों के माध्यम से हम पूरे विश्व में गीता का संदेश पहुंचाना चाहते हैं।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आज विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजनों में से एक बन गया है। यह सब गीता मनीषी जैसे संतों के आशीर्वाद से ही संभव हुआ है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा हमें यह सिखाती है कि हम अपने गुरु, माता-पिता और समाज के प्रति कृतज्ञ रहें।

हरियाणा सरकार अंत्योदय के सिद्धांत पर काम कर रही है। गरीब, किसान, महिला और युवा सभी के लिए योजनाएं बनाई जा रही हैं। गीता हमें निष्काम कर्म की प्रेरणा देती है। इसी भाव से हम 2047 तक विकसित भारत और विकसित हरियाणा के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

गीता के प्रचार-प्रसार में सरकार का योगदान ऐतिहासिक

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एक कर्मयोगी हैं। उन्होंने बहुत कम समय में प्रदेश की ज्यादा सेवा की है और आगे भी ऐसे ही करते रहेंगे। सरकार जिस प्रकार से गीता को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रही है, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की सरकार ने गीता के प्रचार-प्रसार के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि कर्मण्येवाधिकारस्ते का संदेश ही आज के प्रशासन और युवाओं के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है।

भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी रेल परियोजना में 2063 करोड़ की हिस्सेदारी बकाया: अनुराग

◆ 15 सुरंगों व 39 छोटे पुलों का काम पूरा, वित्तीय अड़चनों से धीमी हुई रेल लाइन परियोजना

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा लोकसभा में पूछे गए अतारांकित प्रश्न के उत्तर में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया है कि भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी (63 किलोमीटर) नई रेल लाइन परियोजना का कार्य हिमाचल प्रदेश सरकार की वित्तीय जिम्मेदारियां पूरी न होने के कारण प्रभावित हो रहा है।

रेल मंत्रालय के अनुसार लागत साझेदारी व्यवस्था के तहत प्रदेश सरकार को परियोजना के लिए 2,910 करोड़ रुपए का अंशदान देना था, लेकिन अब तक केवल 847 करोड़ रुपए ही जमा किए गए हैं। ऐसे में 2,063 करोड़ रुपए की राशि अभी भी लंबित है। इसके अलावा बिलासपुर-बेरी खंड के लिए भूमि अधिग्रहण और भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया भी पूरी नहीं हुई है, जिससे निर्माण कार्य में बाधा आ रही है। अनुराग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश में आधुनिक रेल नेटवर्क के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि भानुपल्ली-बिलासपुर खंड में भूमि अधिग्रहण लगभग पूरा हो चुका है और वन स्वीकृति भी प्राप्त हो गई है। परियोजना के तहत 16 में से 15 सुरंगों, 49 में से 39 छोटे पुलों, 27 में से 10 बड़े पुलों और छह रोड ओवर ब्रिज का कार्य पूरा किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जहां राज्य सरकार का सहयोग मिला, वहां परियोजना ने तेजी से प्रगति की है। उन्होंने प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि लंबित वित्तीय हिस्सेदारी जल्द जारी की जाए और भूमि अधिग्रहण संबंधी प्रक्रियाएं पूरी की जाएं, ताकि परियोजना समय पर पूरी होकर प्रदेश के पर्यटन, व्यापार और रोजगार को गति दे सके।

सात जिलों में फ्लैश फ्लड का खतरा

कांगड़ा, मंडी और चंबा में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट, लोगों से सतर्क रहने की अपील

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून के अगले कई दिनों तक सक्रिय रहने का अनुमान है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश की संभावना जताते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

विभाग के फ्लैश फ्लड गाइडेंस सेल ने अगले 24 घंटे, यानी 31 जुलाई सुबह 5:30 बजे तक राज्य के सात जिलों में कम से मध्यम स्तर के फ्लैश फ्लड का जोखिम बताया है, जिन जिलों के लिए यह चेतावनी जारी की गई है उनमें कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, मंडी, शिमला, सिरमौर और सोलन शामिल हैं। विभाग के अनुसार इन जिलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और निचले इलाकों में अचानक पानी बढ़ने की स्थिति बन सकती है। ऐसे में लोगों से नदी-नालों और खड्डों के किनारे जाने से बचने तथा मौसम की ताजा जानकारी पर नजर रखने की अपील की गई है। मौसम विभाग ने वीरवार के लिए भी कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। चंबा, कांगड़ा और मंडी जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं कुल्लू, शिमला, सिरमौर और किन्नौर जिलों के लिए येलो अलर्ट रहेगा। विभाग का कहना है कि राज्य में 5 अगस्त तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है और इस अवधि के लिए येलो अलर्ट प्रभावी रहेगा। लगातार बारिश के कारण भूस्खलन, चट्टानें गिरने और निचले क्षेत्रों में जलभराव की आशंका बनी रहेगी। राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में गुरुवार सुबह से बादल छाए रहे और कुछ जगह हल्की बारिश भी हुई। पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश में बारिश की तीव्रता पहले के मुकाबले कम रही और अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। सबसे अधिक 51 मिलीमीटर बारिश सोलन जिले के कसौली में हुई। इसके बाद शिमला जिले के सराहन में 32.5 मिलीमीटर, बिलासपुर के नैना देवी में 26 मिलीमीटर, मंडी जिले के कटौला में 23 मिलीमीटर, जोगिंदरनगर में 20 मिलीमीटर और किन्नौर के निचार में 17 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। हालांकि बारिश कम होने से लोगों को कुछ राहत मिली है, लेकिन पिछले दिनों हुई लगातार वर्षा का असर अब भी बना हुआ है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में भूस्खलन और अन्य कारणों से अभी भी करीब 150 सड़कें बंद हैं, जिससे कई क्षेत्रों में आवाजाही प्रभावित हो रही है। बारिश में कमी आने के साथ प्रदेश में उमस बढ़ी है और न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया है।

वीरवार सुबह राज्य का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। सबसे अधिक न्यूनतम तापमान बिलासपुर में 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद हमीरपुर 25.4, मंडी 24.4, कांगड़ा 23.8, सुंदरनगर 23.1, ऊना और सियोबाग 22.3, धर्मशाला 21.7, सोलन 21.4, नाहन 21.3, जुब्बड़हट्टी 20.8, पालमपुर 20.5, भुंतर 20.4, मनाली 19.5, कसौली 19.0, कोटखाई 18.7, डलहौजी 17.9, सराहन 17.7, मशोबरा 17.2, शिमला 16.8, ताबो 16.5, कल्पा 15.6, कुफरी 14.7, कुकुमसेरी 13.9, केलांग 13.6 और भरमौर में 13.0 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर की गई टिप्पणी के विरोध में एसएफआई ने किया प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। एसएफआई हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय इकाई ने जंतर-मंतर, नई दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर सांसद कंगना रनौत द्वारा की गई कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन किया तथा उनका पुतला दहन किया।

इस दौरान छात्र-छात्राओं ने टिप्पणी की कड़ी निंदा की और इसे पूरे छात्र समुदाय का अपमान बताया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए एसएफआई एचपीयू इकाई के कैंपस सचिव मुकेश कुमार ने कहा कि जंतर-मंतर पर अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के तहत प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ इस प्रकार की टिप्पणी भारतीय जनता पार्टी की मनुवादी और पितृसत्तात्मक सोच को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज़ को सम्मान देने और उनकी मांगों पर विचार करने के बजाय उन्हें अपमानित करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। इकाई सचिव मुकेश कुमार ने कहा कि देशभर के छात्र शिक्षा, रोजगार, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी छात्रों की बात सुनने और उनके मुद्दों का समाधान करने की होनी चाहिए, न कि उनके खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने की।

एसएफआई ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे छात्रों को बदनाम करने या उनकी आवाज़ दबाने के किसी भी प्रयास का संगठन पुरज़ोर विरोध करेगा। छात्रों का शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण पहचान है और इसका सम्मान किया जाना चाहिए। अंत में एसएफआई ने कंगना रनौत से अपनी टिप्पणी वापस लेने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की।

न्यूज ब्रीफ

जीतराम कटवाल ने शुरू किया जनसंपर्क अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता विधानसभा क्षेत्र के विधायक जीतराम कटवाल ने भाजपा के कार्यकर्ता संवाद एवं समन्वय अभियान के तहत गांव-गांव जनसंपर्क अभियान शुरू किया है। वीरवार को उन्होंने बरठीं, रोहल और गालियां पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल वादे नहीं करती, बल्कि विकास कार्यों को धरातल पर उतारने में विश्वास रखती है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता अब केवल घोषणाओं की राजनीति को स्वीकार नहीं कर रही है। जीतराम कटवाल ने कहा कि अभियान का उद्देश्य कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करना, संगठन को मजबूत बनाना और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर घर तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि झंडूता क्षेत्र में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे हर बूथ और परिवार तक पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनें तथा उनके समाधान के लिए प्रयास करें।

एचपीयू फीस बढ़ोतरी पर एनएसयूआई ने जताया रोष

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। डॉक्टर यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय में फीस बढ़ोतरी और नए फीस स्ट्रक्चर को लेकर एनएसयूआई की हिमाचल इकाई ने विरोध जताया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष टोनी ठाकुर ने कहा कि विश्वविद्यालय ने फीस में बेतहाशा वृद्धि की है, जिसे छात्र समुदाय किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम की सामान्य सीटों की फीस 43,350 रुपए से बढ़ाकर 68,700 रुपए कर दी गई है। वहीं अन्य श्रेणियों की फीस भी बढ़ाई गई है। मास्टर डिग्री प्रोग्राम की फीस 87,550 रुपए से बढ़ाकर 1,42,000 रुपए कर दी गई है। टोनी ठाकुर ने कहा कि संगठन पहले कुलपति से मुलाकात करेगा और इसके बाद मुख्यमंत्री के समक्ष मामला उठाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि फीस वृद्धि वापस नहीं ली गई तो एनएसयूआई छात्रों के हितों को लेकर सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि अचानक फीस बढ़ाने से गरीब और मध्यम वर्ग के छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होगी।

एचआरटीसी परिचालक का दिल का दौरा पड़ने से निधन

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। हिमाचल पथ परिवहन निगम के उप डिपो राजगढ़ में कार्यरत परिचालक सुरेंद्र ठाकुर का अचानक हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। वे सिरमौर जिला के विकासखंड राजगढ़ की नेहर पाब पंचायत के जुब्बल गांव के निवासी थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुरेंद्र ठाकुर लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। स्वास्थ्य संबंधी कारणों से निगम प्रबंधन ने कुछ समय के लिए उन्हें अड्डा प्रभारी की जिम्मेदारी दी थी। स्वास्थ्य में सुधार न होने पर वे अवकाश पर चले गए थे। हाल ही में छुट्टियां समाप्त कर वे पुनः ड्यूटी पर लौटे थे और उनकी रात्रिकालीन ड्यूटी लगाई गई थी। रात की ड्यूटी पूरी करने के बाद वे अपने कमरे में विश्राम करने चले गए। सुबह जब एक चालक उन्हें ड्यूटी के लिए बुलाने गया, तो वे अचेत पड़े थे। सहकर्मी उन्हें तुरंत सिविल अस्पताल राजगढ़ ले गए, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद निगम कर्मचारियों ने अपने साथी के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए एचआरटीसी की बस को सुंदर फूलों से सजाया। जिस बस में बैठकर उन्होंने वर्षों तक हजारों यात्रियों को सुरक्षित मंजिल तक पहुंचाया, आज वही बस उनकी अंतिम यात्रा की साक्षी बनी। जब पार्थिव शरीर बस में रखा गया, तो राजगढ़ बस अड्डे पर मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय लोगों की आंखें नम हो गईं। एचआरटीसी प्रबंधन की ओर से शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते हुए तत्काल सहायता के रूप में 10,000 की फौरी राहत राशि प्रदान की गई है।

चिंतपूर्णी मंदिर सुगम दर्शन प्रणाली में अनियमितता की जांच शुरू, एफआईआर दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर की सुगम दर्शन प्रणाली में कथित अनियमितता के मामले में मंदिर ट्रस्ट और जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बहुस्तरीय जांच शुरू कर दी है।

डीसी जतिन लाल के निर्देश पर मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज करवाई गई है। साथ ही प्रशासनिक जांच के लिए अतिरिक्त उपायुक्त ऊना को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। मंदिर ट्रस्ट के सहायक आयुक्त एवं एसडीएम अंब पारस अग्रवाल ने बताया कि 19 जुलाई को संभावित अनियमितता का मामला ट्रस्ट के संज्ञान में आया था, जिसके बाद उपायुक्त को अवगत करवाया गया और तुरंत कार्रवाई की गई। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सुगम दर्शन प्रणाली में कार्यरत कर्मचारियों को बदलकर नए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा ट्रस्ट ने तीन सदस्यीय प्रारंभिक जांच समिति भी गठित की है। प्रारंभिक तकनीकी जांच में सामने आया कि 19 जुलाई को वास्तविक रूप से 23 लेन-देन दर्ज हुए थे, जबकि सॉफ्टवेयर प्रणाली में 88 लेन-देन प्रदर्शित हो रहे थे। प्रथम दृष्टया आशंका जताई गई है कि अतिरिक्त प्रविष्टियां किसी अनधिकृत व्यक्ति द्वारा लॉगिन आईडी और पासवर्ड के संभावित दुरुपयोग से हुई हों। हालांकि, अंतिम निष्कर्ष विस्तृत जांच के बाद ही सामने आएगा। ट्रस्ट ने स्पष्ट किया है कि सुगम दर्शन पास के लिए लिया जाने वाला शुल्क दान या चढ़ावा नहीं, बल्कि सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए निर्धारित सेवा शुल्क है। वर्ष 2023 में शुरू हुई इस प्रणाली से अब तक 12 करोड़ रुपए से अधिक सेवा शुल्क प्राप्त हुआ है, जिसका उपयोग श्रद्धालुओं की सुविधाओं और जनकल्याण कार्यों में किया जा रहा है। प्रशासन ने कहा है कि श्रद्धालुओं की सुविधा, पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंतरराज्यीय चिट्टा सप्लायर गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशा तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस ने अंतरराज्यीय चिट्टा सप्लायर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने बताया कि थाना स्वारघाट क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने सुनील (48), अनिल राठी (30), निवासी सोनीपत हरियाणा और नीरत सिंह (41), निवासी कुल्लू के कब्जे से 27.60 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद की थी। मामले की जांच में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर पता चला कि बरामद चिट्टा अमृतसर निवासी विजय कुमार से खरीदा गया था। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 29 जुलाई को अमृतसर के सुल्तानविंड क्षेत्र से विजय कुमार को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 12.46 ग्राम चिट्टा, एक अवैध पिस्टल और सात जिंदा कारतूस बरामद किए गए। आरोपी के खिलाफ हिमाचल और पंजाब में पहले भी चिट्टे के पांच मामले दर्ज हैं। पुलिस अब पूरे तस्करी नेटवर्क की जांच कर रही है।

खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता के लिए खाद्य व आपूर्ति विभाग सैंपलिंग पर करेगा फोकस

◆ सभी दुकानदारों को रेट लिस्ट लगाना अनिवार्य, रेट लिस्ट नहीं लगाई तो होगी कार्रवाई

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। बरसात के इस मौसम में खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग करना जरूरी है, क्योंकि इनकी चेकिंग न होने से बीमारियां बढ़ सकती हैं। यही वजह है कि हमीरपुर जिला में भी खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने सैंपलिंग पर फोकस किया है।

हमीरपुर में एचएएस अधिकारी आंचल कुमारी की पहली मर्तबा खाद्य आपूर्ति नियंत्रक के रूप में नियुक्ति हुई है। उन्होंने एक सप्ताह पहले ही यहां ज्वाइन किया है। विशेष बातचीत में उन्होंने बताया कि लोगों को गुणवत्ता युक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाना उनका पहला उद्देश्य है। इसके साथ ही उनका कहा कि इसके लिए क्वालिटी और डिस्ट्रीब्यूशन पर हम फोकस करेंगे। इसके लिए हम इंस्पेक्शन जितनी हो सके, उसे बढ़ाएंगे और सैंपलिंग टेस्टिंग को और ज्यादा फोकस करेंगे। ट्रांसपेरेंसी को प्रमोट करेंगे। फ्लोर मिल पर किस तरह से काम किया जाता है आटे की क्वालिटी बेहतर रहे इसके लिए कैसे प्रयास करेंगे? उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में यह दिक्कत आती है। स्टोरेज अच्छी ना हो तो भी समस्या होगी, इसलिए रखरखाव पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। वैसे विभाग में टारगेट रखे होते हैं, ताकि सिस्टम बेहतर तरीके से चले मगर टारगेट से ज्यादा हम इसलिए काम करने के लिए तैयार हैं, ताकि लोगों को बेहतर चीजें मिलें। कोई खराब चीज उनके घर द्वार तक न पहुंचे। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 6 महीना में जितने सैंपल भरे गए थे उनमें से केवल एक सैंपल फेल पाया गया है और वह नादौन इलाके का है।

वीडियो भी उसका वायरल हुआ था। उसी के तहत सैंपलिंग हुई थी। उसकी डिटेल रिपोर्ट अभी आनी बाकी है, ताकि यह पता चल सके कि कारण क्या रहे और इसकी वजह का जिम्मेदार कौन है। किसकी डिटेल इंक्वारी होने के बाद ही स्पष्ट कारण सामने आएंगे। उन्होंने अभी बताया कि हमीरपुर जिला में कुल 9 फ्लोर मिल्ज हैं जो डिपुओं को आटे की सप्लाई कर रहे हैं। इस आटे की सैंपलिंग उनकी फ्लोर मिल में ही होती है। लेकिन यदि कोई शिकायत ऐसी मिले किसी डिपो होल्डर से, तो वहां से भी सैंपल लिए जाते हैं। डिपुओं पर मिलने वाले सारे खाद्य सम्मान की क्वालिटी को लेकर कई मर्तबा सवाल उठते हैं।

इनर व्हील क्लब मंडी का सम्मान एवं पदभार ग्रहण समारोह संपन्न

नीरज शर्मा ने संभाली अध्यक्ष पद की कमान

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। इनर व्हील क्लब मंडी का सम्मान एवं पदभार ग्रहण समारोह राजमहल होटल, मंडी में गरिमापूर्ण और उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वर्ष 2025-26 की अध्यक्ष सोमा राणा ने की। समारोह का शुभारंभ इनर व्हील प्रार्थना और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर सुंदरनगर ब्रांच की पूर्व अध्यक्ष अंजू ठाकुर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। निवर्तमान अध्यक्ष सोमा राणा ने सभी अतिथियों और क्लब सदस्यों का स्वागत करते हुए अपने कार्यकाल के दौरान किए गए विभिन्न सामाजिक एवं सेवा कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्लब ने जरूरतमंद लोगों की सहायता और समाज सेवा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। समारोह के दौरान वर्ष 2026-27 की नवनिर्वाचित अध्यक्ष नीरज शर्मा को अध्यक्षीय पिन, गैबल और क्लब चार्टर सौंपकर विधिवत पदभार ग्रहण करवाया गया। इसके बाद नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष नीरज शर्मा, सचिव चारू वैद्य, कोषाध्यक्ष सुकृति कपूर, संपादक पंकज भंडारी और आईएसओ जानकी राणा को जिम्मेदारी सौंपी गई। पूर्व कोषाध्यक्ष वीना राणा ने क्लब का वित्तीय विवरण प्रस्तुत किया, जबकि पूनम कोहली ने नए सदस्यों का परिचय करवाया। क्लब की ओर से किए गए प्रमुख सामाजिक कार्यों की जानकारी भी दी गई। इनमें कैंसर पीड़ित स्वर्गीय परम देव के परिवार को आपातकालीन वित्तीय सहायता और कैंसर पीड़ित नीलम कुमारी के उपचार के लिए आर्थिक सहयोग शामिल है। मुख्यातिथि अंजू ठाकुर ने अपने संबोधन में इनर व्हील क्लब मंडी द्वारा किए जा रहे सामाजिक सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए क्लब का योगदान सराहनीय है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अंजू ठाकुर और विशिष्ट अतिथि अनिता वैद्य को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में पूर्व सचिव मृदुला ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

4.77 लाख में 99 हजार श्रमिकों ने करवाई केवाईसी, आधे से अधिक निकले फर्जी

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। कामगार कल्याण बोर्ड में श्रमिक जब तक ई-केवाईसी नहीं करेंगे, उन्हें बोर्ड की स्कीमों का लाभ नहीं मिल पाएगा। इसके लिए 'ई-श्रम पोर्टल' पर भी हर हाल में श्रमिकों को रजिस्ट्रेशन करवानी होगी तभी उन्हें 14 स्कीमों का लाभ मिल पाएगा।

बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव कमल ने वीरवार को यहां बताया की पिछली मर्तबा 4.77 लाख श्रमिक बोर्ड के पास रजिस्टर थे। लेकिन अब जब से ई-केवाईसी हो रही है, तब से अभी तक 99000 श्रमिकों का ही आंकड़ा उपलब्ध हो पाया है। उन्होंने बताया कि 70000 के करीब जिन श्रमिकों को 176 करोड़ रुपए के लाभ दिए गए थे उनकी जांच हो रही है और बहुत जल्दी बोर्ड की गठित टीमें उनके घर द्वार तक पहुंचेंगी और असलियत जांचेंगी। यह पूछे जाने पर कि इस बार 1 लाख लोगों का भी आंकड़ा ई केवाईसी में उपलब्ध नहीं हो पाया है। जबकि पिछली मर्तबा पोने 5 लाख श्रमिक रजिस्टर थे? उन्होंने कहा कि गड़बड़ झाला था, अब सब कुछ जांच परख के हो रहा है और पोर्टल के हिसाब से नियमों के तहत सभी को गुजरना पड़ेगा। गड़बड़ी नहीं हो सकती। 15 अगस्त को मुख्यमंत्री सुक्खू लाभार्थियों को तकरीबन 20 करोड़ के लाभ देंगे, जो स्कीमें चल रही हैं उन्हीं के तहत यह फायदा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर संबंधित श्रमिकों को मिलेगा। नरदेव ने बताया कि जो भी लाभार्थी ईकेवाईसी और ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण निश्चित नहीं करेगा, उसे भविष्य में किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल पाएगा। लाभार्थी को इन दोनों प्रक्रियाओं से हर हाल में गुजरना होगा। नहीं तो वह बोर्ड द्वारा प्रदान किए जाने वाले लाभों से वंचित रह सकता है। यह सारी प्रक्रिया निशुल्क है, कोई भी पंजीकृत लाभार्थी श्रम कल्याण अधिकारी कार्यालय में इसे निशुल्क करवा सकता है। कोई चाहे तो लोक मित्र केंद्र में भी जा सकता है।

बिलासपुर में शुरू होगा 'मिशन दृष्टि', बच्चों की होगी व्यापक नेत्र जांच

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयास से बिलासपुर में 'मिशन दृष्टि बिलासपुर' शुरू किया जाएगा। डीसी राहुल कुमार ने बताया कि यह हिमाचल प्रदेश का पहला जिला स्तरीय व्यापक नेत्र जांच अभियान होगा, जिसका उद्देश्य बच्चों में दृष्टिदोष की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित करना है। अभियान का पहला चरण 1 सितंबर 2026 से सितंबर 2027 तक चलेगा। इसके तहत जिले के 782 सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा 1,111 आंगनवाड़ी केंद्रों में आरबीएसके की टीमें चरणबद्ध तरीके से बच्चों की आंखों की जांच करेंगी। उन्होंने बताया कि जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के माध्यम से दो ऑटो रिफ्रैक्टर मशीनें स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध करवाई गई हैं, जिनसे त्वरित और सटीक जांच संभव होगी। दृष्टि संबंधी समस्या पाए जाने वाले बच्चों को विशेषज्ञ उपचार और आवश्यकता अनुसार चश्मे उपलब्ध करवाए जाएंगे।

प्रदेश में 'एफआईआर राज' चला रही सुक्खू सरकार लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने का हो रहा प्रयास: राणा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा के प्रदेश वरिष्ठ प्रवक्ता राजिंदर राणा ने कहा कि 25 जुलाई को भाजपा की चार्जशीट समिति की बैठक होने के बाद से ही मुख्यमंत्री सुक्खू और कांग्रेस सरकार की बेचैनी स्पष्ट दिखाई देने लगी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले लगभग पौने चार वर्षों में प्रदेश में हुए घोटालों और सरकार की विफलताओं को छिपाने के लिए कांग्रेस सरकार राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से झूठे मुकदमे दर्ज कराने का अभियान चला रही है। राणा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में आज ऐसे हालात बन गए हैं, जो देश में वर्ष 1975 की आपातकाल की याद दिलाते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति सरकार की नाकामियों को उजागर करता है, उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी जाती है। पत्रकार यदि सरकार की विफलताओं को समाचार पत्रों या सोशल मीडिया के माध्यम से सामने लाते हैं तो उन्हें भी निशाना बनाया जाता है। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन कांग्रेस सरकार इस अधिकार को भी कुचलने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विधायक सुधीर शर्मा के विरुद्ध दर्ज मामला पूरी तरह राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है। राणा ने कहा कि संबंधित विभागों द्वारा पहले ही कई स्तरों पर जांच की जा चुकी थी। विजिलेंस द्वारा उनके आवास का निरीक्षण किया गया, आयकर विभाग ने भी आवश्यक जांच पूरी की और सभी दस्तावेज नियमों के अनुरूप पाए गए। इसके बावजूद मुख्यमंत्री के दबाव में पुलिस अधिकारियों से एफआईआर दर्ज करवाई गई। उन्होंने कहा कि अब यह बात भी सामने आ रही है कि अधिकारियों पर किस स्तर से दबाव बनाया जा रहा है। राणा ने कहा कि केवल धर्मशाला ही नहीं, बल्कि देहरा, हमीरपुर सहित कई भाजपा विधायकों तथा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं को भी झूठे मामलों में फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार राजनीतिक विरोधियों को डराने और दबाने के लिए पुलिस का दुरुपयोग कर रही है।

विजिलेंस ने सुधीर शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राज्य विजिलेंस एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने धर्मशाला से भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विजिलेंस ने धर्मशाला थाना में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। जानकारी के अनुसार प्रारंभिक जांच में जुटाए गए दस्तावेजों, संपत्तियों के मूल्यांकन और वित्तीय रिकॉर्ड के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। जांच एजेंसी अब विधायक की चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों, निवेश, आय के स्रोतों और अन्य वित्तीय लेन-देन की पड़ताल करेगी। विजिलेंस अधिकारियों के अनुसार जांच पूरी होने के बाद ही मामले में अंतिम निष्कर्ष सामने आएगा। वहीं सुधीर शर्मा ने सोशल मीडिया के माध्यम से कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। उन्होंने कहा कि वह उचित समय पर अपना पक्ष सार्वजनिक करेंगे।

मृदा व जल संरक्षण अधिकारियों ने सीपीआरआई शिमला का किया भ्रमण

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 27 मृदा एवं जल संरक्षण अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीपीआरआई), शिमला का दौरा कर उन्नत आलू अनुसंधान, टिकाऊ उत्पादन तकनीकों और कृषि प्रसार गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

यह दल भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा आयोजित 131वें अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत अध्ययन भ्रमण पर आया था। दल का नेतृत्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रामा पाल ने किया। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत सामाजिक विज्ञान प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार ने किया। उन्होंने संस्थान के इतिहास, उद्देश्य और देश में आलू अनुसंधान एवं विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों के लिए संचालित क्षमता विकास कार्यक्रमों, डिजिटल परामर्श सेवाओं और कृषि तकनीकों के प्रसार पर भी प्रकाश डाला। संस्थान के निदेशक डॉ. ब्रजेश सिंह ने बताया कि सीपीआरआई ने अधिक उपज देने वाली, रोग प्रतिरोधी और जलवायु अनुकूल आलू किस्मों के विकास, गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन, फसल संरक्षण और टिकाऊ उत्पादन प्रणालियों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने वैज्ञानिकों से आलू उत्पादन, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण और तकनीक हस्तांतरण से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने संस्थान के संग्रहालय और कुफरी फार्म का भी अवलोकन किया। अधिकारियों ने सीपीआरआई की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि यहां विकसित तकनीकें कृषि उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय में सुधार के लिए उपयोगी हैं।

पुरुवाला में सड़क हादसा बाइक चालक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। पांवटा साहिब क्षेत्र के पुलिस थाना पुरुवाला के अंतर्गत पुरुवाला चौक के पास हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार रात करीब 8:30 बजे सालवाला रोड पर मोटरसाइकिल तेज रफ्तार से आ रही थी। बताया जा रहा है कि चालक रवि कुमार ने अचानक ब्रेक लगाई, जिससे बाइक असंतुलित हो गई और दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान मोटरसाइकिल चालक रवि कुमार निवासी रक्सोल, बिहार ने दम तोड़ दिया। जबकि पीछे बैठे चंद किशोर का उपचार जारी है। शिकायतकर्ता मुस्ताक निवासी पुरुवाला के बयान पर पुलिस थाना पुरुवाला में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

राज्यपाल को सौंपी गई निकाय चुनाव की रिपोर्ट

शिमला। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने वीरवार को लोक भवन में राज्य निर्वाचन आयुक्त अनिल खाची से वर्ष 2026 में हुए स्थानीय निकायों के आम चुनाव की विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त की। यह रिपोर्ट मई 2026 में हुए पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव से जुड़ी है। इसमें चुनाव की तैयारी, मतदान, प्रशासनिक व्यवस्थाओं, कानूनी प्रक्रियाओं और चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराने से जुड़े विभिन्न पहलुओं का विस्तृत विवरण दिया गया है। रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद राज्यपाल ने राज्य निर्वाचन आयोग की सराहना करते हुए कहा कि आयोग ने चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराए।

कार्यालय ग्राम पंचायत खलारडू विकास खण्ड गोपालपुर तहसील सरकाघाट जिला मंडी (हि0प्र0)

निविदा आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत खलारडू में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए समस्त मदों के अंतर्गत विकास योजनायों हेतु सामग्री सप्लाई की निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। विवरण इस प्रकार से है-: **सामग्री का विवरण** रेता क्रशर प्रति क्यूबिक मीटर, रेता खडड प्रति क्यूबिक मीटर, बजरी क्रसर 10mm,20mm,40mm, प्रति क्यूबिक मीटर, बोल्डर प्रति क्यूबिक मीटर, ईंट पकी 2nd class प्रति इंट, शटरिंग स्टील व लकड़ी प्रति स्क्वेयर मीटर, jcb मशीन कटाई प्रति घंटा, jcb मशीन कटाई हार्ड रॉक (ब्रेकर) प्रति घंटा, सीमेंट दुलबाई सिविल सप्लाई धर्मपुर से कार्यस्थल तक प्रति बैग, बोर्ड लिखवाई व फोटो in sqr. (2 ×3ft) प्रति बोर्ड, बोर्ड सीमेंट in sqr.(2 ×3 ft) प्रति बोर्ड। निविदाएं कार्यालय ग्राम पंचायत खलारडू में दिनांक 7 अगस्त 2026 को शाम 5 बजे तक जमा हो जानी चाहिए। निविदाएं ग्राम पंचायत की मासिक बैठक में कार्यकारणी के समक्ष 10 अगस्त 2026 को खोली जायगी। निविदादाता के द्वारा ही निविदा मान्य होगी। **नियम व शर्ते-** 1 सप्लायर के पास GST No या Tin No होना चाहिए फोटो कापी संलगन करे। 2 यदि सप्लाई समय पर सप्लायर द्वारा नहीं दी जाती है तो कुटेशन को रद करने का अधिकार पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा । 3 ग्राम पंचायत के समस्त क्षेत्राधिकार में एक ही मूल्य देय होगा, सामग्री जहा तक सडक सुबिधा होगी वहां तक पहचानी होगी। 4 जिन निविदादाताओं की निविदा पास होगी उन्हें 20000/- रूपए की FDR ग्राम पंचायत के खाते मे पलज करा के पंचायत में जमा करवानी होगी। 5. निविदादाता पंचायत के किसी भी पदाधिकारी व कर्मचारी का सगा समन्धी नहीं होना चाहिये। 6. निविदादाता प्राधिकृत अधिकारी खनन विभाग द्वारा जारी एम फार्म व टेक्स सहित अपनी सामग्री की दर से रेट देगा। 7. जिस दिन निविदाए खोली जायगी उस दिन निविदादाता पंचायत में उपस्थित होना चाहिये जो निविदादाता उस दिन उपस्थित नहीं होगा उस की निविदा खोली नहीं जायगी उसे रद कर दिया जाएगा। 8. यदि सप्लाई समय पर सप्लायर द्वारा नहीं दी जाती है तो सप्लायर को आगे 5 वर्ष के लिए ब्लैक लिस्ट कर दिया जायेगा। 9. निविदायें आइटम वाइज ही ली जाएगी।

प्रधान/सचिव, कार्यालय ग्राम पंचायत खलारडू विकास खण्ड गोपालपुर तहसील सरकाघाट जिला मंडी (हि0प्र0)

न्यूज शॉर्ट्स

पिरान कलियर में नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी अब्दुल रहमान गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, कलियर। कोतवाली पिरान कलियर पुलिस ने दुष्कर्म और पोक्सो अधिनियम के गंभीर मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर वर्ष 2020 से नाबालिग किशोरी को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप है।

देहरादून में शिक्षिका की मौत पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

भारतेंदु संवाददाता, डोईवाला (देहरादून)। हर्रावाला में स्थित ससुराल में हुई शिक्षिका की मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मृतका की मां की शिकायत पर पुलिस ने मृतका के पति, सास, ननद के विरुद्ध दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह करीब आठ बजे सूचना मिली कि लक्ष्मण एनक्लेव दिल्ली फार्म हर्रावाला क्षेत्र में रहने वाली सृष्टि कंडारी (खत्री)), जो एक सरकारी विद्यालय में शिक्षिका थीं, की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

काशीपुर बालाजी धाम में छह वर्षीय बच्चे की मौत से हड़कंप

भारतेंदु संवाददाता, काशीपुर। उत्तराखंड के काशीपुर स्थित जंगलवाला बालाजी धाम में छह वर्षीय अर्पित की मौत के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। तंत्र-मंत्र और संदिग्ध इंजेक्शन से मौत के आरोपों के बीच पुलिस ने धाम में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर कब्जे में लिया है। शुरुआती जांच में बच्चे और उसकी दादी के धाम में पहुंचने की जानकारी सामने आई है।

बीएससी और बीकॉम की पढ़ाई बनी चुनौती, छात्र बीच कोर्स में बदल रहे शाखा

भारतेंदु संवाददाता, हल्द्वानी। हल्द्वानी के एमबीपीजी कॉलेज में कई विद्यार्थी बीएससी और बीकॉम जैसे स्नातक पाठ्यक्रमों से नाम कटवाकर बीए में प्रवेश ले रहे हैं। छात्रों का कहना है कि विज्ञान और वाणिज्य विषयों में सिद्धांत, सूत्र और न्यूमेरिकल्स की कठिनाई के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सितारगंज तहसील में रिश्वत मामले पर 20 घंटे बाद खत्म हुआ गतिरोध

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। सितारगंज तहसील में कथित रिश्वतखोरी मामले को लेकर चला 20 घंटे का गतिरोध गुरुवार सुबह समाप्त हो गया। विजिलेंस टीम ने हिरासत में लिए गए वरिष्ठ सहायक भूपेंद्र सिंह राणा और संग्रह अमीन को मुक्त कर दिया। बुधवार को किसान की शिकायत पर हुई कार्रवाई के बाद तहसील कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

चमोली में बारिश का कहर, किमाना गांव में भूस्खलन से घरों में घुसा मलबा

भारतेंदु संवाददाता, चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले के ज्योतिर्मठ क्षेत्र में भारी बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। किमाना गांव में भीषण भूस्खलन के कारण कई घरों में मलबा घुस गया। मंदिर की भोग मंडी और सुरक्षा दीवार को भी नुकसान पहुंचा है। लगातार भूस्खलन के चलते ग्रामीणों में भय का माहौल है। कई परिवारों ने सुरक्षित स्थानों और स्कूलों में शरण ली है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

श्रावण मास के साथ हरिद्वार में विश्व प्रसिद्ध कांवड़ मेले का हुआ शुभारंभ

हरकी पैड़ी से गंगाजल भरकर गंतव्यों की ओर रवाना हुए लाखों शिवभक्त

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। श्रावण मास के प्रारंभ के साथ धर्मनगरी हरिद्वार में गुरुवार से विश्व प्रसिद्ध कांवड़ मेले-2026 का विधिवत शुभारंभ हो गया। पहले ही दिन बड़ी संख्या में शिवभक्त 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ हरकी पैड़ी से गंगाजल भरकर अपने गंतव्यों की ओर रवाना हुए।

इस वर्ष मेले में करीब 5 करोड़ कांवड़ियों के पहुंचने का अनुमान है, जिसके मद्देनजर शासन-प्रशासन ने सुरक्षा व सुविधाओं की व्यवस्था की है।

पूरे कांवड़ मेला क्षेत्र को 18 सुपर जोन, 40 जोन और 141 सेक्टरों में विभाजित कर अधिकारियों की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए 6 हजार पुलिसकर्मी, 13 कंपनी अर्धसैनिक बल, पीएसी, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) लगातार निगरानी और चेकिंग में जुटे हैं।

मेले के मद्देनजर कांवड़ पटरी मार्ग को सुचारु कर दिया गया है। फिलहाल पैदल कांवड़ियों का आवागमन शुरू हो गया है, जबकि महाशिवरात्रि नजदीक आने पर डाक कांवड़ का दबाव बढ़ेगा। लाखों वाहनों की आवाजाही को देखते हुए अस्थायी पार्किंग स्थल बनाए गए हैं और विशेष ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया गया है।

कांवड़ मेले को देखते हुए 30 जुलाई से 11 अगस्त तक हरिद्वार जिले के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया गया है। सोशल मीडिया पर अफवाहों और भ्रामक पोस्ट पर रोक लगाने के लिए साइबर कमांडो और साइबर सेल की विशेष टीम 24 घंटे निगरानी करेगी।

जारी किए गए विशेष दिशा-निर्देश

हरिद्वार पुलिस ने श्रद्धालुओं के लिए विशेष दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। जुगाड़ वाहनों, रेट्रो साइलेंसर, हथियारनुमा वस्तुओं तथा नशे की हालत में यात्रा पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। पैदल कांवड़ की ऊंचाई 6 फीट और झांकी की ऊंचाई 10 फीट से अधिक नहीं होगी। प्रत्येक श्रद्धालु के लिए वैध पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य किया गया है।

मेले के दौरान तीन अनारक्षित कांवड़ मेला स्पेशल ट्रेनें सहित कुल पांच विशेष रेल सेवाएं संचालित की जाएंगी। दिल्ली-शामली डीएमयू और दिल्ली-सहारनपुर मेमू ट्रेनों का हरिद्वार तक विस्तार किया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को यात्रा में सुविधा मिल सके। **-वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (महेश यादव)**

नैनीताल में अब 'साइलेंट' होगी माल रोड

1 अगस्त से हॉर्न बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध

◆ हॉर्न बजाया तो लगेगा हजार रुपए जुर्माना, माल रोड पर हुई सख्ती

भारतेंदु संवाददाता, नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल में पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र मानी जाने वाली माल रोड अब शांत और सुकून भरे माहौल के लिए जानी जाएगी। शहर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण को कम करने और पर्यटकों व स्थानीय नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने माल रोड पर वाहनों के हॉर्न बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। यह नया नियम एक अगस्त 2026 से प्रभावी होगा।

कुमाऊं आयुक्त एवं मुख्यमंत्री के सचिव दीपक रावत ने बताया कि माल रोड पर लगातार बढ़ रहे शोर-शराबे के कारण पर्यटकों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। लोग आराम से घूमने और प्राकृतिक वातावरण का आनंद नहीं ले पा रहे थे। इसी समस्या को देखते हुए प्रशासन ने नो हॉर्न व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है।

नए आदेश के अनुसार माल रोड क्षेत्र में वाहन चालकों को अनावश्यक हॉर्न बजाने से बचना होगा। नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और उन्हें एक हजार रुपये का जुर्माना भरना पड़ेगा। प्रशासन का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नैनीताल की शांत और प्राकृतिक पहचान को बनाए रखना है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों को इस व्यवस्था की जानकारी पहले ही दे दी है।

बिना शोर के होगा पर्यटकों का सफर

बताया गया है कि स्थानीय नागरिक नियमों का पालन कर रहे हैं। वहीं बाहर से आने वाले पर्यटकों को भी जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि उन्हें नए नियमों की जानकारी मिल सके। नैनीताल देश-विदेश के पर्यटकों के बीच अपनी झील, प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे में प्रशासन का यह कदम शहर में बेहतर पर्यटन अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

देहरादून में विश्व बाघ दिवस पर अनोखी पहल

विद्यार्थियों ने समझा बाघों के संरक्षण का महत्व

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान में विद्यार्थियों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सेंट कबीर अकादमी के 70 से अधिक विद्यार्थियों और पांच शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. संगीता आंगोम, वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण समन्वयक (एनएमसीजी परियोजना) के व्याख्यान से हुआ। उन्होंने जैव विविधता और बाघ संरक्षण पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बाघ को अम्ब्रेला प्रजातिऔर शीर्ष शिकारी प्रजाति के रूप में समझाया। उन्होंने बताया कि इस धारियों वाले शिकारी का अस्तित्व पूरे वन पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य और संरक्षण से गहराई से जुड़ा हुआ है। इसके बाद डॉ. सौफिल मलिक, परियोजना वैज्ञानिक (एनएमसीजी परियोजना), ने विद्यार्थियों को बाघों की निगरानी और वैज्ञानिक अध्ययन की आधुनिक तकनीकों से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि कैमरा ट्रैप आज बाघों की संख्या का आकलन और उनकी निगरानी करने का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुके हैं। अपने व्याख्यान में उन्होंने भारतीय संस्कृति और पौराणिक परंपराओं में बाघ के महत्व का उल्लेख करते हुए प्रोजेक्ट टाइगर के इतिहास, उद्देश्यों और उपलब्धियों की भी जानकारी दी।

गौरीकुंड के पास दरकी पहाड़ी केदारनाथ यात्रा मार्ग बाधित

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। लगातार हो रही बारिश के कारण केदारनाथ पैदल यात्रा

◆ पहाड़ी से गिरे लगातार बोल्डर

मार्ग पर एक बार फिर भूस्खलन की घटना सामने आई है। गौरीकुंड गेट से करीब 200 मीटर आगे पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर गिरने से रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल आवाजाही रोक दी है। राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने और मार्ग बहाल करने में जुटे हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें और बिना अनुमति आगे बढ़ने का प्रयास न करें।

संत रविदास के विचार आज भी समाज के लिए प्रासंगिक: धामी

रुड़की के चुड़ियाला में संत रविदास जयंती कार्यक्रम का सीएम ने किया उद्घाटन

भारतेंदु संवाददाता, रुड़की। रुड़की के भगवानपुर क्षेत्र के ग्राम चुड़ियाला में संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कलश वंदन महारैली का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और संत रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास महाराज के विचार, शिक्षाएं और उपदेश आज भी आधुनिक समाज के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे। संत रविदास ने समाज में समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया था। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज में समरसता और एकता को मजबूत किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत रविदास ने हमेशा भेदभाव और सामाजिक असमानता के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने लोगों को प्रेम, सद्भाव और समान अधिकारों का संदेश दिया।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का किया उल्लेख

रुड़की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि काशी से कलश में जल लाकर इस आयोजन को विशेष रूप दिया गया है। इन कलशों को विभिन्न क्षेत्रों में भेजा जाएगा, ताकि संत रविदास के विचारों और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि भगवानपुर की धरती धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से विशेष महत्व रखती है और यहां संत रविदास की जयंती कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

गढ़ी श्यामपुर में बिजली कनेक्शन समस्या पर डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल हुए सक्रिय

ऋषिकेश में विद्युत सुविधा को लेकर ग्रामीणों की चिंता दूर करने के लिए विधायक ने की पहल

भारतेंदु संवाददाता, ऋषिकेश। ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गढ़ी श्यामपुर (52 बीघा) क्षेत्र में विद्युत कनेक्शन की समस्या को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल से मुलाकात की। क्षेत्रवासियों ने बताया कि पात्र होने के बावजूद कई लोगों को बिजली कनेक्शन उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं, जिससे उन्हें दैनिक जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल समाधान की दिशा में पहल की। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता शक्ति सिंह से दूरभाष पर वार्ता कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र के पात्र निवासियों को जल्द से जल्द विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएं।

एसएसपी देहरादून की रणनीति से दिल्ली का शातिर चेन स्नैचर पटेलनगर में गिरफ्तार

◆ प्रमेंद्र सिंह डोबाल, देहरादून (एसएसपी)

देहरादून। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के निर्देश पर पटेलनगर पुलिस ने चेन स्नैचिंग की घटना का खुलासा करते हुए दिल्ली के शातिर स्नैचर शहजाद अली को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से महिला से छीनी गई सोने की चेन और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने साथी के साथ घूमने के लिए देहरादून आया था और सुबह क्षेत्र की रेकी करने के बाद वारदात को अंजाम दिया। सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र और लगातार की गई जांच के आधार पर पुलिस ने उसे चंद्रबनी रोड से दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने नशे की लत पूरी करने के लिए चेन स्नैचिंग की बात स्वीकार की।

बदरीनाथ मंदिर से मुकुट चोरी करने वाला साधु गिरफ्तार

आश्रम में ठहरा साधु निकला मुकुट चोरी का आरोपी, चमोली पुलिस ने किया गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, गोपेश्वर। बदरीनाथ धाम में भगवान नारायण के सोने के मणि जड़ित मुकुट चोरी मामले में चमोली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी के आरोपी साधु राघवदास को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से चोरी किया गया करीब पांच लाख रुपये कीमत का सोने का मुकुट और नकदी बरामद की गई है। इस घटना के सामने आने के बाद मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मामले को लेकर काफी चिंता जताई जा रही थी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी साधु राघवदास आश्रम में भजन-कीर्तन के लिए शरण लेने आया था। आरोप है कि उसने 24 जुलाई 2026 की रात बदरीनाथ धाम में भगवान नारायण का मणि जड़ित सोने का मुकुट और नकदी चोरी कर ली थी। चोरी की जानकारी मिलने के बाद मंदिर प्रबंधन और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की तलाश के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया।

चमोली पुलिस ने किया गिरफ्तार

बदरीनाथ धाम देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है और यहां हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर में भगवान के आभूषण और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जाते हैं। ऐसे में मुकुट चोरी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बढ़ेगी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा

इस मामले में बरामदगी और गिरफ्तारी के बाद मंदिर प्रशासन तथा श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली है। पुलिस का कहना है कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर लगातार निगरानी बढ़ाई जा रही है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। बदरीनाथ धाम चोरी मामले का खुलासा पुलिस की त्वरित कार्रवाई और जांच का परिणाम माना जा रहा है।

एसएसपी के निर्देश पर विकासनगर पुलिस की कार्रवाई, जिलाबदर बदमाश दोबारा गिरफ्तार

◆ जिलाबदर अपराधी को दोबारा जिले में प्रवेश करते ही किया गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार अभियान के तहत विकासनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिलाबदर किए गए एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी आसिफ निवासी मुस्लिम बस्ती, विकासनगर को जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर 4 मई 2026 को छह माह के लिए देहरादून जिले से जिलाबदर किया गया था। आदेश के बावजूद वह निर्धारित अवधि पूरी होने से पहले जिले की सीमा में प्रवेश कर गया और कथित तौर पर चोरी की वारदात को अंजाम देने की फिराक में था।

मुखबिर से सूचना मिलने पर विकासनगर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को सिनेमा गली के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ गुंडा नियंत्रण अधिनियम, 1970 की धारा 3(1)/10 के तहत नया मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी आदतन अपराधी है और उसके विरुद्ध लूट, चोरी, शस्त्र अधिनियम तथा अन्य गंभीर धाराओं में पहले से 15 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

मांग

सीता माता मंदिर पुनर्निर्माण की मांग को लेकर बीकेटीसी कार्यालय पहुंचा यूकेडी

चांई सीता मंदिर पुनर्निर्माण को लेकर यूकेडी ने उठाई आवाज

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल ने चमोली जनपद के ज्योतिर्मठ स्थित चांई गांव में पौराणिक सीता माता मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर आवाज बुलंद की है। 30 जुलाई 2026 को उक्रांद के केंद्रीय महामंत्री बृजमोहन सिंह सजवाण के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने ऋषिकेश स्थित बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के कार्यालय पहुंचकर मुख्य कार्याधिकारी से मुलाकात की और मंदिर निर्माण को लेकर चर्चा की। मुख्य कार्याधिकारी ने इस मामले में जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

उक्रांद नेताओं का कहना है कि चांई गांव में स्थित माता सीता का यह प्राचीन मंदिर उत्तर भारत के प्रमुख पौराणिक स्थलों में से एक है, लेकिन वर्तमान में इसकी स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। मंदिर में स्थापित माता सीता की शिला को सुरक्षित रखने के लिए एक अन्य कमरे में रखकर पूजा की जा रही है। पार्टी नेताओं ने इसे धार्मिक आस्था से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए जल्द से जल्द भव्य मंदिर निर्माण की मांग की है।

मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की मांग की

केंद्रीय सचिव सौम्य चौधरी ने बीकेटीसी में कथित अनियमितताओं की जांच की मांग की। उन्होंने सरकार से मंदिर समिति से जुड़े सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच करने की अपील की। नगर अध्यक्ष ऋषिकेश राजेंद्र गुनसोला ने भी बद्रीनाथ मंदिर चोरी मामले में मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की मांग की।

केंद्रीय महामंत्री बृजमोहन सिंह सजवाण ने आरोप लगाया कि बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति की ओर से पहले मंदिर निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन बाद में उसे निरस्त कर दिया गया। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप मंदिर का निर्माण चाहते हैं। उक्रांद ने आरोप लगाया कि मंदिर निर्माण प्रक्रिया में अनावश्यक देरी की जा रही है।

उक्रांद के केंद्रीय उपाध्यक्ष मोहन सिंह असवाल ने चेतावनी दी कि यदि जल्द मंदिर निर्माण शुरू नहीं किया गया तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। वहीं केंद्रीय महामंत्री राजेंद्र बिष्ट ने बद्रीनाथ मंदिर में हुई चोरी की घटना का मुद्दा उठाते हुए मंदिर समिति के अध्यक्ष से नैतिक जिम्मेदारी के आधार पर इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि मंदिरों की सुरक्षा और व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती।

सीएम धामी के आगमन से पहले भगवानपुर में सियासी हंगामा

काले झंडे दिखाने की तैयारी कर रहे आसपा नेता हिरासत में लिए गए

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। हरिद्वार जिले के भगवानपुर क्षेत्र में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आगमन से पहले राजनीतिक माहौल गरमा गया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से पहले आजाद समाज पार्टी के विधानसभा संयोजक अमित कुमार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि अमित कुमार अपने कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस को जैसे ही इस योजना की जानकारी मिली, सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की गई।

पुलिस और खुफिया विभाग ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी थी। सुरक्षा अधिकारियों को आशंका थी कि विरोध प्रदर्शन के कारण कार्यक्रम स्थल पर स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है।

आसपा नेता की हिरासत के विरोध में भीम आर्मी

अमित कुमार की हिरासत की जानकारी मिलते ही आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ता सक्रिय हो गए। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भगवानपुर थाने पहुंचे और उन्होंने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हिरासत में लिए गए नेता की तत्काल रिहाई की मांग की।

तेज हुई राजनीतिक गतिविधियां

वहीं पुलिस प्रशासन ने साफ किया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी तरह की बाधा या कानून व्यवस्था की स्थिति पैदा न हो, इसके लिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि पूरे मामले पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद भगवानपुर क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

जीरकपुर को मिला नया थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जसबीर तूर ने संभाली कमान

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर

जीरकपुर पुलिस स्टेशन में प्रशासनिक फेरबदल के तहत इंस्पेक्टर जसबीर सिंह तूर को नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने गुरुवार को थाने की कमान संभाल ली। इससे पहले वह संगरूर जिले के धूरी में तैनात थे और स्थानांतरण के बाद मोहाली पहुंचे हैं। वहीं, जीरकपुर के मौजूदा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतिंदर सिंह का तबादला कर उन्हें ढकोली थाना भेज दिया गया है।

जीरकपुर पंजाब के तेजी से विकसित हो रहे शहरों में शामिल है। यहां लगातार बढ़ती आबादी, व्यावसायिक गतिविधियों के विस्तार और वाहनों की संख्या में वृद्धि के कारण पुलिस के सामने कई चुनौतियां हैं। नए थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जसबीर तूर के सामने शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखना और अपराधों पर नियंत्रण करना बड़ी जिम्मेदारी होगी। जीरकपुर क्षेत्र में ट्रैफिक जाम, स्नैचिंग, चोरी, लूटपाट, नशा तस्करी और साइबर अपराध जैसे मामलों पर प्रभावी कार्रवाई करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। इसके अलावा शहर में अवैध कब्जों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना भी पुलिस के लिए अहम चुनौती होगी। थाना प्रभारी का पद संभालने के बाद इंस्पेक्टर जसबीर सिंह तूर ने पुलिस टीम के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

माना जा रहा है कि वह क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, अपराधियों पर शिकंजा कसने और लोगों की शिकायतों का जल्द समाधान करने पर जोर देंगे। जीरकपुर में बड़ी संख्या में बाहरी लोग रहते हैं और रोजाना हजारों वाहन शहर से गुजरते हैं। ऐसे में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना भी नए थाना प्रभारी के लिए महत्वपूर्ण कार्य रहेगा।

चंडीगढ़ क्रेस्ट घोटाले में बड़ा खुलासा, दो साल में फर्जी कंपनियों को ट्रांसफर हुए 205 करोड़ रुपए

130 करोड़ रुपए जमा हुए, लेकिन लेनदेन में गड़बड़ी से हुआ 75 करोड़ का नुकसान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसायटी (क्रेस्ट) में हुए 75 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच पूरी कर जिला अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। जांच में सीबीआई ने क्रेस्ट के बैंक खातों में हुए कई संदिग्ध लेनदेन का खुलासा किया है।

आरोप है कि दो साल के दौरान फर्जी कंपनियों के खातों में करोड़ों रुपये ट्रांसफर किए गए। सीबीआई के अनुसार, क्रेस्ट के अधिकारियों ने कुछ बैंककर्मियों के साथ मिलीभगत कर करीब 205.75 करोड़ रुपये की राशि को अलग-अलग फर्जी कंपनियों के खातों में भेजा। जांच एजेंसी का दावा है कि इस लेनदेन के बदले संबंधित अधिकारियों को रिश्वत भी मिली। मामले में सीबीआई ने कुल 13 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

जांच में सामने आया है कि क्रेस्ट के बैंक खातों से रकम ट्रांसफर करने के लिए कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों और संदिग्ध बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि इस पूरे मामले में योजनाबद्ध तरीके से वित्तीय अनियमितताएं की गईं। हालांकि, मामले में आगे की जांच अभी जारी है और अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। सीबीआई के मुताबिक, क्रेस्ट के खातों में करीब 130 करोड़ रुपये जमा भी करवाए गए थे, लेकिन लेनदेन की प्रक्रिया में गड़बड़ी के कारण संस्था को लगभग 75 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

जांच एजेंसी ने चार्जशीट में बैंक रिकॉर्ड, लेनदेन से जुड़े दस्तावेज और अन्य सबूतों का उल्लेख किया है। क्रेस्ट चंडीगढ़ प्रशासन से जुड़ी एक संस्था है, जो नवीकरणीय ऊर्जा और विज्ञान एवं तकनीक को बढ़ावा देने के क्षेत्र में काम करती है। संस्था में हुए इस कथित घोटाले ने प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। मामले की जांच शुरू होने के बाद कई वित्तीय लेनदेन की समीक्षा की गई और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाई गई। सीबीआई ने अपनी जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया कि रकम किन-किन खातों में भेजी गई और इस पूरे नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल थे।

जांच एजेंसी ने आरोपित अधिकारियों और बैंक कर्मचारियों के बीच कथित संबंधों की भी पड़ताल की है। चार्जशीट दाखिल होने के बाद अब मामला अदालत में आगे बढ़ेगा। अदालत में आरोपितों के खिलाफ पेश किए गए सबूतों और जांच रिपोर्ट के आधार पर सुनवाई होगी। सीबीआई का कहना है कि घोटाले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच जारी है और यदि किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

फर्जी गैस अपडेट और ई-चालान लिंक से चंडीगढ़ में छह लाख की ठगी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। साइबर अपराधियों ने फर्जी गैस अकाउंट अपडेट और ई-चालान भुगतान के नाम पर तीन लोगों को अपना शिकार बनाया और करीब छह लाख रुपये ठग लिए। ठगों ने मोबाइल फोन पर संदिग्ध लिंक भेजकर लोगों को 13 रुपये के छोटे भुगतान का झांसा दिया। जैसे ही पीड़ितों ने लिंक पर क्लिक कर जानकारी साझा की, उनके बैंक खातों से रकम निकाल ली गई। तीनों मामलों की शिकायत मिलने के बाद साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अलग-अलग एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने लोगों को अज्ञात लिंक, कॉल और एपीके फाइल डाउनलोड करने से बचने की सलाह दी है।

एनआरआई पति पर पत्नी से नौकरानी जैसा व्यवहार करने का आरोप, एफआईआर दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। मोहाली में एक एनआरआई पति के खिलाफ पत्नी ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि शादी के बाद पति ने उसे कनाडा ले जाने से इनकार कर दिया। बताया जा रहा है कि फाइव स्टार होटल में निकाह नहीं होने को लेकर पति नाराज था। महिला ने आरोप लगाया कि पति उसके साथ नौकरानी जैसा व्यवहार करता था और उसे मानसिक रूप से परेशान किया गया। शिकायत के आधार पर मोहाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दोनों पक्षों से पूछताछ कर मामले की सच्चाई पता लगाने में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब में 2000 पीटीआई पदों पर भर्ती का रास्ता साफ, योग्य उम्मीदवारों को मौका

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में पीटीआई (शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक) शिक्षकों की भर्ती को लेकर प्रक्रिया कल से शुरू होने जा रही है। राज्य में करीब 2000 पीटीआई पदों पर योग्य उम्मीदवारों को मौका मिलेगा। भर्ती प्रक्रिया को लेकर विभाग की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उम्मीदवारों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है, ताकि आवेदन और अन्य जानकारी से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जा सके। इस भर्ती से लंबे समय से रोजगार का इंतजार कर रहे युवाओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। विभाग ने योग्य उम्मीदवारों से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करने की अपील की है। भर्ती से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियां जल्द ही आधिकारिक माध्यमों से उपलब्ध कराई जाएंगी।

मोहाली स्कूल के बाहर बेटे को ले जाने की कोशिश, मां-दादा से मारपीट

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली । मोहाली के फेज-5 स्थित द मिलेनियम स्कूल के बाहर बुधवार सुबह पारिवारिक विवाद के चलते हंगामा हो गया। एक महिला ने अपने पति और उसके साथ आए कुछ लोगों पर छह वर्षीय बेटे को जबरन अपने साथ ले जाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि विरोध करने पर आरोपितों ने उसके और उसके पिता के साथ मारपीट की, जिससे दोनों घायल हो गए। पीड़िता का इलाज मोहाली फेज-6 अस्पताल में चल रहा है। महिला ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। उसने आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोनों पक्षों से जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में उपलब्ध साक्ष्यों और शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, महिला ने आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बंदी सिंहों और अमृतपाल की रिहाई प्रदर्शन में हिंसा,15 पुलिसकर्मी घायल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। बंदी सिंहों और 'वारिस पंजाब दे' संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह की रिहाई की मांग को लेकर चंडीगढ़ में किया गया प्रदर्शन बुधवार को उग्र हो गया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़प में 15 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था में तैनात एक वाटर कैनन चालक के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई, जिससे उसका हाथ टूट गया।

जानकारी के अनुसार, प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री भगवंत मान से मिलने की मांग को लेकर आगे बढ़ रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सेक्टर-45/46 चौक पर तैनात वाटर कैनन को प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया। इस दौरान चालक के साथ मारपीट की गई और उसे चोटें आईं। बाद में घायल चालक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने काफी संयम बरता। पुलिस का कहना है कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई थी। इसके बावजूद कुछ प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की व झड़प की स्थिति बन गई। चंडीगढ़ पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान हिंसा करने वाले संदिग्ध लोगों की तस्वीरें जारी कर उनकी पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

एसएसपी कंवरदीप कौर ने बताया कि शहर में लागू भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि देर रात बीएनएसएस की धारा 173(1) के तहत संज्ञेय अपराधों के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई।

कार डिलीवरी में देरी पड़ी भारी, चंडीगढ़ डीलर पर लगा 3.25 लाख रुपए हर्जाना

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ में नई कार की डिलीवरी में देरी करना एक डीलर को भारी पड़ गया। जिला उपभोक्ता आयोग ने ग्राहक की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए इंडस्ट्रियल एरिया स्थित ऑटोपेस नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड (नेक्सा डीलर) को सेवा में कमी और अनुचित व्यापारिक व्यवहार का दोषी ठहराया है। आयोग ने डीलर को ब्याज सहित 3.25 लाख रुपये हर्जाना और मुकदमा खर्च देने के निर्देश दिए हैं।

यह फैसला सेक्टर-30 निवासी प्रीति शर्मा की शिकायत पर सुनाया गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्होंने 15 फरवरी 2026 को ग्रैंड विटारा अल्फा स्मार्ट हाइब्रिड मैनुअल कार बुक करवाई थी। इसके लिए उन्होंने वाहन की पूरी कीमत भी जमा कर दी थी, लेकिन इसके बावजूद डीलर ने तय समय पर कार की डिलीवरी नहीं की। प्रीति शर्मा ने आयोग को बताया कि वह गर्भवती थीं और उनकी सास भी बीमार थीं। ऐसी स्थिति में उन्हें समय पर वाहन की जरूरत थी, लेकिन डीलर की लापरवाही के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

कई बार संपर्क करने के बाद भी डीलर की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिला। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पूरी राशि लेने के बाद भी वाहन उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे उन्हें मानसिक परेशानी और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इसके बाद उन्होंने जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराई। मामले की सुनवाई के दौरान आयोग ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और पाया कि डीलर की ओर से सेवा में कमी की गई है।

आयोग ने माना कि ग्राहक से पूरी राशि लेने के बाद समय पर वाहन उपलब्ध कराना डीलर की जिम्मेदारी थी। आयोग ने डीलर को निर्देश दिया कि वह शिकायतकर्ता को 3.25 लाख रुपये की राशि ब्याज और मुकदमा खर्च सहित अदा करे। फैसले के बाद उपभोक्ता अधिकारों से जुड़े मामलों में इसे महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

मतभेदों के बीच कांग्रेस नेताओं की मुलाकात से पंजाब की सियासत में नई हलचल

कांग्रेस की अंदरूनी कलह पर विराम की कोशिश तीन बड़े नेताओं चन्नी-रंधावा-वड़िंग की दिल्ली में मुलाकात

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में पिछले कई महीनों से चली आ रही अंदरूनी खींचतान के बीच दिल्ली में हुई एक अहम बैठक ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा शुरू कर दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा एक साथ बैठक में नजर आए। पार्टी के भीतर इस मुलाकात को केवल औपचारिक चर्चा नहीं, बल्कि नेताओं के बीच दूरियां कम करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में पंजाब कांग्रेस को मजबूत करने, संगठनात्मक मुद्दों और आने वाली राजनीतिक चुनौतियों को लेकर चर्चा हुई। लंबे समय से पार्टी के भीतर चल रहे मतभेदों के बीच तीनों नेताओं का एक मंच पर आना कार्यकर्ताओं के लिए भी सकारात्मक संदेश माना जा रहा है।

गौरतलब है कि कुछ समय पहले तक चरणजीत सिंह चन्नी और राजा वड़िंग के बीच रिश्तों में तल्खी की खबरें सामने आई थीं। चन्नी ने इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो भी साझा किया था, जिसमें व्यंग्यात्मक अंदाज में अपनी नाराजगी जाहिर की गई थी। उस वीडियो के बाद कांग्रेस के अंदर चल रहे मतभेदों को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई थीं। अब दिल्ली में हुई इस बैठक के बाद दोनों नेताओं के बीच बेहतर तालमेल के संकेत मिले हैं।

कांग्रेस नेतृत्व भी पंजाब में पार्टी को एकजुट रखने और संगठन को मजबूत करने पर जोर दे रहा है। ऐसे में वरिष्ठ नेताओं की यह मुलाकात पार्टी के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बैठक में सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा की मौजूदगी भी अहम रही। रंधावा पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं और संगठन से जुड़े मामलों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। तीनों नेताओं ने आपसी समन्वय बढ़ाने और पार्टी की गतिविधियों को तेज करने पर चर्चा की।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पंजाब में कांग्रेस के सामने आम आदमी पार्टी सरकार को घेरने के साथ-साथ अपने संगठन को मजबूत करने की चुनौती है। ऐसे में पार्टी के प्रमुख नेताओं के बीच एकता का संदेश देना कांग्रेस के लिए जरूरी है। हालांकि, बैठक के बाद नेताओं की ओर से किसी बड़े राजनीतिक फैसले का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन साथ बैठकर चर्चा करने से यह संकेत जरूर मिला है कि पार्टी अंदरूनी मतभेदों को कम करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

मोहाली शिक्षा भवन में घुसे शिक्षक चौथी मंजिल पर दिया धरना

◆ पदोन्नति मुद्दे पर शिक्षक सरकार से नाराज

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। लंबित पदोन्नतियों और सरकारी स्कूलों में खाली पड़े पदों को भरने की मांग को लेकर डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट (डीटीएफ) पंजाब के शिक्षकों ने मोहाली स्थित शिक्षा भवन के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब शिक्षक पुलिस को चकमा देकर शिक्षा भवन के अंदर प्रवेश कर गए और चौथी मंजिल पर स्थित पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग के डायरेक्टर कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए।

शिक्षकों के अचानक भवन के अंदर पहुंचने से पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को मौके पर तैनात किया गया। अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन शिक्षक अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे। डीटीएफ नेताओं ने कहा कि लंबे समय से शिक्षकों की पदोन्नतियां लंबित हैं और सरकारी स्कूलों में कई पद खाली पड़े हुए हैं। इन पदों को जल्द भरने और शिक्षकों की अन्य मांगों को पूरा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से ठोस आश्वासन मिलने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

इससे पहले प्रदेशभर से पहुंचे शिक्षकों ने शिक्षा भवन के मुख्य गेट का घेराव किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि उनकी मांगों को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है।

प्रशासन की ओर से शिक्षकों से बातचीत का प्रयास किया गया। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। शिक्षकों ने कहा कि उनकी मांगें केवल आश्वासन से पूरी नहीं होंगी, बल्कि सरकार को जल्द निर्णय लेकर पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि समाधान नहीं होने पर आंदोलन जारी रहेगा।

एक करोड़ खर्च फिर भी पानी-पानी चंडीगढ़, ड्रेनेज व्यवस्था पर मंथन शुरू

ड्रेनेज सिस्टम सुधारने के दावों के बीच सामने आई जमीनी हकीकत ,दो दिन की बारिश में खुली ड्रेनेज व्यवस्था की पोल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

दो दिन की लगातार बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। नगर निगम की ओर से 30 हजार रोड गलियों की सफाई कराने और इस पर करीब एक करोड़ रुपये खर्च करने के दावे के बावजूद शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति देखने को मिली। बारिश के बाद सड़कों पर पानी जमा हो गया और कई इलाकों में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

इस स्थिति को लेकर नगर निगम अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। नगर निगम वित्त एवं अनुबंध समिति की बैठक में मेयर सौरभ जोशी और समिति के पार्षदों ने जलभराव के मुद्दे को गंभीरता से उठाया। पार्षदों ने सवाल किया कि जब निगम ने मानसून से पहले रोड गलियों की सफाई पर लाखों रुपये खर्च किए थे तो फिर एक घंटे की बारिश में ही शहर की सड़कें पानी से क्यों भर गईं। उन्होंने कहा कि केवल सफाई के दावे करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है।

बैठक में अधिकारियों से जवाब मांगा गया कि रोड गलियों की सफाई के बाद भी बारिश के दौरान पानी निकासी में दिक्कत क्यों आई। कमिश्नर अमित कुमार ने संबंधित अधिकारियों से इस मामले में रिपोर्ट देने को कहा है। उन्होंने यह भी जानने को कहा कि किन क्षेत्रों में जलभराव हुआ और वहां पानी जमा होने के पीछे क्या कारण रहे।

नगर निगम की ओर से हर साल मानसून से पहले नालियों और रोड गलियों की सफाई का अभियान चलाया जाता है। इस बार भी हजारों रोड गलियों की सफाई का दावा किया गया था। निगम अधिकारियों का कहना था कि सफाई अभियान से बारिश के दौरान जलभराव की समस्या कम होगी।

लेकिन पहली तेज बारिश में ही कई जगहों पर हालात खराब हो गए। शहर के कई प्रमुख मार्गों, रिहायशी इलाकों और निचले क्षेत्रों में पानी जमा होने से वाहन चालकों और आम लोगों को परेशानी हुई। कुछ स्थानों पर बारिश का पानी घरों और दुकानों तक पहुंच गया।

लोगों ने नगर निगम की तैयारियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर थोड़ी देर की बारिश में ऐसी स्थिति बन रही है तो ज्यादा बारिश होने पर हालात और खराब हो सकते हैं।

जलभराव पर निगम से मांगा जवाब

नगर निगम अधिकारियों ने मामले की जांच कर जलभराव के कारणों का पता लगाने की बात कही है। अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा कि रोड गलियों की सफाई में कमी रही या फिर ड्रेनेज सिस्टम की क्षमता कम होने से समस्या पैदा हुई। पार्षदों ने कहा कि मानसून के दौरान लोगों को परेशानी से बचाने के लिए स्थायी समाधान जरूरी है। उन्होंने जल निकासी व्यवस्था की नियमित निगरानी और कमजोर क्षेत्रों में सुधार कार्य जल्द शुरू करने की मांग की है। निगम प्रशासन ने जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया है। नगर निगम ने कहा है कि बारिश के पानी की निकासी को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण कर समस्याओं की पहचान करें और जल्द रिपोर्ट सौंपें। वहीं, पार्षदों ने कहा कि हर साल मानसून से पहले सफाई अभियान चलाया जाता है, लेकिन इसके बावजूद जलभराव की स्थिति बनना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि केवल रोड गलियों की सफाई तक सीमित रहने के बजाय पूरे ड्रेनेज नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। शहरवासियों को उम्मीद है कि निगम इस बार स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाएगा।

चंडीगढ़ में बीच सड़क पलटा ई रिक्शा, चालक समेत छह लोग घायल

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

चंडीगढ़ में पीजीआई से हाउसिंग बोर्ड जाने वाली मुख्य सड़क पर गुरुवार दोपहर एक बड़ा हादसा होने से टल गया। यहां यात्रियों से भरा एक ई-रिक्शा अचानक अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गया। हादसे के समय ई-रिक्शा में चालक समेत छह लोग सवार थे। दुर्घटना में सभी लोग सड़क पर गिर गए, जिनमें से दो यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं।

जानकारी के अनुसार, ई-रिक्शा पीजीआई से हाउसिंग बोर्ड की तरफ जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में अचानक उसका टायर फट गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया और ई-रिक्शा पलट गया। अचानक हुए हादसे से सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ई-रिक्शा के पलटते ही पीछे से आ रहे तेज रफ्तार वाहनों के चालकों ने तुरंत ब्रेक लगा दिए। समय रहते वाहन रुक जाने से एक बड़ा हादसा होने से बच गया। यदि पीछे आ रही गाड़ियां समय पर नहीं रुकतीं तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। हादसे के बाद आसपास मौजूद राहगीर तुरंत मदद के लिए पहुंचे और ई-रिक्शा में फंसे लोगों को बाहर निकाला। घायल यात्रियों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, मुख्य सड़क पर वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है, ऐसे में अचानक हुए इस हादसे से कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों का कहना है कि वाहन की तकनीकी खराबी या अन्य कारणों का पता लगाया जा रहा है। साथ ही हादसे में घायल लोगों की स्थिति की जानकारी भी जुटाई जा रही है। समय पर मदद मिलने और पीछे आ रहे वाहनों के रुकने से एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने ई-रिक्शा को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था को सामान्य कराया।

प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह टायर फटना सामने आई है। पुलिस वाहन की स्थिति और चालक से संबंधित जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, स्थानीय लोगों ने सड़क पर चलने वाले वाहनों की नियमित जांच और सुरक्षा नियमों के पालन की मांग की है।

नगर निगम बैठक में कांग्रेस उठाएगी 20 हजार लीटर मुफ्त पानी का मुद्दा

प्री-हाउस बैठक में कांग्रेस ने तय की रणनीति, पानी, सफाई और विकास मुद्दों पर सत्ता पक्ष को घेरेगी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

नगर निगम सदन कल होने वाली बैठक को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। बैठक में कांग्रेस ने सत्ता पक्ष को घेरने की रणनीति तैयार कर ली है। शहरवासियों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए कांग्रेस ने सेक्टर-35 स्थित राजीव भवन में प्री-हाउस बैठक आयोजित की। इसमें पार्टी नेताओं और पार्षदों ने सदन में उठाए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा की और रणनीति तैयार की।

बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एचएस लक्की मौजूद रहे। वहीं, सांसद मनीष तिवारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े और उन्होंने पार्षदों को जरूरी सुझाव दिए। कांग्रेस ने तय किया कि नगर निगम सदन में शहर के लोगों से जुड़े मूलभूत मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा और सत्ता पक्ष से जवाब मांगा जाएगा।

कांग्रेस की ओर से सबसे प्रमुख मुद्दा प्रत्येक परिवार को 20 हजार लीटर मुफ्त पानी उपलब्ध कराने की मांग होगी। पार्टी नेताओं का कहना है कि पानी लोगों की मूल जरूरत है और नगर निगम को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। कांग्रेस सदन में इस मांग को प्रमुखता से रखने की तैयारी कर रही है। इसके अलावा शहर की सफाई व्यवस्था, विकास कार्यों, पेयजल आपूर्ति और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शहरवासियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और नगर निगम को इनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए। बैठक में पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को भी साझा किया। इनमें सड़कों की स्थिति, सफाई व्यवस्था, जल निकासी, स्ट्रीट लाइट और अन्य स्थानीय मुद्दे शामिल रहे। कांग्रेस ने कहा कि सदन में जनहित से जुड़े सभी विषयों को प्रभावी तरीके से उठाया जाएगा। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि नगर निगम में सत्ता पक्ष जनता की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है।

उन्होंने कहा कि विकास और सुविधाओं के नाम पर किए जा रहे दावों की वास्तविक स्थिति सदन में सामने रखी जाएगी। पार्टी ने अपने पार्षदों को तथ्यों के साथ मुद्दे उठाने के निर्देश दिए हैं। कल की बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा होनी है। ऐसे में विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच बहस होने की संभावना जताई जा रही है। कांग्रेस की तैयारी को देखते हुए सदन की बैठक के हंगामेदार रहने के आसार हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल विरोध करना नहीं, बल्कि शहरवासियों की समस्याओं का समाधान करवाना है। उन्होंने कहा कि पानी, सफाई और विकास जैसे मुद्दे सीधे आम लोगों से जुड़े हैं और इन पर नगर निगम को जवाबदेही तय करनी होगी।

नगर निगम की बैठक से पहले कांग्रेस की रणनीति तैयार होने के बाद अब सभी की नजरें सदन की कार्यवाही पर टिकी हैं। देखना होगा कि सत्ता पक्ष विपक्ष के सवालों का किस तरह जवाब देता है और शहर से जुड़े मुद्दों पर क्या निर्णय लिए जाते हैं। बैठक को लेकर नगर निगम के अन्य दलों ने भी अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। सदन में शहर की समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर कई मुद्दे उठने की संभावना है। पार्षद अपने-अपने वार्डों से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से रखने की तैयारी में हैं। इनमें टूटी सड़कों की मरम्मत, जलभराव की समस्या, कूड़ा प्रबंधन, सफाई व्यवस्था और स्ट्रीट लाइटों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं।

कांग्रेस का कहना है कि सदन की बैठक में केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहने के बजाय जनता से जुड़े मुद्दों पर ठोस चर्चा होनी चाहिए। पार्टी नेताओं ने कहा कि नगर निगम को शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जवाबदेही के साथ काम करना होगा। वहीं, सत्ता पक्ष की ओर से भी अपने कार्यों और योजनाओं को सदन में रखने की तैयारी की जा रही है। बैठक में विकास परियोजनाओं की प्रगति, बजट से जुड़े प्रस्तावों और आगामी योजनाओं पर भी चर्चा हो सकती है। नगर निगम की इस बैठक को राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कांग्रेस द्वारा पहले ही रणनीति तैयार करने के बाद सदन में माहौल गरम रहने की संभावना है। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि बैठक में कौन-कौन से मुद्दे उठते हैं और सत्ता पक्ष उनका किस तरह जवाब देता है।

संशोधित बेअदबी कानून पर जत्थेदार का विरोध, सरकार से जताई नाराजगी

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने पंजाब सरकार की ओर से भेजे गए बेअदबी कानून के संशोधित मसौदे पर असंतोष जताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंथ की ओर से दिए गए अधिकतर सुझावों को मसौदे में शामिल नहीं किया गया है। जत्थेदार ने कहा कि पहले जिन प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बनी थी, उनमें से करीब 90 प्रतिशत सुझाव संशोधित मसौदे में नहीं जोड़े गए।

बेअदबी कानून संशोधन को लेकर धार्मिक प्रतिनिधियों और सरकार के बीच बढ़ा मतभेद

जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने कहा कि बेअदबी जैसे गंभीर मामले से जुड़े कानून को तैयार करते समय सभी पक्षों की भावनाओं और सुझावों का ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि संशोधन में महत्वपूर्ण सुझावों को जगह नहीं दी गई तो कानून बनाने का उद्देश्य पूरा नहीं होगा। उन्होंने पंजाब सरकार से अपील की है कि जब तक बेअदबी कानून में प्रस्तावित संशोधनों पर अंतिम सहमति नहीं बन जाती, तब तक पंजाब विधानसभा में इस कानून से जुड़ी किसी भी चर्चा या विधायी प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले सभी आपत्तियों और सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाना जरूरी है। बता दें कि पंजाब विधानसभा का सत्र 3 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। इससे पहले बेअदबी कानून में संशोधन को लेकर राजनीतिक और धार्मिक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। सरकार की ओर से तैयार किए गए संशोधित मसौदे को लेकर अब अकाल तख्त की आपत्ति सामने आई है।

जत्थेदार ने कहा कि बेअदबी के मामलों में सख्त और प्रभावी कानून की आवश्यकता है, लेकिन इसके लिए सभी संबंधित पक्षों की सहमति जरूरी है। उन्होंने कहा कि कानून ऐसा होना चाहिए जिससे भविष्य में बेअदबी की घटनाओं पर रोक लग सके और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित हो। इस मामले को लेकर अब सरकार की ओर से आगे क्या कदम उठाए जाते हैं, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

विधानसभा सत्र से पहले संशोधित मसौदे पर सहमति बनाने की कोशिशें तेज होने की संभावना है। सरकार और अकाल तख्त के बीच बातचीत के जरिए संशोधित मसौदे पर सहमति बनाने की कोशिश की जा सकती है। सभी पक्षों की आपत्तियों और सुझावों को ध्यान में रखते हुए अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है, ताकि विधानसभा में कानून को लेकर विवाद की स्थिति न बने और प्रभावी कानून तैयार हो सके।

भंडारी पुल पर प्रदर्शन के बीच हादसा पंजाब पुलिस कांस्टेबल की मौत

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पंजाब पुलिस के कांस्टेबल रणवीर सिंह की मौत हो गई। हादसा भंडारी पुल के पास हुआ, जहां धरने के कारण सड़क पर लगाई गई रस्सी से टकराने के बाद कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रणवीर सिंह अमृतसर में तैनात थे और मूल रूप से बटाला के रहने वाले थे।

जानकारी के अनुसार, रणवीर सिंह ड्यूटी पर तैनात थे, इसी दौरान उन्हें घर से फोन आया कि उनके बेटे का सड़क हादसा हो गया है। बेटे के घायल होने की सूचना मिलते ही उन्होंने तुरंत छुट्टी ली और स्कूटी से बटाला के लिए रवाना हो गए। वह जल्दबाजी में बेटे के पास पहुंचना चाहते थे। बताया जा रहा है कि जब रणवीर सिंह भंडारी पुल के पास पहुंचे तो वहां एक धरना चल रहा था। प्रदर्शन के चलते सड़क पर रस्सी बांधी गई थी। जल्दबाजी में होने के कारण वह रस्सी को देख नहीं पाए और उनकी स्कूटी सीधे उससे टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वह सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने रणवीर सिंह के निधन पर दुख जताया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों की ओर से यह भी पता लगाया जा रहा है कि धरना स्थल पर सड़क सुरक्षा के लिए किए गए इंतजाम पर्याप्त थे या नहीं।

हादसे के बाद प्रदर्शन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। रणवीर सिंह की मौत से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बेटे के घायल होने की खबर सुनकर निकले पिता खुद हादसे का शिकार हो गए।

मानसा में बेअदबी मामला दबाने के दबाव में पूर्व सेवक ने दी जान

भारतेंदु संवाददाता, मानसा। पंजाब के मानसा जिले के गांव बीरेवाला जट्टां में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी के मामले को कथित रूप से दबाने और चुप रहने का दबाव बनाए जाने से परेशान होकर एक 60 वर्षीय व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ निगल लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मृतक व्यक्ति गुरुद्वारे में पूर्व सेवक के रूप में काम कर चुके थे। आरोप है कि बेअदबी की घटना को लेकर उन पर मामले को सार्वजनिक नहीं करने और चुप रहने का दबाव बनाया जा रहा था। इससे परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया। घटना के बाद पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में गुरुद्वारा खजांची पर आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। सभी संबंधित लोगों से पूछताछ की जाएगी और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पटियाला में दर्दनाक हादसा, स्कूल बस की टक्कर से दो छात्रों की मौत

हादसे के विरोध में लोगों ने पातड़ां-जाखल रोड किया जाम

भारतेंदु संवाददाता, पटियाला। पातड़ां-जाखल रोड पर पंजाब हरियाणा सीमा के नजदीक गांव खानेवाल के पास गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में बाइक पर सवार 12वीं कक्षा के दो छात्रों की मौत हो गई। दोनों छात्र स्कूल जा रहे थे, तभी एक निजी स्कूल बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क जाम कर आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

स्कूल जाते समय दर्दनाक हादसा, बाइक सवार 12वीं के दो छात्रों की गई जान

जानकारी के अनुसार, गांव हरियाऊ कलां निवासी मोहित कुमार और प्रिंस कुमार बाइक पर सवार होकर संगरूर जिले के गांव बंगा स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल जा रहे थे। बताया जा रहा है कि दोनों छात्र 12वीं कक्षा में पढ़ते थे। जब वे पातड़ां-जाखल रोड पर गांव खानेवाल के पास पहुंचे तो मूनक क्षेत्र के गांव हमीरगढ़ स्थित बचपन इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की निजी बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों छात्र सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

हादसे की जानकारी मिलने के बाद मृतक छात्रों के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। गुस्साए लोगों ने पातड़ां-जाखल रोड पर जाम लगा दिया और बस चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सड़क हादसों को रोकने के लिए प्रशासन को ठोस कदम उठाने चाहिए।

पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत करने का प्रयास किया। अधिकारियों ने उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाने की कोशिश की। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है और बस चालक की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

जालंधर में ट्रक की टक्कर से युवक की मौके पर मौत

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। पंजाब के जालंधर में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा फिल्लौर-तेहिंग रोड पर हुआ, जहां बाइक और ट्रक की जोरदार टक्कर हो गई। मृतक युवक की पहचान अर्जुन सानी के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, अर्जुन सानी अपनी बहन प्रिया को फैक्ट्री छोड़ने के लिए बाइक पर जा रहा था। इसी दौरान फिल्लौर-तेहिंग रोड पर उनकी बाइक की एक ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अर्जुन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी बहन प्रिया गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि अर्जुन सानी की शादी करीब दो महीने बाद होने वाली थी। युवक की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, पुलिस ट्रक चालक की भूमिका और हादसे के अन्य कारणों की जांच कर रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

सरकार से मांगें पूरी करने की अपील, आंदोलन जारी रखने का ऐलान

सफाई कर्मचारियों के समर्थन में बंद फिरोजपुर में थमे बाजारों के कामकाज

भारतेंदु संवाददाता, फिरोजपुर। सफाई कर्मचारियों की मांगों के समर्थन में गुरुवार को बुलाए गए पंजाब बंद का फिरोजपुर में व्यापक असर देखने को मिला। शहर के मुख्य बाजारों और अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठानों के बंद रहने से सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा। सुबह से ही दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों के शटर बंद रखे और बंद का समर्थन किया।

फिरोजपुर के सदर बाजार, रेलवे रोड सहित कई प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में सन्नाटा दिखाई दिया। निजी स्कूलों और कई निजी कार्यालयों में भी कामकाज प्रभावित रहा, जबकि सरकारी स्कूल सामान्य दिनों की तरह खुले रहे। बंद के चलते सड़कों पर वाहनों की आवाजाही भी कम रही और शहर में सामान्य दिनों की तुलना में कम चहल-पहल नजर आई।

बंद के दौरान स्थिति शांतिपूर्ण रही। प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी रखी गई। अधिकारियों के अनुसार, जिले में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से बंद का समर्थन किया। रावण सी. अंबेडकर मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीप दशानन ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की मांगों को लेकर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

जिम में सुरक्षा पर सवाल युवती ने ट्रेनर पर लगाए छेड़छाड़ के आरोप

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ में एक युवती ने जिम ट्रेनर पर छेड़छाड़ और अश्लील हरकतों के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता के अनुसार, वह करीब दो महीने पहले अपनी बड़ी बहन के साथ जिम जाना शुरू किया था। बुधवार शाम भी दोनों जिम पहुंची थीं। आरोप है कि इसी दौरान जिम ट्रेनर उसे ऐसी जगह ले गया, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे और उसके साथ गलत व्यवहार किया। युवती ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि ट्रेनर ने उसके साथ छेड़छाड़ की और आपत्तिजनक तरीके से छूने की कोशिश की। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। वहीं, पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया है कि मामले को लेकर उन्हें धमकाया गया।

इंडो-नेपाल बॉर्डर से पकड़ा गया विक्रम सिंह अजनाला कोर्ट ने 5 दिन की हिरासत दी

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह के करीबी सहयोगी विक्रम सिंह को अजनाला कोर्ट ने पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस ने उसे कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत में पेश किया था, जहां जांच के लिए रिमांड की मांग की गई। अदालत ने पुलिस की मांग स्वीकार करते हुए विक्रम सिंह को पांच दिन की हिरासत में भेजने के आदेश दिए।

जानकारी के अनुसार, विक्रम सिंह को कुछ दिन पहले इंडो-नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया था। वह अमेरिका से भारत वापस लौटा था। सुरक्षा एजेंसियों ने उसके खिलाफ जारी लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) के आधार पर उसकी गतिविधियों पर नजर रखी हुई थी। भारत पहुंचने के बाद उसकी लोकेशन मिलने पर उसे हिरासत में लिया गया। पुलिस अब विक्रम सिंह से उसके पुराने मामलों, फरारी के दौरान की गतिविधियों और उसके संपर्कों को लेकर पूछताछ करेगी।

जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि विदेश में रहने के दौरान वह किन लोगों के संपर्क में था और भारत लौटने के बाद उसकी क्या गतिविधियां रहीं। विक्रम सिंह की गिरफ्तारी को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब कांग्रेस में घमासान तेज, सांसद घुबाया ने राजा वड़िंग से इस्तीफा देने की मांग उठाई

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आने लगी है। फिरोजपुर से कांग्रेस सांसद शेर सिंह घुबाया ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उनके इस्तीफे की मांग कर दी है। घुबाया ने कहा कि राजा वड़िंग पार्टी को सही दिशा में नहीं ले जा रहे हैं और पंजाब के लोग भी उनके कामकाज से नाराज हैं।

सांसद घुबाया ने आरोप लगाया कि प्रदेश कांग्रेस में कार्यकर्ताओं और नेताओं की बातों को उचित महत्व नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए नेतृत्व में बदलाव की जरूरत है। घुबाया ने साफ कहा कि अगर कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करना है तो संगठन को लेकर गंभीर फैसले लेने होंगे। उन्होंने कांग्रेस हाईकमान के सामने भी अपनी नाराजगी जाहिर की है। बताया जा रहा है कि घुबाया ने पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को लेकर भी हाईकमान से शिकायत की है। हालांकि, इस मामले में कांग्रेस की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पंजाब में विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस के सामने संगठन को एकजुट रखने की बड़ी चुनौती है। पार्टी पहले ही कई गुटों में बंटी हुई नजर आती रही है। ऐसे में घुबाया के बयान ने पार्टी के भीतर चल रही खींचतान को और उजागर कर दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चुनाव से पहले नेताओं के बीच मतभेद कांग्रेस के लिए नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। वहीं, पार्टी नेतृत्व के सामने अब सभी नेताओं को साथ लेकर चलने और संगठन को मजबूत करने की चुनौती है।

घुबाया के बयान के बाद पंजाब कांग्रेस की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। अब नजरें इस बात पर टिकी हैं कि पार्टी हाईकमान इस विवाद को शांत करने के लिए क्या कदम उठाता है। और क्या पार्टी नेतृत्व आगामी चुनावों से पहले अंदरूनी मतभेदों को दूर कर पाएगा, यह बड़ा सवाल बना हुआ है।

इनकार आप मंत्री ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर मांगी थी राहत, अदालत ने याचिका खारिज कर दी

सुप्रीम कोर्ट ने आप मंत्री संजीव अरोड़ा की जमानत याचिका खारिज की

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। आम आदमी पार्टी (आप) के मंत्री संजीव अरोड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। संजीव अरोड़ा ने मेडिकल आधार पर जमानत की मांग की थी, लेकिन एम्स की रिपोर्ट आने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका स्वीकार नहीं की। संजीव अरोड़ा फिलहाल गुरुग्राम जेल में बंद हैं।

जानकारी के अनुसार, संजीव अरोड़ा की ओर से अदालत में स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का हवाला देते हुए अंतरिम जमानत की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि उन्हें इलाज और बेहतर चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता है। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए मेडिकल रिपोर्ट मंगवाई थी। एम्स की रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया।

अदालत के इस फैसले के बाद संजीव अरोड़ा को जेल में ही रहना होगा। उनकी ओर से रखे गए मेडिकल आधार को कोर्ट ने पर्याप्त नहीं माना। मामले की सुनवाई के दौरान जांच और अन्य कानूनी पहलुओं पर भी विचार किया गया। संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी के बाद यह मामला पंजाब की राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है। आम आदमी पार्टी की ओर से लगातार कहा जाता रहा है कि वह कानूनी प्रक्रिया का सामना कर रहे हैं और उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है।

आप मंत्री संजीव अरोड़ा की बढ़ीं मुश्किलें, जेल में ही रहेंगे

वहीं, विपक्ष इस मामले को लेकर सरकार पर निशाना साधता रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब संजीव अरोड़ा की कानूनी टीम आगे की रणनीति पर विचार कर सकती है। जमानत के लिए अन्य कानूनी विकल्पों पर भी चर्चा की जा सकती है। हालांकि, फिलहाल उन्हें जेल में ही रहना होगा। बताया जा रहा है कि मामले से जुड़े दस्तावेजों और जांच की स्थिति को देखते हुए अदालत ने जमानत देने से इनकार किया है। कोर्ट ने मेडिकल रिपोर्ट को भी महत्वपूर्ण आधार माना।

अदालत का कहना है कि केवल स्वास्थ्य कारणों के आधार पर हर मामले में जमानत नहीं दी जा सकती, बल्कि पूरे मामले की परिस्थितियों को ध्यान में रखना जरूरी होता है। संजीव अरोड़ा आम आदमी पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल हैं और पंजाब सरकार में मंत्री पद पर हैं। उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी जारी है। आप नेताओं का कहना है कि उन्हें न्यायालय पर भरोसा है और सच्चाई सामने आएगी।

मां लक्ष्मी को समर्पित शुक्रवार : श्रद्धा, विश्वास और भक्ति से पूर्ण होती हैं मनोकामनाएं

डॉ. पीसी कौंडल
गांव ददोह, डा. धावन, तहसील बल्ह
जिला मंडी (हि.प्र.)

सप्ताह के सातों दिनों का अपना अलग महत्व है। प्रत्येक दिन किसी न किसी ग्रह, देवता, धार्मिक मान्यता और जीवन मूल्यों से जुड़ा हुआ माना जाता है। इन्हीं में से **शुक्रवार** का विशेष स्थान है। भारतीय संस्कृति में शुक्रवार को सुख, समृद्धि, सौभाग्य, प्रेम, सौंदर्य और शांति का दिन माना जाता है। यह दिन माता लक्ष्मी, संतोषी माता और शुक्र ग्रह की उपासना के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। वहीं इस्लाम धर्म में शुक्रवार को **जुमे का दिन** कहा जाता है, जिसे सबसे पवित्र दिनों में गिना जाता है। इस प्रकार शुक्रवार केवल एक सप्ताह का दिन नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता, सामाजिक एकता और सकारात्मक सोच का संदेश देने वाला महत्वपूर्ण अवसर है।

भारतीय ज्योतिष के अनुसार शुक्रवार का संबंध **शुक्र ग्रह** से माना जाता है। शुक्र को वैभव, कला, संगीत, सौंदर्य, प्रेम और ऐश्वर्य का कारक ग्रह माना गया है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से पूजा करने और सद्कर्म करने से जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। इसलिए अनेक लोग शुक्रवार को विशेष व्रत रखते हैं और माता लक्ष्मी तथा संतोषी माता की आराधना करते हैं। कई परिवारों में इस दिन घर की विशेष साफ-सफाई की जाती है, दीपक जलाए जाते हैं और परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की जाती है।

हिंदू धर्म में शुक्रवार का संबंध मुख्य रूप से **माता लक्ष्मी** से जोड़ा जाता है। लक्ष्मी को धन, समृद्धि और सौभाग्य की देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि जिस घर में स्वच्छता, सदाचार, परिश्रम और ईमानदारी का वातावरण होता है, वहां माता लक्ष्मी का स्थायी निवास होता है। शुक्रवार को लोग लक्ष्मी पूजा कर आर्थिक उन्नति, परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। कई स्थानों पर कमल के फूल, खीर, मिठाई और सफेद वस्तुओं का भोग अर्पित करने की परंपरा भी है।

इसी दिन **संतोषी माता** की पूजा का भी विशेष महत्व माना जाता है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु शुक्रवार का व्रत रखते हैं और संतोषी माता की कथा का श्रवण करते हैं। इस व्रत का मूल संदेश यह है कि जीवन में संतोष, धैर्य, संयम और सकारात्मक सोच अपनाने से कठिन परिस्थितियों पर भी विजय प्राप्त की जा सकती है। यह परंपरा लोगों को केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा भी देती है।

शुक्रवार का महत्व केवल हिंदू धर्म तक सीमित नहीं है। **इस्लाम धर्म** में शुक्रवार को **जुमा** कहा जाता है और इसे सप्ताह का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। जुमे की नमाज भाईचारे, समानता, अनुशासन और सामाजिक एकता का संदेश देती है। लोग एक-दूसरे की कुशलक्षेम पूछते हैं, दुआ करते हैं और समाज में सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लेते हैं।

ईसाई परंपरा में भी शुक्रवार का विशेष महत्व है। विशेष रूप से **गुड फ्राइडे** ईसा मसीह के बलिदान की स्मृति में मनाया जाता है। यह दिन त्याग, प्रेम, क्षमा और मानवता के संदेश का प्रतीक माना जाता है। इस प्रकार विभिन्न धर्मों में शुक्रवार अलग-अलग रूपों में महत्वपूर्ण है, लेकिन सभी का मूल संदेश मानवता, शांति और सदाचार ही है।

सामाजिक दृष्टि से भी शुक्रवार का अपना अलग महत्व है। यह सप्ताह के अंतिम कार्यदिवसों में से एक होता है और लोगों के लिए सप्ताहांत की शुरुआत का संकेत देता है। कार्यालयों, विद्यालयों और संस्थानों में लोग अपने सप्ताहभर के कार्यों की समीक्षा करते हैं तथा अगले सप्ताह की योजनाएं बनाते हैं। कई परिवार शुक्रवार की शाम को एक साथ समय बिताने, धार्मिक स्थलों पर जाने या सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने की परंपरा निभाते हैं। इससे पारिवारिक संबंध मजबूत होते हैं और मानसिक तनाव भी कम होता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक शांति भी है जीवन की वास्तविक समृद्धि का आधार

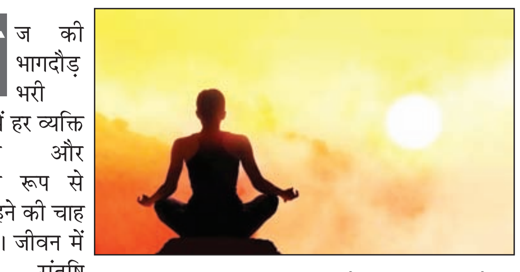

राजेंद्र पालमपुरी
वरिष्ठ साहित्यकार हिमाचल प्रदेश

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की चाह रखता है। जीवन में सफलता, संतुष्टि और खुशी केवल आर्थिक समृद्धि या सामाजिक प्रतिष्ठा से नहीं मिलती, बल्कि एक स्वस्थ तन और शांत, सकारात्मक मन से मिलती है। यदि मन स्वस्थ है, तो कठिन परिस्थितियां भी आसान लगने लगती हैं, जबकि अस्वस्थ मन छोटी समस्याओं को भी बड़ा बना देता है। इसलिए कहा जाता है कि स्वस्थ तन और मन ही सकारात्मक विचारों की असली जननी हैं।

मनुष्य के जीवन में होने वाली घटनाओं का प्रभाव केवल बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करता, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करता है कि व्यक्ति उन्हें किस दृष्टिकोण से देखता है। एक ही परिस्थिति किसी व्यक्ति को निराश कर सकती है, तो दूसरे को वही स्थिति संघर्ष करने और आगे बढ़ने की प्रेरणा दे सकती है। इसका मुख्य कारण मन की स्थिति होती है। यदि मन मजबूत और संतुलित हो, तो व्यक्ति हर कठिनाई में अवसर तलाश लेता है।

सकारात्मक सोच का अर्थ यह नहीं है कि जीवन में समस्याएं नहीं आएंगी, बल्कि इसका अर्थ यह है कि व्यक्ति समस्याओं के बीच भी उम्मीद, धैर्य और समाधान की तलाश बनाए रखे। सकारात्मक सोच वाला व्यक्ति असफलता को अंत नहीं, बल्कि सीखने का अवसर मानता है। वहीं नकारात्मक सोच व्यक्ति को मानसिक रूप से कमजोर कर देती है और वह स्वयं को असहाय महसूस करने लगता है।

मानसिक शांति और सकारात्मक विचारों के विकास में ध्यान और अध्यात्म की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अध्यात्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं है, बल्कि स्वयं को समझना, अपने विचारों को नियंत्रित करना और आत्मिक शांति प्राप्त करना है। ध्यान व्यक्ति को अपने भीतर झांकने और मन को स्थिर करने की क्षमता देता है। नियमित अभ्यास से तनाव, चिंता और मानसिक उथल-पुथल कम होने लगती है तथा एकाग्रता और आत्मविश्वास बढ़ता है। स्वस्थ शरीर भी उतना ही आवश्यक है जितना स्वस्थ मन। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, योग और पर्याप्त नींद शरीर को ऊर्जा और सि, यता प्रदान करते हैं। योग और प्राणायाम केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन को भी शांत करने में सहायक होते हैं। प्राचीन भारतीय जीवनशैली में इसी कारण योग और ध्यान को विशेष महत्व दिया गया है। अच्छी आदतें व्यक्ति के व्यक्तित्व और सोच को प्रभावित करती हैं। देर रात तक जागना, असंतुलित भोजन और मोबाइल या सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग मानसिक तनाव बढ़ा सकता है। इसके विपरीत, समय पर सोना, सुबह जल्दी उठना, प्रकृति के साथ समय बिताना और नियमित दिनचर्या अपनाना मन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखता है।

इसके साथ ही नकारात्मक लोगों और विचारों से दूरी बनाना भी आवश्यक है। हमेशा शिकायत करना और हर स्थिति में निराशा ढूंढना मन को कमजोर करता है। इसके स्थान पर कृतज्ञता की भावना अपनानी चाहिए। प्रतिदिन उन चीजों को याद करना जिनके लिए हम आभारी हैं, मानसिक शांति और संतोष को बढ़ाता है। अतः स्पष्ट है कि स्वस्थ तन और मन एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि शरीर स्वस्थ है लेकिन मन अशांत है, तो जीवन में संतुलन नहीं आ सकता, और यदि मन सकारात्मक है लेकिन शरीर कमजोर है, तो व्यक्ति अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं कर पाता। इसलिए जीवन में दोनों का संतुलन आवश्यक है। जब मन और तन दोनों स्वस्थ रहते हैं, तभी जीवन में सुख, शांति, सफलता और सकारात्मकता का वास्तविक अनुभव संभव होता है। यही संतुलित जीवन ही एक सार्थक और पूर्ण जीवन की पहचान है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

साहस और संकल्प से हर कठिनाई जीती जा सकती है।
-सुभद्रा कुमारी चौहान

संपादकीय

बाघ संरक्षण की अगली परीक्षा?

विश्व बाघ दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को याद दिलाने का महत्वपूर्ण दिन है। मध्य प्रदेश के लिए यह दिवस विशेष महत्व रखता है, क्योंकि देश में सबसे अधिक बाघों वाला राज्य होने के कारण उसे लंबे समय से 'टाइगर स्टेट' के रूप में पहचान मिली हुई है। यह पहचान केवल सम्मान का विषय नहीं, बल्कि प्रदेश की जैव विविधता, प्राकृतिक संपदा और संरक्षण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। वर्ष 2022 की अखिल भारतीय बाघ गणना में 785 बाघों के साथ मध्य प्रदेश ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया था। अब विभिन्न आकलनों के अनुसार वर्ष 2026 तक प्रदेश में बाघों की संख्या लगभग 1100 तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। यदि यह अनुमान सही साबित होता है तो यह वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। हालांकि, इस उपलब्धि के साथ कई नई चुनौतियां भी सामने आ रही हैं, जिनका समय रहते समाधान करना आवश्यक है।

पिछले कुछ वर्षों में मध्य प्रदेश सरकार, वन विभाग, वैज्ञानिक संस्थानों और स्थानीय समुदायों के संयुक्त प्रयासों से बाघ संरक्षण को नई दिशा मिली है। आधुनिक तकनीकों का उपयोग, कैमरा ट्रैप सर्वे, बेहतर निगरानी व्यवस्था, वन अपराधों पर नियंत्रण और प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा जैसे कदमों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। यही कारण है कि प्रदेश के विभिन्न टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक प्रबंधन और जनसहभागिता एक साथ कार्य करें तो वन्यजीव संरक्षण में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

लेकिन बढ़ती संख्या अपने साथ नई जिम्मेदारियां भी लेकर आती है। बाघ एक बड़े क्षेत्र में विचरण करने वाला वन्यजीव है। एक वयस्क नर बाघ को कई वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की आवश्यकता होती है, जबकि मादा बाघ भी अपने शावकों के पालन-पोषण के लिए पर्याप्त और सुरक्षित क्षेत्र चाहती है। जब किसी टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या तेजी से बढ़ती है तो वहां उपलब्ध क्षेत्र सीमित पड़ने लगता है। परिणामस्वरूप युवा बाघ नए क्षेत्रों की तलाश में जंगलों से बाहर निकलने लगते हैं। मध्य प्रदेश में हाल के वर्षों में भोपाल, रायसेन, देवास, सीहोर, विदिशा और अन्य वन क्षेत्रों में बाघों की सक्रियता इसी बदलाव का संकेत है। यह प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन यदि उनके लिए सुरक्षित आवागमन का मार्ग उपलब्ध नहीं होगा तो मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

मानव और बाघ के बीच संघर्ष आज वन्यजीव संरक्षण की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनता जा रहा है। जब बाघ भोजन या नए क्षेत्र की तलाश में गांवों और कृषि क्षेत्रों की ओर पहुंचते हैं तो मवेशियों पर हमले और कभी-कभी मानव जीवन को भी खतरा उत्पन्न हो जाता है। दूसरी ओर भय और आक्रोश के कारण स्थानीय लोग भी वन्यजीवों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने लगते हैं। ऐसी स्थिति संरक्षण प्रयासों को कमजोर कर सकती है। इसलिए केवल बाघों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्राकृतिक आवास और सुरक्षित आवाजाही के लिए दीर्घकालिक रणनीति बनाना भी उतना ही आवश्यक है।

वन्यजीव विशेषज्ञ लंबे समय से प्राकृतिक कॉरिडोर के संरक्षण पर जोर देते रहे हैं। कॉरिडोर वे वन क्षेत्र होते हैं जो दो बड़े जंगलों या टाइगर रिजर्व को आपस में जोड़ते हैं। यदि ये मार्ग सुरक्षित बने रहें तो बाघ बिना किसी बाधा के एक जंगल से दूसरे जंगल तक पहुंच सकते हैं। इससे उनके बीच आनुवंशिक विविधता बनी रहती है और सीमित क्षेत्र में अत्यधिक दबाव भी नहीं पड़ता। लेकिन तेजी से बढ़ते शहरीकरण, सड़क निर्माण, रेल परियोजनाओं, औद्योगिक विस्तार और अवैध अतिक्रमण के कारण कई प्राकृतिक कॉरिडोर प्रभावित हुए हैं। भविष्य की विकास परियोजनाओं में वन्यजीवों के लिए अंडरपास, ओवरपास और सुरक्षित मार्गों की व्यवस्था करना अब समय की आवश्यकता बन चुकी है।

मध्य प्रदेश के कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, सतपुड़ा, पन्ना और संजय-डुबरी जैसे टाइगर रिजर्व आज विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। यहां देश-विदेश से लाखों पर्यटक पहुंचते हैं। वन्य पर्यटन से स्थानीय अर्थव्यवस्था को उल्लेखनीय लाभ मिलता है। होटल उद्योग, परिवहन, स्थानीय गाइड, हस्तशिल्प, भोजनालय और अनेक छोटे व्यवसाय इस पर्यटन से जुड़े हुए हैं। हजारों परिवारों की आजीविका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वन्य पर्यटन पर निर्भर है। स्पष्ट है कि बाघ केवल जंगल का राजा नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुके हैं।

हालांकि पर्यटन के विस्तार के साथ संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। अत्यधिक पर्यटन गतिविधियां, वाहनों की भीड़, अनियंत्रित निर्माण और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव वन्यजीवों के लिए चुनौती बन सकता है। इसलिए पर्यटन का विकास पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। जिम्मेदार और टिकाऊ पर्यटन मॉडल अपनाकर ही बाघों और प्रकृति दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

-शिवांश धाकड़

कविता

कोई करे तो क्या करे

उदयवीर भारद्वाज
भारद्वाज भवन, मंदिर मार्ग, कांगड़ा (हि.प्र.)

कोई करे तो क्या करे, साया ही जब साथ ना दे
आता नहीं कोई जख्म सीने, अपने ही जब गहरे घाव दें
मुर्दा हुआ जब, रो-रो कर चैन से सोने न देंगे
रह गया जिंदा जीने न देंगे, उत्तर सके न दिल में
पत्थर मुझे समझने वाले, क्या बुरा किया तुम्हारा
पाल लिए क्यों वहम दिल में, हैं सब अपने
प्यार मोहब्बत से जी लो यारो,लुट गया या लुटा दिया सब मैंने
इस घड़ी पास नहीं कुछ मेरे, क्यों हुआ कैसे हुआ
समझ कुछ आता नहीं, इन्तेहा से गुजर गया अंध प्यार में
परख न सका स्वार्थ तेरे, थोड़ी-थोड़ी समझ आ रही
गवा कर रिश्ते नाते सारे, क्या कहूँ
जुबां बंद है देख, बर्बादी के नजारे
कोई करे तो क्या करे, साया ही जब साथ न दे
आता नहीं कोई जख्म सीने, अपने ही जब गहरे घाव दें

प्रकृति की रक्षा में अपना जीवन समर्पित करने वाले वन रक्षकों को समर्पित विश्व रेंजर दिवस

प्रो. मनोज डोगरा
राजकीय महाविद्यालय बड़सर

हर वर्ष 31 जुलाई को पूरी दुनिया में विश्व रेंजर दिवस मनाया जाता है। यह दिवस उन वन रक्षकों, वन अधिकारियों और पर्यावरण संरक्षण में जुटे कर्मियों को सम्मान देने के लिए समर्पित है, जो जंगलों, वन्यजीवों और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए दिन-रात कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हैं। इस दिन उन रेंजरों को भी श्रद्धांजलि दी जाती है जिन्होंने अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया। प्रकृति की सुरक्षा के लिए उनका योगदान अमूल्य है और यही कारण है कि विश्व रेंजर दिवस का महत्व हर वर्ष और अधिक बढ़ता जा रहा है।

आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, जंगलों की कटाई, वन्यजीवों के अवैध शिकार और जैव विविधता के संकट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब वन रेंजरों की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। वे केवल जंगलों की निगरानी ही नहीं करते, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उनके अथक प्रयासों के कारण अनेक दुर्लभ वन्यजीव और वन संपदाएं आज भी सुरक्षित हैं।

विश्व रेंजर दिवस की शुरुआत वर्ष **2007** में **इंटरनेशनल रेंजर फेडरेशन और **द थिन ग्रीन लाइन फाउंडेशन की पहल पर की गई थी। इसका उद्देश्य दुनिया भर के वन रेंजरों के योगदान को सम्मान देना, उनके कार्यों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए रेंजरों को श्रद्धांजलि अर्पित करना था। आज यह दिवस अनेक देशों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है।

वन रेंजरों का कार्य केवल जंगलों की निगरानी तक सीमित नहीं होता। उन्हें जंगलों में अवैध कटाई रोकनी होती है, वन्यजीवों के शिकार पर नजर रखनी होती है, वनाग्नि जैसी आपदाओं से निपटना पड़ता है और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होती है। कई बार उन्हें कठिन पहाड़ी क्षेत्रों, घने जंगलों, दलदली इलाकों और दूरदराज के स्थानों में लंबे समय तक रहकर काम करना पड़ता है। विषैले जीव-जंतु, जंगली जानवर, खराब मौसम और सीमित संसाधनों के बावजूद वे अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करते हैं।

भारत जैसे जैव विविधता से समृद्ध देश में वन रेंजरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश में अनेक राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, टाइगर रिजर्व और संरक्षित वन क्षेत्र हैं, जिनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी इन्हीं रेंजरों पर होती है। वे बाघ, हाथी, गैंडा, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, बारहसिंगा, कस्तूरी मृग तथा अनेक दुर्लभ पक्षियों और जीवों के संरक्षण में अहम भूमिका निभाते हैं। यदि वन रेंजर लगातार सतर्क न रहें तो वन्यजीव तस्करी और अवैध शिकार जैसी घटनाओं पर नियंत्रण पाना कठिन हो जाएगा।

उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, असम, केरल, राजस्थान और अन्य राज्यों के वन क्षेत्रों में हजारों वन रक्षक प्रतिदिन जंगलों की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। विशेष रूप से उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, राजाजी टाइगर रिजर्व, नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व और गोविंद वन्यजीव विहार जैसे क्षेत्रों में वन कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे बाघ, हाथी, गुलदार, भालू और अन्य वन्यजीवों की निगरानी के साथ-साथ मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने का भी प्रयास करते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

धार्मिक नेतृत्व पर आरोपों के बीच न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता की परीक्षा

डॉ. सिंपल सुशील शर्मा
स्वतंत्र लेखक

भारत में धर्म केवल आस्था का विषय नहीं है, वह सामाजिक प्रभाव, राजनीतिक शक्ति और आर्थिक संरचना का भी बड़ा केंद्र बन चुका है। यही कारण है कि जब किसी बड़े धार्मिक बाबा, स्वयंभू संत या आध्यात्मिक संगठन के प्रमुख पर गंभीर आपराधिक आरोप लगते हैं, तब मामला केवल अदालत और कानून तक सीमित नहीं रहता। वह समाज की मानसिकता, भक्त-राजनीति, न्याय-व्यवस्था और राज्य की निष्पक्षता पर एक व्यापक बहस में बदल जाता है।

पिछले कुछ वर्षों में देश ने ऐसे कई मामले देखे हैं, जहां धार्मिक नेताओं पर यौन शोषण, आर्थिक अनियमितता, हिंसा और सत्ता के दुरुपयोग जैसे गंभीर आरोप लगे। कुछ मामलों में अदालतों ने दोष सिद्ध भी किया, फिर भी उनके प्रभाव और अनुयायियों की संख्या में अपेक्षित कमी नहीं दिखी। जब किसी दोषसिद्ध बाबा को पैरोल मिलती है, तो उसकी रिहाई कई बार सामान्य कानूनी प्रक्रिया से आगे बढ़कर सामाजिक प्रदर्शन का रूप ले लेती है। भव्य स्वागत, काफिले, भीड़ और उत्सव जैसा माहौल यह प्रश्न खड़ा करता है कि क्या आस्था न्याय से अधिक प्रभावशाली हो गई है। ऐसे क्षणों में न्यायपालिका की प्रक्रिया और जन-भावना के बीच एक स्पष्ट तनाव दिखाई देता है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था की जटिलता को उजागर करता है।

भारतीय समाज में कई बार व्यक्ति 'धार्मिक ब्रांड' में बदल जाता है। उसके खिलाफ अदालत का निर्णय भी उसके अनुयायियों की आस्था को पूरी तरह प्रभावित नहीं कर पाता। एक बड़ा वर्ग हर आरोप को साजिश या राजनीतिक षड्यंत्र के रूप में देखने लगता है। परिणामस्वरूप, दोष सिद्ध होने के बाद भी कई आश्रम और संगठन पहले की तरह सि, य रहते हैं, और व्यक्ति 'पीड़ित संत' के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह स्थिति न्याय के साथ-साथ सामाजिक चेतना के लिए भी चुनौती है। समस्या केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उस मानसिक संरचना में भी है जो अंध-भक्ति को विवेक से ऊपर रखती है। भारत के कई क्षेत्रों में धार्मिक गुरु केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शक नहीं, बल्कि जीवन-निर्णय, आर्थिक व्यवहार और सामाजिक सोच को प्रभावित करने वाले केंद्र बन जाते हैं। गरीब और वंचित वर्ग कई बार सुरक्षा और आश्रय की तलाश में ऐसे संगठनों से जुड़ता है, जहां धीरे-धीरे प्रश्न पूछने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है। यह भी सच है कि सभी धार्मिक संत या गुरु एक जैसे नहीं होते। अनेक संत समाजसेवा, शिक्षा और मानवता के क्षेत्र में सकारात्मक कार्य करते हैं। समस्या तब उत्पन्न होती है जब किसी व्यक्ति के इर्द-गिर्द ऐसा वातावरण बना दिया जाता है जिसमें वह कानून और आलोचना से ऊपर समझा जाने लगता है। लोकतंत्र में किसी भी व्यक्ति को प्रश्नों से परे नहीं रखा जा सकता, चाहे वह राजनीतिक नेता हो या धार्मिक गुरु। राजनीति की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण है। बड़े धार्मिक संगठनों का जनाधार चुनावी गणित को प्रभावित कर सकता है, जिसके कारण कई बार राजनीतिक दल उनके प्रति नरम रुख अपनाते दिखाई देते हैं। यदि जनता के भीतर यह धारणा बनती है कि प्रभावशाली लोगों पर कानून समान रूप से लागू नहीं होता, तो यह न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता को कमजोर करता है। पैरोल और कानूनी राहत अपने आप में गलत नहीं हैं, लेकिन जब वे सार्वजनिक शक्ति प्रदर्शन में बदल जाती हैं, तब वे सामाजिक संदेश भी देने लगती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सिंहासन के संघर्ष से सम्राट बनने तक, 31 जुलाई 1658 ने बदल दी मुगल साम्राज्य की तस्वीर

सुभाष चंद कासव
राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक
कवि लेखक एवं साहित्यकार

31 जुलाई 1658 भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। इसी दिन मुगल शहजादे औरंगजेब ने स्वयं को औपचारिक रूप से मुगल साम्राज्य का सम्राट घोषित किया। यह केवल एक शासक के सत्ता संभालने की घटना नहीं थी, बल्कि इससे भारतीय उपमहाद्वीप की राजनीति, प्रशासन, धर्म, संस्कृति और समाज की दिशा में व्यापक परिवर्तन आए। औरंगजेब का शासन लगभग आधी शताब्दी तक चला और वह मुगल साम्राज्य का सबसे लंबे समय तक शासन करने वाला शासक बना। उसके शासनकाल में साम्राज्य भौगोलिक दृष्टि से अपने सबसे बड़े विस्तार तक पहुंचा, लेकिन इसी दौर में भविष्य के पतन के बीज भी पड़ने लगे।

औरंगजेब का जन्म 3 नवंबर 1618 को दाहोद में हुआ था। वह मुगल सम्राट शाहजहां और मुमताज महल का तीसरा पुत्र था। बचपन से ही वह गंभीर स्वभाव, अनुशासनप्रिय और कुशल प्रशासक माना जाता था। उसने अरबी, फारसी और इस्लामी शिक्षा प्राप्त की तथा युद्ध कला और प्रशासन में भी दक्षता हासिल की। अपने युवावस्था में उसने दक्कन, गुजरात और मुल्तान जैसे महत्वपूर्ण प्रांतों का शासन संभाला। इन जिम्मेदारियों ने उसे शासन और सैन्य नेतृत्व का व्यापक अनुभव दिया।

1657 में शाहजहां गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। उनकी बीमारी की खबर फैलते ही उत्तराधिकार का संघर्ष शुरू हो गया। शाहजहां के चारों पुत्र—दारा शिकोह, शुजा, औरंगजेब और मुराद बख्श—सत्ता प्राप्त करने के लिए मैदान में उतर आए। उस समय मुगल साम्राज्य में उत्तराधिकार का कोई निश्चित नियम नहीं था। इसलिए जो राजकुमार युद्ध में विजयी होता, वही सिंहासन प्राप्त करता था।

शाहजहां के सबसे बड़े पुत्र दारा शिकोह को उत्तराधिकारी माना जा रहा था। वे उदार विचारों के थे और हिंदू तथा इस्लामी दर्शन के बीच सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करते थे। दूसरी ओर औरंगजेब एक कुशल सेनानायक होने के साथ-साथ कठोर अनुशासन और धार्मिक रूढ़िवादिता के लिए प्रसिद्ध था। सत्ता संघर्ष के दौरान उसने अपने भाई मुराद बख्श के साथ अस्थायी गठबंधन किया और दारा शिकोह के विरुद्ध अभियान शुरू किया।

29 मई 1658 को आगरा के निकट समूगढ़ के मैदान में निर्णायक युद्ध हुआ। इस युद्ध में औरंगजेब की सेना ने दारा शिकोह को पराजित कर दिया। इसके बाद औरंगजेब ने आगरा की ओर बढ़ते हुए शाहजहां को आगरा किले में नजरबंद कर दिया। इतिहासकारों के अनुसार शाहजहां ने अपने जीवन के अंतिम लगभग आठ वर्ष आगरा किले में ही बिताए। बाद में मुराद बख्श को भी बंदी बना लिया गया और शुजा को भी युद्ध में परास्त कर दिया गया। इस प्रकार औरंगजेब ने अपने सभी प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों को सत्ता की दौड़ से बाहर कर दिया।

इन घटनाओं के बाद 31 जुलाई 1658 को औरंगजेब ने दिल्ली में स्वयं को मुगल सम्राट घोषित किया। उसने **आलमगीर प्रथम** की उपाधि धारण की। इस उपाधि का अर्थ था—'विश्व विजेता' या 'विश्व पर अधिकार रखने वाला।' बाद में 1659 में उसका दूसरा और अधिक भव्य राज्याभिषेक भी संपन्न हुआ, जिससे उसकी सत्ता को औपचारिक वैधता और अधिक मजबूती मिली।

सम्राट बनने के बाद औरंगजेब ने प्रशासन को अधिक अनुशासित और केंद्रीकृत बनाने का प्रयास किया। उसने सरकारी खर्चों में कटौती की और स्वयं भी अपेक्षाकृत सादा जीवन अपनाया। कहा जाता है कि वह अपने निजी खर्चों के लिए कुरान की नकल लिखने और टोपियां सिलने से प्राप्त आय का उपयोग करता था।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

अभिनय से दिल जीतने वाली कियारा

कियारा आडवाणी
जन्म : 31 जुलाई 1992

कियारा आडवाणी का जन्म **31 जुलाई 1992** को महाराष्ट्र के मुंबई में हुआ। उनका वास्तविक नाम आलिया आडवाणी है, लेकिन फिल्म जगत में कदम रखने से पहले उन्होंने अपना नाम बदलकर कियारा आडवाणी रख लिया। बचपन से ही उन्हें अभिनय में गहरी रुचि थी और उन्होंने अपने सपनों को साकार करने के लिए फिल्म उद्योग में मेहनत और समर्पण के साथ अपनी पहचान बनाई। आज कियारा हिंदी सिनेमा की सबसे लोकप्रिय और सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं।

कियारा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई के कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने जय हिंद कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने अभिनय को अपना करियर चुना और इसके लिए निरंतर प्रयास किए। वर्ष 2014 में फिल्म फगली से उन्होंने बॉलीवुड में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। हालांकि यह फिल्म बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी, लेकिन कियारा की प्रतिभा ने फिल्म निर्माताओं का ध्यान आकर्षित किया।

उनके करियर का सबसे बड़ा मोड़ वर्ष 2016 में आया, जब उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर आधारित फिल्म एम. एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी में साक्षी धोनी की भूमिका निभाई। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। इसके बाद उन्होंने कबीर सिंह, गुड न्यूज़, शेरशाह, भूल भुलैया 2, सत्यप्रेम की कथा और गेम चेंजर जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाकर खुद को बॉलीवुड की अग्रणी अभिनेत्रियों में स्थापित किया।

कियारा आडवाणी अपनी स्वाभाविक अभिनय शैली, आकर्षक व्यक्तित्व और विभिन्न प्रकार के किरदार निभाने की क्षमता के लिए जानी जाती हैं। रोमांटिक, पारिवारिक, कॉमेडी और भावनात्मक फिल्मों में उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

बकरियां चराने निकली युवती का खेत में मिला शव

एजेंसी, औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के दिबियापुर थाना क्षेत्र के पुरवा भूपत गांव में गुरुवार सुबह 22 वर्षीय युवती का शव खेत में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान अंजली उर्फ बबली (22) पुत्री अरविंद कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार अंजली मानसिक रूप से अस्वस्थ थी और बुधवार को बकरियां चराने के लिए घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद गुरुवार सुबह गांव के बाहर खेत में उसका शव मिला। थाना प्रभारी सत्यप्रकाश ने बताया कि फिलहाल परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। प्रथम दृष्टया मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

एसआरएन में नए निःशुल्क दवा वितरण केंद्र का शुभारंभ, मरीजों को मिलेगी अधिक सुविधा

एजेंसी, प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) में मरीजों की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से सरकारी निःशुल्क दवा वितरण केंद्र को बड़े, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक परिसर में स्थानांतरित किया गया है। गुरुवार को मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. ए.के. वर्मा, उप प्रधानाचार्य डॉ. मोहित जैन और प्रमुख अधीक्षक प्रो. डॉ. नीलम सिंह ने नए केंद्र का उद्घाटन किया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार पुराने केंद्र में सीमित स्थान के कारण मरीजों और तीमारदारों को परेशानी होती थी। नए केंद्र में बेहतर कतार व्यवस्था, पर्याप्त प्रतीक्षा स्थल और दवा वितरण की सुगम व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। प्रो. डॉ. नीलम सिंह ने कहा कि मरीजों को सम्मानजनक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। अस्पताल में आधुनिक सुविधाओं के विस्तार का कार्य लगातार जारी है, जिससे प्रतिदिन हजारों मरीज लाभान्वित होंगे।

कानपुर में तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

एजेंसी, कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के घाटमपुर थाना क्षेत्र में देर रात तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से साइकिल सवार 30 वर्षीय युवक रामचंद्र की मौत हो गई। वह मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे और देर रात अपनी बहन के घर जा रहे थे। परास मोड़ के पास पीछे से आई तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी साइकिल को टक्कर मार दी। हादसे के बाद पिकअप भी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्रेन की सहायता से पलटी पिकअप को हटाकर यातायात बहाल कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फिरोजाबाद में महाभारत कालीन है शांतेश्वर नाथ महादेव मंदिर, भक्तों ने देखें कई चमत्कार

एजेंसी, फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के सांती गांव स्थित शांतेश्वर नाथ महादेव मंदिर अपनी प्राचीन मान्यताओं और धार्मिक महत्व के कारण श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र बना हुआ है। मान्यता है कि इस मंदिर की स्थापना महाभारत काल से पहले भीष्म पितामह के पिता महाराजा शांतनु ने कराई थी। मंदिर के महंत रमेश गोस्वामी के अनुसार खुदाई के दौरान यहां प्राचीन शिवलिंग मिला था, जिसकी गहराई का आज तक पता नहीं चल सका है। मंदिर परिसर में कई चमत्कारों की भी मान्यता प्रचलित है, जिनमें शिवलिंग पर सांप के दर्शन और गाय का स्वयं दूध अर्पित करना शामिल है। श्रावण मास में यहां लाखों श्रद्धालु कांवड़ लेकर पहुंचते हैं और भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। इस दौरान मंदिर परिसर में विशाल मेला लगता है तथा दर्शन के लिए लंबी कतारें लगती हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां सच्चे मन से पूजा करने पर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

देशभक्ति के रंग में रंगेगा यूपी, 15 अगस्त पर हर जिले में बनेगी वंदे मातरम् वाटिका

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 15 अगस्त को सभी जिलों में होगा पौधरोपण

एजेंसी, लखनऊ

स्वतंत्रता दिवस पर इस बार उत्तर प्रदेश में राष्ट्रभक्ति और पर्यावरण संरक्षण का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। प्रदेश सरकार ने आजादी के पर्व को हरियाली से जोड़ते हुए राज्य के सभी जिलों में 'वंदे मातरम् वाटिका' स्थापित करने की योजना बनाई है। यह पहल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

15 अगस्त को प्रदेशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के दौरान इन वाटिकाओं में पौधरोपण किया जाएगा। प्रत्येक वंदे मातरम् वाटिका में करीब 150 पौधे लगाए जाएंगे। इन पौधों के माध्यम से प्रकृति संरक्षण के साथ देशप्रेम और जिम्मेदारी का संदेश दिया जाएगा। सरकार की योजना के अनुसार, सभी जिलों में चिन्हित स्थानों पर इन वाटिकाओं को विकसित किया जाएगा। इनमें छायादार, फलदार और पर्यावरण के लिए उपयोगी पौधों को प्राथमिकता दी जाएगी। वाटिकाओं के रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित विभागों और स्थानीय संस्थाओं को दी जाएगी, ताकि पौधे सुरक्षित रह सकें और आने वाले समय में यह स्थान हरियाली के केंद्र बन सकें।

प्रदेश सरकार का मानना है कि स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व केवल देश के गौरव को याद करने का अवसर नहीं हैं, बल्कि समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का भी संदेश देते हैं। इसी उद्देश्य से वंदे मातरम् वाटिका योजना को राष्ट्रभक्ति से जोड़कर शुरू किया जा रहा है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पहले भी प्रदेश में बड़े स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाए गए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक लोग पौधे लगाएं और उनकी देखभाल करें। इससे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा। अधिकारियों के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर होने वाले पौधरोपण कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। स्कूलों, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर भी लोगों को पौधरोपण के लिए प्रेरित किया जाएगा।

वंदे मातरम् वाटिका केवल पौधों का समूह नहीं होगी, बल्कि यह देशभक्ति और प्रकृति प्रेम का प्रतीक बनेगी। सरकार का प्रयास है कि हर जिले में तैयार होने वाली ये वाटिकाएं लंबे समय तक लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करती रहें और प्रदेश को हराभरा बनाने में योगदान दें। इन वाटिकाओं के माध्यम से सरकार का उद्देश्य लोगों में पौधों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। साथ ही, यह पहल प्रदेश में हरित क्षेत्र बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

सिख विरोधी दंगों में दस हजार से ज्यादा सिख भाई-बहन मारे गए थे: केशव प्रसाद

एजेंसी, लखनऊ

उर्वरक उपलब्धता को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को कांग्रेस और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली में करीब तीन हजार और देशभर में दस हजार से अधिक निर्दोष सिखों की हत्या हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता गांधी परिवार के संरक्षण में कार्य कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कुछ दोषियों को उम्रकैद की सजा मिली, जबकि कई मामलों की सुनवाई अब भी अदालतों में लंबित है। केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस चर्चित बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था, 'जब बड़ा पेड़ गिरता है, तब धरती हिलती है।' मौर्य ने आरोप लगाया कि यह बयान दंगाइयों का बचाव करने वाला था और कांग्रेस की उस समय की सोच को दर्शाता है। उप मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी के हालिया बयान पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी की है। मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी को प्रशासन की बुनियादी समझ भी नहीं है और उनके बयान राजनीतिक अपरिपक्वता को दर्शाते हैं।

उन्होंने दावा किया कि अमित शाह की रणनीति का मुकाबला करने में कांग्रेस लगातार असफल रही है, इसलिए राहुल गांधी बार-बार ऐसे बयान देकर राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश करते हैं। मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास, सुशासन और राष्ट्रहित के मुद्दों पर कार्य कर रही है, जबकि कांग्रेस जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए निराधार आरोप लगाने की राजनीति कर रही है।

वाराणसी में गंगा उफान पर, सुरक्षा के मद्देनजर नाव संचालन अगले आदेश तक बंद

एजेंसी, वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने और तेज हवाओं के कारण उठ रही ऊंची लहरों को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियातन सभी नावों के संचालन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। जल पुलिस ने घाटों पर पहुंचकर नाविकों को प्रशासन के आदेश की जानकारी दी और किसी भी परिस्थिति में नाव न चलाने के निर्देश दिए। विभागीय नाव से माइक के माध्यम से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को भी सतर्क रहने की अपील की गई। प्रशासन ने गंगा घाटों पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं से केवल निर्धारित सुरक्षित स्थानों पर ही स्नान करने का आग्रह किया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि तेज बहाव और ऊंची लहरों के कारण दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है।

तेज बहाव के कारण वाराणसी में नावों पर रोक, एनडीआरएफ और जल पुलिस तैनात।

कानपुर के असिस्टेंट इंजीनियर के 24 वर्षीय बेटे ने बांदा में की आत्महत्या

एजेंसी, बांदा। बांदा में कानपुर नगर निगम के असिस्टेंट इंजीनियर के 24 वर्षीय बेटे ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव घर की छत पर बने टीन शेड के बरामदे में लटका मिला। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, कानपुर नगर निगम में तैनात असिस्टेंट इंजीनियर तोताराम का बेटा ओमप्रकाश बांदा में रह रहा था। गुरुवार सुबह उसने दूसरी मंजिल पर बने टीन शेड के बरामदे में साड़ी से फंदा लगाकर जान दे दी। काफी देर तक जब वह दिखाई नहीं दिया तो परिजन उसकी तलाश करते हुए छत पर पहुंचे, जहां उसका शव लकड़ी की बल्ली से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस को मृतक की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें एक युवती से संबंध का जिक्र होने की बात सामने आई है।

सावन के पहले दिन शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, सुबह से गूंज रहे 'हर-हर महादेव' के जयकारे

एजेंसी, कानपुर

सावन माह के पहले दिन गुरुवार को कानपुर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। तड़के से ही परमट स्थित श्री आनंदेश्वर महादेव मंदिर, जाजमऊ के सिद्धनाथ महादेव मंदिर, नवाबगंज के जागेश्वर महादेव मंदिर, शिवराजपुर के खेरेश्वर महादेव मंदिर, बिठूर के वनखंडेश्वर महादेव मंदिर और शिवाला स्थित प्रयाग नारायण शिवालय में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं।

श्रद्धालुओं ने गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प और फल अर्पित कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर पूरे दिन 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंजते रहे। मंदिरों में रुद्राभिषेक, शिव चालीसा पाठ और भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वयंसेवकों की तैनाती की गई, जबकि सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस, महिला पुलिस, यातायात पुलिस और एलआईयू की विशेष व्यवस्था रही।

गंगा घाटों पर जल पुलिस और गोताखोर भी मुस्तैद रहे। श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह से पूरे शहर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। मंदिरों के बाहर प्रसाद और पूजा सामग्री की दुकानों पर भी दिनभर रौनक रही तथा दूर-दराज से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे।

नोएडा में बाइक चालक ने पैदल जा रहे व्यक्ति को मारी टक्कर, उपचार के दौरान मौत

एजेंसी, नोएडा

उत्तर प्रदेश के नोएडा के थाना बिसरख क्षेत्र में मंगलवार देर रात हुए सड़क हादसे में 56 वर्षीय व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसा गौर सिटी मॉल के पास उस समय हुआ, जब वह पैदल सड़क पार कर रहे थे। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान जयंती प्रकाश (56) पुत्र जयपाल सिंह के रूप में हुई है। वह थाना बिसरख क्षेत्र के निवासी थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, देर रात गौर सिटी मॉल के समीप पैदल जाते समय एक अज्ञात तेज रफ्तार बाइक चालक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि अज्ञात बाइक चालक की पहचान करने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी चालक की जल्द पहचान कर उसके खिलाफ नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जल जीवन मिशन के 800 कर्मचारियों का वेतन अटका, भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

एजेंसी, बिजनौर

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में जल जीवन मिशन (फेज-3) के अंतर्गत कार्यरत करीब 800 ऑपरेटर और गार्डों का पिछले छह माह से वेतन लंबित होने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) ने अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर संबंधित एजेंसी से कर्मचारियों का बकाया वेतन शीघ्र दिलाने की मांग की है।

भाकियू ने लंबित वेतन दिलाने की मांग उठाई एजेंसी पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

संगठन का कहना है कि लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों और उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। आरोप है कि एजेंसी ने भुगतान का लिखित आश्वासन भी दिया था, लेकिन अब तक कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला। संगठन ने चेतावनी दी है कि जल्द भुगतान नहीं होने पर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा। उधर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित एजेंसी को लंबित वेतन तत्काल जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय में भुगतान नहीं होने पर एजेंसी के खिलाफ श्रम कानूनों के तहत कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजना से जुड़े कर्मचारियों का समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करना एजेंसी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वेतन में लगातार देरी से कर्मचारियों का मनोबल प्रभावित होता है और पेयजल योजनाओं के संचालन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। प्रशासन पूरे मामले की निगरानी कर रहा है तथा भुगतान सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

चलती ट्रेन में युवक ने कुर्ते से लगाया फंदा, लखनऊ स्टेशन पर उतारा गया शव

एजेंसी, लखनऊ। चंडीगढ़ से लखनऊ पहुंची चंडीगढ़ लखनऊ एक्सप्रेस में एसी थर्ड कोच के शौचालय से एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। करीब 25 से 27 वर्षीय युवक ने चलती ट्रेन के दौरान शौचालय में कुर्ते से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 15012 चंडीगढ़-लखनऊ एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से करीब 25 मिनट की देरी से लखनऊ जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर छह पर पहुंची थी। ट्रेन के रुकने के बाद सभी यात्री अपने-अपने गंतव्य के लिए उतर गए। इसके बाद सफाई कर्मचारी एसी थर्ड बोगी बी-3 के शौचालय की सफाई करने पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला।

काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर कोच अटेंडेंट ने आरपीएफ को सूचना दी। मौके पर पहुंची आरपीएफ टीम ने शौचालय का दरवाजा तोड़ा। अंदर युवक का शव फंदे से लटका हुआ मिला। घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर जीआरपी भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मृतक की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। साथ ही आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच की जा रही है। पुलिस आसपास के यात्रियों और ट्रेन स्टाफ से भी पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जीआरपी और आरपीएफ की टीमें मामले की जांच में जुटी हैं। पुलिस युवक की पहचान करने के लिए उसके सामान और यात्रा संबंधी जानकारी जुटा रही है। वहीं, घटना के बाद ट्रेन यात्रियों में भी काफी देर तक चर्चा का माहौल बना रहा।

मीरजापुर में बेकाबू सीमेंट कंटेनर घर में घुसा, पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत

एजेंसी, मीरजापुर

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले के विन्ध्याचल थाना क्षेत्र के गैपुरा पुलिस चौकी अंतर्गत कलना गहरवार गांव में गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। प्रयागराज की ओर से आ रहा सीमेंट से लदा कंटेनर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक मकान में घुस गया और पलट गया। हादसे के समय घर के बाहर चारपाई पर सो रहे 45 वर्षीय शिव प्रसाद गुप्ता और उनके 13 वर्षीय पुत्र रोहित इसकी चपेट में आ गए।

हादसे में शिव प्रसाद गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल रोहित को पुलिस ने तत्काल एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही विन्ध्याचल थाना पुलिस, क्षेत्राधिकारी नगर, सदर उपजिलाधिकारी और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर को अपने कब्जे में ले लिया। हादसे के बाद भी पुलिस ने मौके पर स्थिति संभालते हुए यातायात को सामान्य बनाए रखा। अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

प्रारंभिक जांच में कंटेनर के अनियंत्रित होकर मकान में घुसने से हादसा होना सामने आया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है और नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद दुर्घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होगी।

विकास मुख्यमंत्री योगी ने लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ देकर किया सम्मानित

योगी आदित्यनाथ ने 692 करोड़ की योजनाओं का किया शुभारंभ

एजेंसी, गाजीपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गाजीपुर दौरे के दौरान जिले को 692 करोड़ रुपये की 268 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से गाजीपुर जिले के गाजीपुर सदर, जखनिया, मोहम्मदाबाद, सैदपुर, जमानिया, जहूराबाद और जंगीपुर विधानसभा क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान एक भावुक और रोचक दृश्य देखने को मिला, जब दो महिलाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हाथ से बनाया गया चित्र लेकर जनसभा स्थल पर पहुंचीं। भाषण के दौरान मुख्यमंत्री की नजर दोनों महिलाओं पर पड़ी। उन्होंने अपना संबोधन समाप्त करने के बाद सुरक्षाकर्मियों से दोनों महिलाओं को मंच पर बुलाने के लिए कहा। मुख्यमंत्री के बुलाने पर दोनों महिलाएं उत्साहित होकर मंच पर पहुंचीं और उन्होंने योगी आदित्यनाथ के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

इसके बाद उन्होंने अपने हाथों से बनाई गई पेंटिंग मुख्यमंत्री को भेंट की। मुख्यमंत्री ने महिलाओं की कला की सराहना की और उनसे बातचीत कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने दोनों महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया। उन्होंने बच्चों को खिलौने देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान गाजीपुर के विकास कार्यों पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसमें जिले में चल रही विभिन्न योजनाओं और विकास परियोजनाओं की जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान कई सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता राशि, प्रमाण पत्र और अन्य सुविधाओं का वितरण किया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। कार्यक्रम में अनिमेष राय को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत लैपटॉप प्रदान किया गया। वहीं सुंदरी को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत सात हजार रुपये का चेक और प्रमाण पत्र दिया गया।

बेसिक शिक्षा विभाग के आशुतोष पांडेय, माध्यमिक शिक्षा विभाग की वंदना यादव और उच्च शिक्षा विभाग के दिवाकर सिंह को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा कार्ड प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत अंचलानंद राय को 1.08 लाख रुपये का चेक दिया गया। मनोरमा देवी को लखपति दीदी योजना के तहत प्रमाण पत्र मिला। मधुबाला भारती को रिवाल्विंग फंड और सामुदायिक निवेश निधि के तहत 14.91 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का चेक प्रदान किया गया। इसके अलावा सोमारी को मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और पूनम देवी को मुख्यमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत अनुदान राशि का स्वीकृति पत्र दिया गया।

सुलतानपुर में अवैध वसूली, भारी चालान के खिलाफ ई रिक्शा चालकों का प्रदर्शन

एजेंसी, सुलतानपुर

उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में ई-रिक्शा और ऑटो चालकों ने गुरुवार को अवैध वसूली, भारी-भरकम चालान और स्थायी स्टैंड की मांग को लेकर राहायापुर हाईवे पर प्रदर्शन किया। नगर और लंभुआ क्षेत्र के बड़ी संख्या में चालक अपने वाहन खड़े कर धरने पर बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

भारी चालान के खिलाफ सड़क पर उतरे ई-रिक्शा चालक

अवैध वसूली रोकने की मांग, प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी

प्रदर्शनकारी चालकों का आरोप है कि नगरपालिका अथवा अन्य व्यवस्थाओं के नाम पर उनसे निर्धारित शुल्क से कई गुना अधिक राशि वसूली जा रही है। उनका कहना है कि जहां 25 रुपये लिए जाने चाहिए, वहां 100 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। कई बार बिना रसीद या फर्जी टोकन देकर जबरन पैसे लिए जाते हैं। चालकों का यह भी आरोप है कि खाली वाहन होने या किसी मरीज को अस्पताल ले जाते समय भी उनसे वसूली की जाती है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

चालक जितेंद्र मिश्रा ने बताया कि प्रशासन द्वारा 10 हजार से लेकर 50 हजार रुपये तक के चालान काटे जा रहे हैं और कई वाहनों को सीज भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकांश चालक किश्तों पर ई-रिक्शा खरीदकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। चार लाख रुपये तक की कीमत वाले वाहन की मासिक किश्त और अन्य खर्च निकालना पहले ही मुश्किल है, ऐसे में भारी चालान और अवैध वसूली से उनकी आजीविका संकट में पड़ गई है। चालकों ने बताया कि पुराने सुलतानपुर स्टैंड के बंद होने के बाद उन्हें पंत स्टेडियम या बाधमंडी से संचालन के लिए कहा गया, लेकिन वहां उचित व्यवस्था नहीं होने से रोजाना भ्रम और परेशानी का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने प्रशासन से स्थायी स्टैंड बनाने, अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाने और अनावश्यक चालानों को समाप्त करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से हस्तक्षेप कर समस्या का समाधान कराने की अपील की।

पहाड़ों में बारिश से भाखड़ा डैम का जलस्तर बढ़ा, खरीफ फसलों की सिंचाई को मिलेगा लाभ

हरियाणा को फिलहाल 8,208 क्यूसेक सिंचाई जल मिल रहा, किसानों की सिंचाई संबंधी चिंता घटी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा में खरीफ फसलों की रोपाई और बुवाई के बीच किसानों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। हिमाचल प्रदेश और आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में पिछले दो दिनों से हो रही बारिश का असर अब भाखड़ा डैम और यमुना नदी के जलस्तर पर दिखाई देने लगा है। लगातार हुई वर्षा के कारण भाखड़ा डैम का जलस्तर पिछले 24 घंटे में 1.46 फीट बढ़ गया है।

इससे हरियाणा में सिंचाई व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है और खरीफ फसलों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होने की संभावना बढ़ गई है। हरियाणा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश में इस वर्ष अब तक सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है, जिससे नहरों में पानी की उपलब्धता प्रभावित हुई थी। हालांकि हाल के दिनों में हुई वर्षा से हालात में सुधार आया है।

भाखड़ा डैम में बढ़ी जलराशि, नहरों के जरिए खेतों तक पहुंचेगा पर्याप्त पानी।

उन्होंने कहा कि यदि अगले दो-तीन दिनों तक पहाड़ी क्षेत्रों में इसी तरह नियमित बारिश जारी रहती है तो भाखड़ा डैम और यमुना दोनों का जलस्तर और बढ़ सकता है। फिलहाल सिंचाई के लिए पानी की कोई कमी नहीं है। भाखड़ा डैम का जलस्तर 1597.20 फीट दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले यह 1595.74 फीट था। इस प्रकार 24 घंटे में जलस्तर में 1.46 फीट की बढ़ोतरी दर्ज की गई। विशेषज्ञों के अनुसार वर्षभर पेयजल और सिंचाई की जरूरतों को पूरा करने के लिए डैम का जलस्तर लगभग 1680 फीट के आसपास होना बेहतर माना जाता है। वर्तमान में जलस्तर बढ़ने से आने वाले दिनों में जल भंडारण की स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद है। विभाग के अनुसार फिलहाल हरियाणा को सिंचाई के लिए करीब 8,208 क्यूसेक पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।

इससे धान, मक्का, बाजरा, कपास और अन्य खरीफ फसलों की सिंचाई में राहत मिलेगी। किसान लंबे समय से नहरों में पर्याप्त पानी मिलने का इंतजार कर रहे थे, क्योंकि कम बारिश के कारण कई क्षेत्रों में सिंचाई प्रभावित हो रही थी। दूसरी ओर हथिनीकुंड बैराज पर यमुना नदी के जलप्रवाह में भी उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया। मंगलवार सुबह छह बजे बैराज पर लगभग 18,969 क्यूसेक पानी था, जो शाम तक बढ़कर करीब 30 हजार क्यूसेक पहुंच गया।

पानीपत स्कूल में चार साल की छात्रा से गलत स्पर्श, दोषी शिक्षक को 40 साल की सजा

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

हरियाणा के पानीपत में चार साल की छात्रा के साथ गलत स्पर्श करने के मामले में फास्ट ट्रैक अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने दोषी शिक्षक को 40 साल के कठोर कारावास की सजा दी है। इसके साथ ही दोषी पर 45 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने आदेश दिया है कि जुर्माने की पूरी राशि पीड़िता को दी जाए।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट) पीयूष शर्मा की अदालत ने बुधवार को मामले की सुनवाई पूरी करते हुए आरोपी शिक्षक को दोषी करार दिया और सजा सुनाई। कोर्ट के फैसले के बाद पीड़िता के परिवार को न्याय की उम्मीद मिली है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह मामला मई 2023 का है। पीड़िता के पिता ने पुलिस को शिकायत देकर आरोप लगाया था कि स्कूल में पढ़ाने वाला शिक्षक उनकी चार वर्षीय बेटी के साथ गलत हरकतें करता था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपी शिक्षक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। जांच के दौरान पुलिस ने संबंधित साक्ष्य जुटाए और मामले को अदालत में पेश किया।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने पीड़िता और अन्य संबंधित पक्षों के बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ आरोप साबित करने का प्रयास किया। अदालत ने सभी तथ्यों और साक्ष्यों पर विचार करने के बाद शिक्षक को दोषी माना। फास्ट ट्रैक अदालत का उद्देश्य ऐसे गंभीर मामलों की सुनवाई जल्द पूरी करना होता है, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। अदालत ने अपने फैसले में अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषी को कड़ी सजा सुनाई।

इस मामले ने एक बार फिर स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता और निगरानी की आवश्यकता को सामने रखा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों के साथ किसी भी तरह के अनुचित व्यवहार को रोकने के लिए स्कूल प्रबंधन, अभिभावकों और प्रशासन को मिलकर जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा के कैथल में यूरिया तस्करी पर शिकंजा, ट्रक से मिले 600 कट्टे खाद

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। हरियाणा के कैथल जिले में खाद तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सीवन थाना पुलिस ने ट्रक में ले जाई जा रही 600 कट्टे सब्सिडी वाली यूरिया खाद को जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में ट्रक चालक समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी खाद की अवैध तस्करी कर रहे थे। जांच के दौरान ट्रक से कृषि योग्य यूरिया खाद बरामद हुई। जब्त खाद के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों से पूछताछ जारी है।

यमुनानगर में गैस एजेंसी कर्मचारी बनकर घर में घुसा ठग, जेवर ठगने की कोशिश नाकाम

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। हरियाणा के यमुनानगर स्थित सेक्टर-17 हुडा में ठगी की कोशिश का मामला सामने आया है। एक शातिर व्यक्ति खुद को गैस एजेंसी का कर्मचारी बताकर बुजुर्ग दंपती के घर में घुस गया। आरोपी ने लकवाग्रस्त बुजुर्ग को ठीक करने का झांसा देकर महिला को विश्वास में लेने की कोशिश की और जेवर ठगने की योजना बनाई। महिला को आरोपी की बातों पर शक हुआ तो उसने सतर्कता दिखाई और उसका थैला छीन लिया। इसके बाद आरोपी मौके से भाग निकला। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी की पहचान और तलाश के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

नारनौल के व्यापारी भाइयों की सड़क हादसे में मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। हरियाणा के रोहतक जिले में एनएच-152 डी पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में नारनौल के दो सगे भाइयों की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही शहर में शोक की लहर दौड़ गई। दोनों मृतक क्रेशर व्यवसाय से जुड़े प्रतिष्ठित कारोबारी थे और अपने परिवार के साथ रह रहे थे। जानकारी के अनुसार, हादसा रोहतक के खेड़की मोड़ के पास हुआ, जहां दोनों भाई हादसे का शिकार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन शव लेने के लिए रोहतक रवाना हो गए। दोनों भाई दो-दो बच्चों के पिता थे। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं, व्यापारिक समुदाय में भी शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिरसा के राजेंद्र का एशियन हॉकी गेम्स और वर्ल्ड कप टीम में चयन

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। हरियाणा के सिरसा जिले के लिए गर्व की बात है कि यहां के प्रतिभाशाली हॉकी खिलाड़ी राजेंद्र सिंह का भारतीय टीम में चयन एशियन हॉकी गेम्स के साथ-साथ वर्ल्ड कप के लिए भी किया गया है। इस उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों में खुशी का माहौल है। चयन के बाद भारतीय टीम गुरुवार को नीदरलैंड के लिए रवाना होगी, जहां आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारियां और मुकाबले आयोजित होंगे। राजेंद्र सिंह ने लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बनाई है। उनके चयन को भारतीय हॉकी के लिए भी सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। इस दौरान उनके साथ कोच हरविंद्र सिंह ने भी खुशी जताते हुए कहा कि राजेंद्र ने कठिन मेहनत, अनुशासन और समर्पण के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। जिले के खेल अधिकारियों, खिलाड़ियों और स्थानीय लोगों ने राजेंद्र सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की है। सभी को उम्मीद है कि वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार खेल दिखाकर देश और हरियाणा का नाम रोशन करेंगे।

ई-दिशा केंद्र की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश, डीसी ने किया निरीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने वीरवार को लघु सचिवालय स्थित ई-दिशा केंद्र और सचिवालय परिसर का औचक निरीक्षण कर वहां नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं, स्वच्छता व्यवस्था और कार्यालयीन सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को आमजन को पारदर्शी, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

डीसी ने ई-दिशा केंद्र की कार्यप्रणाली का बारीकी से निरीक्षण करते हुए वहां स्थापित एयर कंडीशनर, कंप्यूटर, प्रिंटर और अन्य तकनीकी उपकरणों की कार्यक्षमता की जांच की। कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि सभी उपकरण सुचारु रूप से कार्य कर रहे हैं और नागरिकों को सेवाएं देने में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा नहीं है। इस पर उपायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी मशीनों का नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न न हो।

स्वच्छ कार्यालय से नागरिकों पर पड़ेगा सकारात्मक प्रभाव हमेशा

निरीक्षण के दौरान डॉ. विवेक भारती ने स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को कार्यालय परिसर, दीवारों, शीशों और प्रतीक्षालय की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हरियाणा में जेबीटी और सी एंड वी शिक्षकों को पदोन्नति का मौका

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। हरियाणा के जेबीटी और सी एंड वी शिक्षकों के लिए राहत भरी खबर है। शिक्षा विभाग ने पदोन्नति प्रक्रिया में तेजी लाते हुए सभी जिला प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों (डीईईओ) को लंबित पदोन्नति मामलों को निर्धारित समय सीमा के भीतर भेजने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी पात्र शिक्षकों के केस 13 अगस्त तक मुख्यालय भेजना अनिवार्य होगा। विभाग के अनुसार कई जिलों में पदोन्नति संबंधी मामले लंबे समय से लंबित हैं, जिससे शिक्षकों को समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसे देखते हुए अधिकारियों को सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर पात्र शिक्षकों के प्रस्ताव तय समय पर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जा सकती है।

रोहतक में भीषण सड़क हादसा, ट्रक से टकराई तेज रफ्तार कार; तीन की मौके पर मौत

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

हरियाणा के रोहतक जिले में गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा कलानौर थाना क्षेत्र के 152-डी एक्सप्रेसवे पर गांव खैरड़ी के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार टाटा गाड़ी आगे चल रहे एक ट्रक से पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीनों लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे की सूचना मिलते ही कलानौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन से तीनों शवों को बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए रोहतक के शवगृह भेज दिया। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए एक्सप्रेसवे पर यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कराया गया।

पुलिस के अनुसार, मृतकों में एक की पहचान मनोज कुमार जैन, पुत्र सुभाष चंद्र जैन, निवासी रामकरण दास कॉलोनी, नारनौल के रूप में हुई है। अन्य दो मृतकों की पहचान के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने उनके परिजनों को सूचना दे दी है। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि तेज रफ्तार और पर्याप्त दूरी न बनाए रखने के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

ट्रक चालक से भी पूछताछ की जाएगी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद हादसे के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आएगी।

यमुनानगर-जगाधरी यात्रियों के लिए खुशखबरी कटिहार-अमृतसर स्पेशल ट्रेन के बढ़ाए गए फेरे

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

सावन और आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कटिहार-अमृतसर-कटिहार विशेष ट्रेन के संचालन की अवधि बढ़ाने का फैसला लिया है। इस निर्णय से हरियाणा के यमुनानगर-जगाधरी रेलवे स्टेशन से सफर करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। अब यह स्पेशल ट्रेन सितंबर तक यात्रियों के लिए उपलब्ध रहेगी।

हरियाणा यात्रियों के लिए बड़ी खबर, सितंबर तक जारी रहेगी कटिहार-अमृतसर स्पेशल ट्रेन।

रेलवे के अनुसार, उत्तर रेलवे ने 29 जुलाई को जारी आदेश में ट्रेन संख्या 05736 कटिहार-अमृतसर स्पेशल और 05735 अमृतसर-कटिहार स्पेशल के संचालन को आगे बढ़ाने की मंजूरी दी है। दोनों ट्रेनों के पांच-पांच अतिरिक्त फेरे स्वीकृत किए गए हैं। इससे बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के बीच यात्रा करने वाले लोगों को विशेष सुविधा मिलेगी। रेलवे के आदेश के मुताबिक, ट्रेन संख्या 05736 कटिहार-अमृतसर विशेष ट्रेन प्रत्येक बुधवार को अपने निर्धारित मार्ग, समय और ठहराव के साथ संचालित होगी। इसका अतिरिक्त संचालन 5 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक जारी रहेगा। वहीं, ट्रेन संख्या 05735 अमृतसर-कटिहार विशेष ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी और इसका संचालन 7 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक किया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि त्योहारों के समय नियमित ट्रेनों में यात्रियों की संख्या काफी बढ़ जाती है, जिससे सीटों की उपलब्धता को लेकर परेशानी होती है। ऐसे में स्पेशल ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को कंफर्म सीट मिलने की संभावना बढ़ेगी और नियमित ट्रेनों पर भी दबाव कम होगा। यमुनानगर-जगाधरी स्टेशन से बड़ी संख्या में यात्री बिहार और उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए यात्रा करते हैं। स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ने से उन्हें अतिरिक्त विकल्प मिलेगा और त्योहारों के दौरान घर जाने वाले यात्रियों को सुविधा होगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेन के समय, ठहराव और टिकट संबंधी जानकारी की पुष्टि कर लें।

रेलवे द्वारा भीड़ को देखते हुए समय-समय पर विशेष ट्रेनों का संचालन बढ़ाया जा रहा है, ताकि यात्रियों को सुगम और सुरक्षित यात्रा सुविधा मिल सके। रेलवे के इस निर्णय से त्योहारों के दौरान यात्रियों को अतिरिक्त ट्रेन सुविधा उपलब्ध होगी। इससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लोगों को राहत मिलेगी और भीड़ प्रबंधन में भी मदद मिलेगी। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया है।

दोस्त की बर्थडे पार्टी से लौट रहे छात्र की संदिग्ध मौत, नाले में पलटी कार

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

हरियाणा के पानीपत में बुधवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में 22 वर्षीय बीए के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान कोमल के रूप में हुई है। वह अपने दोस्त की जन्मदिन पार्टी में शामिल होकर लौट रहा था, तभी बाबरपुर मंडी के पास उसकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे नाले में जा पलटी। हादसे के बाद एक युवक सुरक्षित बाहर निकल आया, जबकि कोमल की मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों के अनुसार कोमल अपने दोस्त दीपक के साथ पार्टी में गया था। लौटते समय अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया और वाहन नाले में गिर गया। हादसे के बाद दीपक किसी तरह कार से बाहर निकल आया, लेकिन कोमल वाहन के अंदर फंस गया। बाद में जब पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से कार को नाले से बाहर निकाला गया तो कोमल ड्राइविंग सीट पर मृत मिला। मृतक के परिजनों ने पूरे घटनाक्रम पर गंभीर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि कोमल को कार चलानी नहीं आती थी, ऐसे में वह ड्राइविंग सीट पर कैसे पहुंचा। उन्होंने आशंका जताई कि मामले में केवल सड़क हादसा नहीं, बल्कि किसी साजिश की भी संभावना हो सकती है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। दुर्घटनाग्रस्त कार में मौजूद युवक से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। यदि किसी प्रकार की साजिश या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई होगी।

कुलदीप बिश्नोई ने राजस्थान सरकार से की अपील, मानसून सत्र में पेश हो न्यू ट्री एक्ट बिल

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा के पूर्व सांसद और भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर आगामी मानसून विधानसभा सत्र में न्यू ट्री एक्ट को पेश कर पारित कराने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की पहचान हमेशा से प्रकृति संरक्षण और पर्यावरणीय परंपराओं से जुड़ी रही है, इसलिए पेड़ों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कानून की जरूरत है।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर कुलदीप बिश्नोई सक्रिय

कुलदीप बिश्नोई ने 29 जुलाई को लिखे पत्र में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में राजस्थान की ऐतिहासिक भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बिश्नोई समाज ने सदियों से पेड़ों और वन्यजीवों की रक्षा के लिए बड़े बलिदान दिए हैं। यह परंपरा आज भी समाज को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने बताया कि उन्हें भीलवाड़ा जिले के श्री गुरु जम्भेश्वर मंदिर, समेलिया धाम में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं राष्ट्रीय पर्यावरण चेतना संगम में शामिल होने का अवसर मिला था। कार्यक्रम के दौरान संतों, समाज के प्रबुद्ध लोगों और पर्यावरण प्रेमियों ने राजस्थान सरकार से घोषित न्यू ट्री एक्ट को जल्द लागू करने की मांग उठाई।

बिश्नोई ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि आगामी विधानसभा मानसून सत्र में इस संबंध में विधेयक लाकर इसे जल्द पारित किया जाए। उनका कहना है कि कानून बनने से वृक्षों की सुरक्षा को मजबूती मिलेगी और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने पत्र में कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। बढ़ते प्रदूषण और लगातार कम होते हरित क्षेत्र को देखते हुए पेड़ों के संरक्षण के लिए सख्त नियमों की आवश्यकता है। न्यू ट्री एक्ट इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

पर्यावरण प्रेमियों का मानना है कि यदि ऐसा कानून लागू होता है तो पेड़ों की कटाई पर नियंत्रण, हरित क्षेत्र बढ़ाने और लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने में मदद मिलेगी। कुलदीप बिश्नोई की इस पहल के बाद राजस्थान में न्यू ट्री एक्ट को लेकर चर्चा फिर तेज हो गई है। इस पहल से राज्य में वृक्ष संरक्षण को लेकर नई नीति बनने की उम्मीद जताई जा रही है। पर्यावरण संगठनों और समाज के विभिन्न वर्गों ने भी पेड़ों की सुरक्षा के लिए मजबूत कानून की आवश्यकता पर जोर दिया है। अब सभी की नजर सरकार के आगामी फैसले पर है।

पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट की स्पष्ट टिप्पणी: सिर्फ पिता की मौत से नहीं मिलेगी अनाथ श्रेणी

हरियाणा पुलिस भर्ती: दोनों माता-पिता के निधन पर ही मिलेगा अनाथ श्रेणी का 5 अंकों का वेटेज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा पुलिस भर्ती में अनाथ अभ्यर्थियों को दिए जाने वाले 5 अंकों के वेटेज को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल पिता या केवल माता के निधन के आधार पर किसी उम्मीदवार को अनाथ श्रेणी का लाभ नहीं दिया जा सकता। कोर्ट के अनुसार, भर्ती नियमों और राज्य सरकार की व्याख्या के तहत वही अभ्यर्थी अनाथ माना जाएगा, जिसके माता और पिता दोनों का निधन हो चुका हो।

यह मामला हरियाणा पुलिस भर्ती-2018 से जुड़ा था, जिसमें अनाथ अभ्यर्थियों को अतिरिक्त पांच अंकों का वेटेज देने के प्रावधान को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ था। इस मामले में पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट की खंडपीठ, जिसमें जस्टिस हरसिमरन सिंह सेठी और जस्टिस अमरिंदर सिंह ग्रेवाल शामिल थे, ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (।।स्स्ट) की 51 अपीलों को स्वीकार करते हुए 16 मई 2023 को सिंगल बेंच द्वारा दिए गए फैसले को रद्द कर दिया। खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि भर्ती विज्ञापन का उद्देश्य ऐसे अभ्यर्थियों को लाभ देना था, जिन्होंने अपने दोनों माता-पिता को खो दिया हो और जिनके पास पारिवारिक संरक्षण उपलब्ध न हो। इसलिए केवल पिता या केवल माता की मृत्यु होने से किसी उम्मीदवार को अनाथ नहीं माना जा सकता।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि भर्ती नियमों के अनुसार पिता की मृत्यु से संबंधित एक अतिरिक्त शर्त भी लागू होती है। इसके तहत पिता का निधन या तो उनकी 42 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले हुआ होना चाहिए अथवा अभ्यर्थी के 15 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले हुआ हो। हालांकि, यह शर्त भी तभी प्रभावी होगी जब माता-पिता दोनों का निधन हो चुका हो और उम्मीदवार अन्य सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करता हो। हाई कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि सरकारी नीतियों और भर्ती विज्ञापनों की व्याख्या उनके वास्तविक उद्देश्य को ध्यान में रखकर की जानी चाहिए। यदि अनाथ की परिभाषा का अत्यधिक व्यापक अर्थ निकाला जाए तो इससे उन उम्मीदवारों के साथ अन्याय होगा, जिनके माता-पिता दोनों का निधन हो चुका है और जो वास्तव में इस विशेष श्रेणी के लाभ के पात्र हैं।

इस फैसले के साथ हाई कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि भर्ती प्रक्रिया में नियमों की समान और स्पष्ट व्याख्या आवश्यक है, ताकि सभी उम्मीदवारों को समान अवसर मिल सके। अदालत ने माना कि भर्ती एजेंसी द्वारा अपनाई गई व्याख्या भर्ती विज्ञापन की भावना और राज्य सरकार की नीति के अनुरूप थी। यह निर्णय हरियाणा पुलिस भर्ती-2018 से जुड़े उन सभी मामलों पर प्रभाव डालेगा, जिनमें अनाथ श्रेणी के तहत अतिरिक्त वेटेज दिए जाने को लेकर विवाद था। साथ ही भविष्य की सरकारी भर्तियों में भी यह फैसला एक महत्वपूर्ण कानूनी मिसाल माना जाएगा, जहां अनाथ श्रेणी की पात्रता का निर्धारण किया जाएगा।

सिर्फ एक अभिभावक की मृत्यु से नहीं मिलेगी अनाथ श्रेणी, हाई कोर्ट ने किया स्पष्ट।

कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि हाई कोर्ट का यह फैसला भर्ती प्रक्रियाओं में स्पष्टता लाने के साथ-साथ अनाथ श्रेणी के लाभ को केवल वास्तविक पात्र अभ्यर्थियों तक सीमित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे भविष्य में इस तरह के विवादों की संभावना भी कम होगी और भर्ती एजेंसियों को पात्रता संबंधी नियमों को लागू करने में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा। हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद हरियाणा की आगामी सरकारी भर्तियों में अनाथ श्रेणी के तहत मिलने वाले लाभों की पात्रता को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो गई है। माना जा रहा है कि यह निर्णय भविष्य में भर्ती प्रक्रियाओं में समानता, पारदर्शिता और नियमों के एकरूप अनुपालन को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

महेंद्रगढ़ में 45 लाख का लोन दिलाने का झांसा देकर युवक से 22 .53 लाख की ठगी

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल

हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में लोन दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। थाना सदर महेंद्रगढ़ पुलिस ने गांव कैमला निवासी एक युवक की शिकायत पर दिल्ली निवासी एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि आरोपी ने 45 लाख रुपये का लोन मंजूर कराने का झांसा देकर पीड़ित से अलग-अलग किस्तों में कुल 22.53 लाख रुपये हड़प लिए। शिकायत के अनुसार आरोपी ने खुद को प्रभावशाली व्यक्ति बताते हुए कहा कि वह आसानी से 45 लाख रुपये का लोन स्वीकृत करवा सकता है।

इसके लिए उसने प्रोसेसिंग फीस, दस्तावेज सत्यापन, बीमा, जीएसटी और अन्य औपचारिकताओं के नाम पर समय-समय पर अलग-अलग रकम अपने खातों में जमा करवाई। पीड़ित को भरोसा दिलाया जाता रहा कि सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद लोन की राशि जल्द ही उसके खाते में भेज दी जाएगी। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब लोन की राशि नहीं मिली और आरोपी बहाने बनाने लगा, तब पीड़ित को अपने साथ ठगी होने का एहसास हुआ। इसके बाद उसने पूरे मामले की शिकायत पुलिस और आर्थिक अपराध शाखा से की। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने शिकायत को सही पाते हुए आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है। आरोपी से जुड़े बैंक खातों, लेनदेन और अन्य दस्तावेजों की जांच की जाएगी ताकि ठगी की पूरी रकम और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका का भी पता लगाया जा सके। यदि जांच में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

45 लाख लोन का झांसा, 22.53 लाख हड़पे

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति के झांसे में आकर लोन दिलाने के नाम पर अग्रिम राशि जमा न करें। किसी भी वित्तीय लेनदेन से पहले संबंधित संस्था और व्यक्ति की पूरी तरह से जांच-पड़ताल करें तथा संदेह होने पर तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करें। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी लोन या निवेश संबंधी प्रस्ताव पर भरोसा करने से पहले उसकी पूरी जांच करें। किसी अनजान व्यक्ति के खाते में धनराशि जमा करने से बचें और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन को दें।

न्यूज ब्रीफ

पानीपत में छात्रा से गलत स्पर्श के दोषी शिक्षक को 40 साल की कठोर सजा

एजेंसी ,नई दिल्ली । पानीपत की फास्ट ट्रैक अदालत ने चार साल की छात्रा से गलत स्पर्श करने के दोषी शिक्षक को 40 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 45 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की पूरी राशि पीड़िता को देने के आदेश दिए गए हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट) पीयूष शर्मा की अदालत ने बुधवार को मामले की सुनवाई पूरी करते हुए शिक्षक को दोषी करार दिया और सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मई 2023 में पीड़िता के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि शिक्षक स्कूल में उनकी चार वर्षीय बेटी के साथ अश्लील हरकतें करता था शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच में मिले साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने शिक्षक को दोषी माना। अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए दोषी को कठोर सजा सुनाई, ताकि ऐसे अपराधों पर रोक लगाई जा सके। फैसला सुनाए जाने के बाद पीड़िता के परिवार ने न्याय मिलने पर संतोष जताया।

गुरुग्राम एफडीए की कार्रवाई, दिल्ली में नकली दवा कारोबार का खुलासा

एजेंसी, नई दिल्ली। गुरुग्राम खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) और दिल्ली ड्रग विभाग की संयुक्त टीम ने दिल्ली के नरेला स्थित मां मनसा देवी अपार्टमेंट में छापेमारी कर करीब 50 कार्टन नकली एलोपैथिक दवाएं बरामद की हैं। यह कार्रवाई गुरुग्राम में नकली बीपी दवा की खेप मिलने के मामले की जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर की गई। एफडीए अधिकारियों के अनुसार, छापेमारी मुख्य आरोपितों से पूछताछ के बाद की गई थी। टीम जब नरेला स्थित फ्लैट पर पहुंची तो कथित सप्लायर साहिब अग्रवाल मौके पर नहीं मिला। फ्लैट में मौजूद एक महिला ने खुद को साहिब अग्रवाल के साथ पिछले छह वर्षों से लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली बताया। महिला की मौजूदगी में टीम ने दवाओं को जब्त किया और कानूनी प्रक्रिया पूरी की। बरामद दवाओं के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं, ताकि उनकी गुणवत्ता और नकली होने की पुष्टि की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले की जांच अब बड़े नेटवर्क तक पहुंच गई है। फरार मुख्य सप्लायर की तलाश जारी है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। नकली दवाओं के कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान भी की जा रही है।

फरीदाबाद में कांवड़ यात्रा की तैयारी पूरी, सुरक्षा में तैनात रहेंगे 2000 पुलिसकर्मी

एजेंसी, नई दिल्ली। फरीदाबाद पुलिस ने बृहस्पतिवार से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा को देखते हुए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की तैयारियां पूरी कर ली हैं। यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए विशेष सुरक्षा योजना तैयार की गई है। पुलिस के अनुसार, कांवड़ मार्गों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से की जाएगी। यात्रा के दौरान करीब 2000 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी विभिन्न स्थानों पर तैनात रहेंगे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैयार रखा जाएगा। पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के निर्देश पर तैयार किए गए विशेष सुरक्षा एवं ट्रैफिक प्लान के तहत पुलिस उपायुक्त यातायात जयवीर राठी को कांवड़ यात्रा का नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा डीसीपी मुख्यालय, एनआईटी, बल्लभगढ़ और सेंट्रल अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन की निगरानी करेंगे। पुलिस ने श्रद्धालुओं और आम लोगों से यातायात नियमों का पालन करने तथा प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की परेशानी रोकने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं।

गुजरात के कच्छ से प्रशिक्षण लेकर लौटा उद्यान विभाग, प्रयागराज में शुरू होगी खजूर खेती

उद्यान विभाग ने तैयार की योजना, गुजरात के कच्छ से प्रशिक्षण लेकर अधिकारी बढ़ाएंगे खजूर खेती

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

प्रयागराज में अब खजूर की खेती को बढ़ावा देने की तैयारी तेज हो गई है। जिले के यमुनापार क्षेत्र के पाठा इलाके में इस वर्ष से खजूर की बागवानी शुरू कराई जाएगी। उद्यान विभाग ने इसके लिए विशेष योजना तैयार की है और विभाग के अधिकारियों ने गुजरात के कच्छ क्षेत्र में जाकर खजूर की खेती का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। प्रशिक्षण के बाद अधिकारी अब प्रयागराज में इस नई खेती को सफल बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

खजूर एक ऐसा फल है, जिसमें प्राकृतिक पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। खजूर के सेवन से शरीर में खून की कमी को दूर करने में मदद मिलती है और पाचन तंत्र भी बेहतर होता है। इसी कारण बाजार में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। उद्यान विभाग का मानना है कि खजूर की खेती किसानों के लिए आय का बड़ा साधन बन सकती है और प्रति एकड़ लाखों रुपये तक का मुनाफा मिलने की संभावना है। यमुनापार का पाठा क्षेत्र खजूर की बागवानी के लिए उपयुक्त माना जा रहा है।

यहां की जलवायु और भूमि को ध्यान में रखते हुए विभाग ने इस क्षेत्र को शुरुआती चरण के लिए चुना है। इस वर्ष कुछ स्थानों पर पौधे लगाकर इसकी शुरुआत की जाएगी। इसके परिणामों का अध्ययन करने के बाद अगले सीजन से गांव-गांव में किसानों को खजूर के पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। उद्यान विभाग किसानों को खजूर की खेती की तकनीक, पौधों की देखभाल, सिंचाई और उत्पादन से जुड़ी जानकारी भी देगा।

एन ए आई महासचिव डॉ. विपिन गौड़ ने केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन से की मुलाकात, मीडिया मुद्दों पर चर्चा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

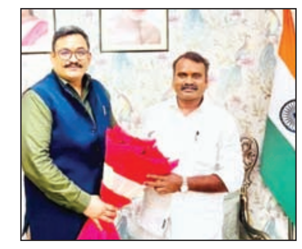

न्यूजपेपर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव डॉ. विपिन गौड़ ने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान मीडिया, पत्रकारिता और मनोरंजन क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव, पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, प्रसारण तकनीक में हो रहे बदलाव और भारतीय फिल्म व मनोरंजन उद्योग के विकास से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। डॉ. विपिन गौड़ ने मीडिया क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों और पत्रकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को भी सामने रखा।

केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने मीडिया और सूचना क्षेत्र की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए सरकार की नीतियों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बदलते तकनीकी दौर में मीडिया संस्थानों को नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने पत्रकारिता को और मजबूत बनाने, डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार और मीडिया उद्योग के विकास के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की। यह बैठक मीडिया और सरकार के बीच बेहतर समन्वय की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। डॉ. विपिन गौड़ ने केंद्रीय मंत्री का समय देने के लिए आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि मीडिया जगत से जुड़े मुद्दों पर आगे भी सकारात्मक संवाद जारी रहेगा।

गाजियाबाद में जीडीए का बड़ा एक्शन, अवैध निर्माण और कॉलोनी पर चला बुलडोजर

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की प्रवर्तन टीम ने बुधवार को जोन-4 क्षेत्र में अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। टीम ने अवंतिका क्षेत्र में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए गए निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध हिस्से को ध्वस्त कर दिया और पूरे भवन को सील कर दिया। जीडीए अधिकारियों के अनुसार, अवंतिका में भवन निर्माण के दौरान स्वीकृत नक्शे के नियमों का उल्लंघन किया गया था। जांच के बाद प्रवर्तन टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण वाले हिस्से को हटाया और आगे के उपयोग पर रोक लगाने के लिए भवन को सील कर दिया।

इसके अलावा महरौली क्षेत्र में करीब छह हजार गज भूमि पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी के खिलाफ भी अभियान चलाया गया। जीडीए की टीम ने बुलडोजर की मदद से कॉलोनी में बनाई जा रही अवैध सड़कों और अन्य निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी रही, ताकि किसी तरह की बाधा उत्पन्न न हो। जीडीए अधिकारियों ने बताया कि शहर में अवैध निर्माण और बिना अनुमति विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। प्राधिकरण की ओर से लोगों को भी अपील की गई है कि किसी भी संपत्ति को खरीदने या निर्माण कराने से पहले स्वीकृत नक्शे और जरूरी अनुमति की जांच जरूर करें। अधिकारियों का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जीडीए की इस कार्रवाई से अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध निर्माण पर लगातार नजर रखी जा रही है। बिना अनुमति किए गए निर्माण के खिलाफ भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

15 अगस्त से पहले दौड़ सकती है आगरा मेट्रो बिजलीघर से आईएसबीटी तक शुरू होगा संचालन

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा मेट्रो के पहले कॉरिडोर में जल्द ही एक और उपलब्धि जुड़ने जा रही है। बिजलीघर चौराहा से आईएसबीटी स्टेशन तक मेट्रो सेवा का संचालन 15 अगस्त से पहले शुरू होने की संभावना है। इस छह किलोमीटर लंबे ट्रैक पर यात्रियों को पांच नए स्टेशन मिलेंगे, जिनमें चार भूमिगत और एक एलीवेटेड स्टेशन शामिल है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने इस रूट पर संचालन शुरू करने की तैयारियां तेज कर दी हैं। अधिकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय से संचालन की अनुमति अगले पांच से आठ दिनों में मिलने की उम्मीद है। अनुमति मिलते ही इस नए हिस्से पर यात्रियों के लिए मेट्रो सेवा शुरू कर दी जाएगी।

इस नए रूट के शुरू होने से आगरा शहर के कई प्रमुख इलाकों को मेट्रो कनेक्टिविटी मिलेगी। यात्रियों को बेहतर और तेज परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

आगरा मेट्रो का नया रूट जल्द शुरू होने की संभावना

अधिकारियों के मुताबिक, छह किलोमीटर लंबे इस ट्रैक पर मेट्रो ट्रेनें लगभग हर दो से तीन मिनट के अंतराल पर उपलब्ध होंगी, जिससे यात्रियों को लंबे इंतजार से राहत मिलेगी। यूपीएमआरसी ने इस रूट के लिए किराया भी निर्धारित कर दिया है। यात्रियों की सुविधा और शहर की यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मेट्रो संचालन को सुचारू बनाने की योजना तैयार की गई है। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा मानकों और तकनीकी जांच पूरी होने के बाद ही सेवा शुरू की जाएगी। आगरा मेट्रो के विस्तार से शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। पर्यटन नगरी आगरा में मेट्रो सेवा के बढ़ते नेटवर्क से स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहर से आने वाले यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। नए रूट के शुरू होने का इंतजार शहरवासियों को लंबे समय से है। यूपीएमआरसी के अधिकारियों ने बताया कि नए रूट पर सभी तकनीकी परीक्षण पूरे किए जा रहे हैं। मेट्रो संचालन शुरू होने से यात्रियों को सुगम और तेज यात्रा सुविधा मिलेगी।

प्रयागराज में बारिश का दौर शुरू, अगले सात दिनों तक बादल और बरसात का अनुमान

एजेंसी, नई दिल्ली

सावन माह की शुरुआत के साथ प्रयागराज में मौसम ने आखिरकार करवट ले ली है। पिछले कई दिनों से उमस और तेज गर्मी से परेशान लोगों को 29 जुलाई की रात हुई बारिश ने बड़ी राहत दी। बारिश के बाद शहर का मौसम सुहावना हो गया है और तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। सुबह से चल रही ठंडी हवाओं ने लोगों को राहत का अहसास कराया, जिससे वातावरण पहले की तुलना में काफी सुखद हो गया। मौसम में आए इस बदलाव से आम जनजीवन पर भी सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान प्रयागराज में 10.2 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। बारिश के कारण दिन और रात के तापमान में कमी आई है, जिससे उमस का असर भी काफी कम हो गया। लंबे समय बाद लोगों ने ठंडक का अनुभव किया और सुबह-शाम का मौसम सैर तथा अन्य बाहरी गतिविधियों के लिए अनुकूल दिखाई दिया। बारिश के कारण सड़कों और पेड़ों के आसपास का वातावरण भी ताजगी से भर गया। भारतीय मौसम विभाग ने आगामी सात दिनों तक प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों में बादल छाए रहने तथा रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना जताई है। विभाग का कहना है कि मानसूनी गतिविधियां अभी सक्रिय बनी रहेंगी, जिसके चलते हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। इसके कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलती रहेगी।

हालांकि, मौसम विशेषज्ञों ने लोगों को बारिश के दौरान सावधानी बरतने की सलाह भी दी है। जलभराव वाले क्षेत्रों में

अनावश्यक आवाजाही से बचने, बिजली कड़कने के दौरान सुरक्षित स्थान पर रहने और मौसम विभाग की ओर से जारी ताजा अपडेट पर नजर रखने की अपील की गई है। किसानों के लिए भी यह बारिश लाभकारी मानी जा रही है, क्योंकि सावन के दौरान होने वाली नियमित वर्षा फसलों की वृद्धि के लिए अनुकूल होती है। मौसम विभाग का मानना है कि यदि अगले कुछ दिनों तक इसी तरह बारिश होती रही तो क्षेत्र में तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है और लोगों को उमस भरी गर्मी से लगातार राहत मिलती रहेगी।

मेरठ में कांवड़ यात्रा का असर, भैंसाली बस अड्डे से बसों का संचालन हुआ बंद

एजेंसी, नई दिल्ली

कांवड़ यात्रा को देखते हुए मेरठ के भैंसाली बस अड्डे से रोडवेज बसों का संचालन सोहराब गेट बस अड्डे पर स्थानांतरित कर दिया गया है। बुधवार रात भैंसाली अड्डे से अनाउंसमेंट कर चालक-परिचालकों को इसकी जानकारी दी गई। अब भैंसाली और मेरठ रोडवेज डिपो की बसें सोहराब गेट से संचालित होंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए भैंसाली बस अड्डे पर पूछताछ सेवा जारी रहेगी, ताकि यात्रियों को बसों की जानकारी मिलती रहे। प्रशासन ने कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए यह निर्णय लिया है। कांवड़ यात्रा के दौरान बढ़ने वाली भीड़ और यातायात दबाव को देखते हुए रोडवेज विभाग ने यह व्यवस्था लागू की है। अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं।

गुरुग्राम में फूल दुकानदार की पीट-पीटकर हत्या, परिवार ने मछली विक्रेताओं पर लगाया आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम के डीएलएफ फेज-1 थाना क्षेत्र में एक फूल दुकानदार की हत्या का मामला सामने आया है। खुशी फ्लावर्स नाम की दुकान चलाने वाले संजय कुमार का शव बुधवार सुबह खून से लथपथ हालत में दुकान के अंदर मिला। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। आसपास के दुकानदारों ने जब दुकान का शटर आधा खुला देखा तो उन्हें शक हुआ। अंदर जाकर देखने पर संजय का शव पड़ा मिला, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

मौके पर पहुंची डीएलएफ फेज-1 थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मामले में हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

गुरुग्राम में फूल दुकानदार की पीट-पीटकर हत्या

परिवार ने आरोप लगाया है कि पास में मछली बेचने वाले कुछ लोगों से संजय कुमार का मंगलवार रात किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इसी झगड़े के बाद आरोपितों ने दुकानदार की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस ने अभी तक आरोपों की पुष्टि नहीं की है और सभी पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए गए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही मृतक के परिवार, आसपास के दुकानदारों और अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सके। इस घटना के बाद इलाके के दुकानदारों में भी नाराजगी और डर का माहौल है। लोगों ने आरोपितों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चार्जिंग पर खड़े ई-रिक्शा से करंट लगने से दो वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

द्वारका सेक्टर-23 स्थित पोचनपुर गांव में चार्जिंग पर खड़े ई-रिक्शा से करंट लगने के कारण दो वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा मंगलवार को उस समय हुआ जब बच्चा खेलते-खेलते चार्ज हो रहे ई-रिक्शा के संपर्क में आ गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन में करंट उतर आया था, जिसकी चपेट में आने से मासूम गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन और स्थानीय लोग उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

सूचना मिलने पर द्वारका सेक्टर-23 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जांच अधिकारी यह पता लगाने का प्रयास

कर रहे हैं कि ई-रिक्शा की चार्जिंग व्यवस्था में कोई तकनीकी खामी थी या सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि चार्जिंग के दौरान आवश्यक सावधानियां बरती गई थीं या नहीं।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज कर रही है। जांच पूरी होने के बाद दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना ने क्षेत्र में ई-रिक्शा चार्जिंग सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने घटना के बाद सार्वजनिक स्थानों पर ई-रिक्शा चार्जिंग की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठाई। उनका कहना है कि खुले स्थानों पर बिना पर्याप्त सुरक्षा उपायों के वाहन चार्ज करना खतरनाक साबित हो सकता है। पुलिस ने लोगों से बिजली उपकरणों के उपयोग में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ई-रिक्शा चार्जिंग के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करें, ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक हादसों से बचा जा सके। पुलिस तकनीकी जांच पूरी कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में जुटी है।

नोएडा के सरकारी स्कूलों की बदहाल तस्वीर, बजट के बावजूद नहीं मिली मूलभूत सुविधाएं

सरकारी स्कूलों की हकीकत: मूलभूत सुविधाओं के बिना पढ़ाई करने को मजबूर छात्र

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा को उत्तर प्रदेश का शो विंडो कहा जाता है, लेकिन यहां के कई सरकारी स्कूलों की स्थिति इस पहचान के बिल्कुल विपरीत दिखाई देती है। शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने के दावे कागजों तक सीमित नजर आते हैं। हर वर्ष स्कूलों की मरम्मत, भवनों के रखरखाव और आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए बजट जारी किया जाता है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका अपेक्षित असर दिखाई नहीं देता। कई स्कूल आज भी कमरों की कमी, जर्जर भवनों, खराब शौचालयों और अन्य मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं।

सरकारी स्कूलों में सबसे बड़ी समस्या पर्याप्त कक्षाओं की कमी है। कई स्थानों पर एक ही कमरे में अलग-अलग कक्षाओं के विद्यार्थियों को बैठाकर पढ़ाई कराई जा रही है। इससे न केवल शिक्षण कार्य प्रभावित होता है, बल्कि विद्यार्थियों का ध्यान भी पढ़ाई पर केंद्रित नहीं रह पाता। शिक्षकों के लिए भी अलग-अलग कक्षाओं को

बजट के बावजूद बदहाल सरकारी स्कूलों की व्यवस्था

एक साथ पढ़ाना चुनौती बन गया है। लगातार बढ़ रही छात्र संख्या के मुकाबले स्कूलों में नए कमरों का निर्माण नहीं होने से स्थिति और गंभीर होती जा रही है। स्कूल भवनों की हालत भी चिंता का विषय बनी हुई है। कई स्कूलों की छतों से बारिश के दौरान पानी टपकता है, जिससे कक्षाओं में पढ़ाई बाधित होती है। कई जगह दीवारों में दरारें हैं और भवनों की मरम्मत लंबे समय से नहीं कराई गई है। इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। बरसात के मौसम में बच्चों को भीगते हुए पढ़ाई करनी पड़ती है, जबकि कई बार कक्षाओं को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ता है। स्वच्छता व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं है। अनेक स्कूलों में शौचालय जर्जर अवस्था में हैं या उनकी नियमित सफाई नहीं होती।

कई स्थानों पर पेयजल की समुचित व्यवस्था भी नहीं है। इन समस्याओं का सबसे अधिक असर छोटे बच्चों और छात्राओं पर पड़ता है। अभिभावकों का कहना है कि जब तक स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होंगी, तब तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लक्ष्य पूरा नहीं किया जा सकता। स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने शिक्षा विभाग से स्कूलों की वास्तविक स्थिति का सर्वे कराकर आवश्यक सुधार कार्य जल्द शुरू करने की मांग की है। उनका कहना है कि केवल बजट जारी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके सही उपयोग की नियमित निगरानी भी जरूरी है। विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षित भवन, पर्याप्त कक्षाएं, स्वच्छ शौचालय और बेहतर आधारभूत सुविधाएं किसी भी विद्यालय की गुणवत्ता तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। शिक्षा विभाग का उद्देश्य सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना है, लेकिन कई विद्यालयों में अब भी बुनियादी आवश्यकताओं का अभाव बना हुआ है। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई, सुरक्षा और समग्र विकास प्रभावित हो रहा है। अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि संबंधित विभाग जल्द प्रभावी कदम उठाएगा, ताकि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

जम्मू-कश्मीर राज्य दर्जा वापसी की मांग को लेकर नेशनल कांफ्रेस की मुहिम तेज

एक प्रदर्शन से नहीं मिलेगी सफलता निरंतर प्रयास जरूरी : सीएम उमर अब्दुल्ला

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केवल एक प्रदर्शन या एक दिन की राजनीतिक गतिविधि से हल होने वाला नहीं है। इसके लिए लगातार प्रयास, संगठित रणनीति और लंबे संघर्ष की आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाने की मांग को मजबूती से उठाने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास जारी रखने होंगे।

गांदरबल में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस दिल्ली में राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने गई थी। हालांकि पार्टी को पहले से ही यह जानकारी थी कि केवल एक प्रयास से तत्काल कोई बड़ा परिणाम हासिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार तक अपनी बात प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए लगातार राजनीतिक और लोकतांत्रिक प्रयास जरूरी हैं।

लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा

उमर अब्दुल्ला ने अपने बयान में कार्यकर्ताओं और समर्थकों से धैर्य बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि बड़े राजनीतिक मुद्दों के समाधान के लिए निरंतर प्रयास और लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने संकेत दिया कि राज्य दर्जे की बहाली की मांग को आगे बढ़ाने के लिए भविष्य में भी कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं।

राज्य दर्जा बहाली के मुद्दे पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र को घेरा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देने का आश्वासन पहले दिया गया था, लेकिन अभी तक इसे पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि जनता की भावनाओं और क्षेत्र की राजनीतिक आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए इस मांग को आगे बढ़ाया जाएगा। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि राज्य का दर्जा केवल प्रशासनिक व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह लोगों की पहचान, अधिकारों और लोकतांत्रिक भागीदारी से भी जुड़ा हुआ है। नेशनल कांफ्रेंस लंबे समय से जम्मू-कश्मीर के राज्य दर्जे की बहाली की मांग उठा रही है। पार्टी का कहना है कि पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने से स्थानीय लोगों की भागीदारी और निर्णय लेने की प्रक्रिया मजबूत होगी। इसी मांग को लेकर पार्टी ने दिल्ली में भी प्रदर्शन किया था, जिसमें नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार से जल्द कदम उठाने की अपील की। वहीं, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने भी विशेष दर्जे से जुड़े मुद्दों पर केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है। राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर राजनीतिक दलों के बीच अलग-अलग विचार सामने आते रहे हैं। कुछ दल इसे लोकतांत्रिक अधिकारों और क्षेत्रीय विकास से जोड़ते हैं, जबकि केंद्र सरकार की ओर से इस विषय पर समय-समय पर अलग-अलग पक्ष रखे गए हैं।

अमरनाथ यात्रा का 23वां जत्था चंदरकोट से रवाना

चंदरकोट से बाबा बर्फानी के दर्शन को रवाना हुआ अमरनाथ यात्रियों का नया जत्था

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पवित्र अमरनाथ यात्रा श्रद्धा, उत्साह और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुचारु रूप से जारी है। गुरुवार को अमरनाथ यात्रा के 23वें जत्थे का काफिला राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर स्थित चंदरकोट से पवित्र गुफा की ओर रवाना हुआ। रामबन जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रा मार्ग पर व्यापक इंतजाम किए हैं। कड़ी निगरानी और सुरक्षा घेरे के बीच श्रद्धालुओं के वाहनों को निर्धारित समय पर आगे बढ़ाया गया। प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर यातायात, स्वास्थ्य सेवाओं और आपातकालीन सहायता के लिए विशेष प्रबंध किए हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इससे पहले जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से 2051 श्रद्धालुओं का जत्था पवित्र गुफा के लिए रवाना हुआ था। इनमें 1570 पुरुष, 369 महिलाएं, 58 साधु, 21 साध्वियां, दो बच्चे, एक साधु बालक तथा 30 विदेशी श्रद्धालु शामिल थे। यात्रा में देश के विभिन्न राज्यों के अलावा विदेशों से आए श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं।

सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई

तवी नदी के निकट स्थित पंजीकरण केंद्र पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। यहां पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच और अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराने के बाद उन्हें यात्रा पर भेजा जा रहा है। भगवती नगर यात्री निवास में ठहरने, भोजन, पेयजल, चिकित्सा सुविधा और परिवहन जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

श्रद्धालुओं में गहराया उत्साह

हर वर्ष लाखों श्रद्धालु कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और मौसम की चुनौतियों के बावजूद बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए अमरनाथ पहुंचते हैं। इस वर्ष भी श्रद्धालुओं में गहरा उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रशासन का कहना है कि यात्रा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

23वें जत्थे ने पकड़ी पवित्र गुफा की राह

जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से 2051 श्रद्धालुओं का जत्था भी पवित्र गुफा के लिए रवाना हुआ था। इस जत्थे में 1570 पुरुष, 369 महिलाएं, 58 साधु, 21 साध्वियां, दो बच्चे, एक साधु बालक तथा 30 विदेशी श्रद्धालु शामिल थे। देश के विभिन्न राज्यों के अलावा विदेशों से भी श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

ट्राइसाइकिल से तीसरी बार माता मचैल यात्रा पर निकलीं दिव्यांग ज्योति

भारतेंदु संवाददाता, उधमपुर। उत्तर प्रदेश की दिव्यांग श्रद्धालु ज्योति हाथ से चलने वाली ट्राइसाइकिल पर तीसरी बार माता मचैल यात्रा पर निकली हैं। रेल दुर्घटना में दोनों पैर गंवाने के बावजूद उनकी आस्था और हौसला अडिग है। इस यात्रा में उनकी मां के साथ पालतू बंदर बजरंगी और कुत्ता कालू भी साथी हैं। ज्योति का साहस और दृढ़ संकल्प श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

कुलगाम में बादल फटने से आई अचानक बाढ़, घरों में घुसा मलबा और कई इलाकों में स्कूल बंद

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच कुलगाम जिले के देवसर क्षेत्र में बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। कई घरों में मलबा घुस गया और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। खराब मौसम को देखते हुए डोडा, किश्तवाड़, बनी, मल्हार और बिलावर के कई क्षेत्रों में स्कूल बंद रखे गए। प्रशासन ने विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने के निर्देश जारी किए।

दो दिनों में 400 श्रद्धालुओं ने किए मचैल माता दर्शन

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। खराब मौसम के बावजूद श्री मचैल माता यात्रा में श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। यात्रा शुरू होने के दो दिनों के भीतर 400 से अधिक श्रद्धालु माता के दर्शन कर चुके हैं। प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है और आरएफआईडी कार्ड अनिवार्य किया है। सड़क सुविधा बेहतर होने से श्रद्धालुओं का सफर पहले की तुलना में अधिक आसान और तेज हो गया है।

6.38 करोड़ रुपए से संवरेगा पुलवामा का प्रसिद्ध खू साहिब धार्मिक स्थल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने पुलवामा जिले के यरवन-शादिमार्ग स्थित प्रसिद्ध सिख धार्मिक स्थल खू साहिब झरने के विकास और संरक्षण के लिए 6.38 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी तथा धार्मिक स्थल का संरक्षण और सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

श्रीनगर की बाबा डेम्ब नहर से एक अज्ञात शव बरामद , जांच शुरू

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। गुरुवार सुबह श्रीनगर के बाबा डेम्ब इलाके में नहर से एक अज्ञात शव बरामद किया गया। एक चश्मदीद ने बताया कि शव नहर में तैरता हुआ मिला और वह एक बाथटब में लिपटा हुआ था जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम को बुलाया गया है।

बारिश के कारण अकचमल के पास भूस्खलन से कारगिल-लेह हाईवे बंद

भारतेंदु संवाददाता, कारगिल। भारी बारिश के कारण कारगिल ज़िले में अकचमल के पास ज़मीन खिसकने (लैंडस्लाइड) से रास्ता बंद हो गया जिसके चलते गुरुवार को कारगिल-लेह नेशनल हाईवे (एन एच -1) पर ट्रैफ़िक बंद रहा। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण हाईवे पर भारी मात्रा में कीचड़, पत्थर और मलबा आ गया जिससे इस अहम रास्ते पर गाड़ियों की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई। रास्ता साफ करने का काम शुरू कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 से जेएंडके को बड़ी सौगात

जेएंडके में पीएम आवास योजना से हजारों परिवारों को बड़ी राहत, अब तक 45982 मकान हुए मंजूर

◆ **45,982 घर स्वीकृत, किराये के आवास का भी होगा विस्तार**

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) 2.0 के तहत हजारों परिवारों को पक्के घर का सपना साकार करने की दिशा में बड़ी सफलता मिली है। केंद्र सरकार के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश में अब तक 45,982 मकानों को मंजूरी दी जा चुकी है। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, निम्न आय वर्ग और

अन्य पात्र परिवारों को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही योजना में किराये के किफायती आवास की व्यवस्था को भी विशेष महत्व दिया गया है, ताकि प्रवासी श्रमिकों और अस्थायी रूप से काम करने वाले लोगों को भी बेहतर आवास सुविधा मिल सके।

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री टोखन साहू ने राज्यसभा में जानकारी देते हुए बताया कि जम्मू-कश्मीर में 336 आवासीय इकाइयों को किफायती किराया आवास परिसरों में परिवर्तित किया जा चुका है। इसके अलावा नए किराये के आवास विकसित करने के लिए प्रस्ताव भी आमंत्रित किए गए हैं। सरकार का उद्देश्य ऐसे श्रमिकों और जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित तथा सस्ती आवास सुविधा उपलब्ध कराना है, जो रोजगार के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं। राज्यसभा में यह जानकारी भाजपा सांसद सत शर्मा के प्रश्न के उत्तर में दी गई।

अनशन खत्म कर वंदे भारत से लद्दाख लौटे सोनम वांगचुक

भारतेंदु संवाददाता, लेह। प्रसिद्ध वैज्ञानिक और समाजसेवी सोनम वांगचुक दिल्ली में अपना अनशन समाप्त करने के बाद अब लद्दाख लौट रहे हैं। अनशन खत्म करने के बाद स्वास्थ्य जांच के लिए वह गुरुग्राम के अस्पताल में भर्ती रहे। इलाज के बाद उन्होंने अपने सफर के लिए रेल यात्रा को चुना और वंदे भारत ट्रेन से दिल्ली से जम्मू-कश्मीर तक यात्रा की। यात्रा के दौरान सोनम वांगचुक ने भारतीय रेलवे की आधुनिक सुविधाओं और इंजीनियरिंग उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से चिनाब ब्रिज की भव्यता और तकनीकी निर्माण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पुल भारत की तकनीकी क्षमता और मेहनत का शानदार उदाहरण है। वांगचुक ने वंदे भारत ट्रेन में सफर का अनुभव साझा करते हुए भारतीय रेलवे की प्रगति को सराहा। उन्होंने कहा कि देश में बेहतर परिवहन सुविधाओं का विकास सकारात्मक बदलाव का संकेत है। सोनम वांगचुक ने सरकार से शिक्षा व्यवस्था में सुधार और छात्रों से किए गए वादों को पूरा करने की अपील भी की।

एडीआर रिपोर्ट का खुलासा, उमर अब्दुल्ला सबसे कम संपत्ति वाले सीएम

◆ **देश के सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं उमर अब्दुल्ला**

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच की ताजा रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला देश के सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री के रूप में सामने आए हैं। चुनाव आयोग में दाखिल उनके चुनावी हलफनामे के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार, उमर अब्दुल्ला ने अपनी कुल घोषित संपत्ति 55.24 लाख रुपये बताई है।

यह आंकड़ा देश के 31 मौजूदा मुख्यमंत्रियों में सबसे कम है। रिपोर्ट में 28 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के चुनावी हलफनामों का विश्लेषण किया गया है। एडीआर के अनुसार, देश के मुख्यमंत्रियों की औसत घोषित संपत्ति

118.07 करोड़ रुपये है, जबकि उमर अब्दुल्ला की संपत्ति इस औसत से काफी कम है। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी आंकड़े संबंधित मुख्यमंत्रियों द्वारा चुनाव आयोग को सौंपे गए शपथपत्रों पर आधारित हैं।

एडीआर समय-समय पर जनप्रतिनिधियों की घोषित संपत्ति, देनदारियों और अन्य जानकारियों का विश्लेषण कर ऐसी रिपोर्ट जारी करता है, जिससे जनता को निर्वाचित प्रतिनिधियों की वित्तीय स्थिति के बारे में पारदर्शी जानकारी मिल सके।

बनिहाल-बडगाम-बारामूला मार्ग की तीन यात्री ट्रेनें 14 अगस्त तक रद्द

भारतेंदु संवाददाता, बनिहाल। उत्तरी रेलवे ने निर्धारित पटरी रखरखाव कार्यों के जारी रहने के मद्देनजर बनिहाल-बडगाम-बारामूला खंड पर चलने वाली तीन यात्री ट्रेनों का संचालन 14 अगस्त, 2026 तक स्थगित कर दिया है। संभागीय रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय द्वारा जारी एक नए नोटिस के अनुसार बनिहाल-बारामूला खंड में लंबी वेल्डेड रेल (एलडब्ल्यूआर) के पूर्व-बीसीएम उच्च-तापमान तनाव-मुक्त करने के लिए पहले से निलंबित की गई ट्रेनें 31 जुलाई से 14 अगस्त (जेसीओ) तक रद्द रहेंगी। इनमें ट्रेन संख्या 74615: बनिहाल-बारामूला, ट्रेन संख्या 74632 बारामूला-बडगाम और ट्रेन संख्या 74628 बडगाम-बनिहाल शामिल हैं। इस विस्तार का अर्थ है कि सुबह 10:50 बजे चलने वाली बनिहाल-बारामूला यात्री ट्रेन जो बनिहाल और कश्मीर घाटी के विभिन्न स्टेशनों के बीच यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों, छात्रों और कार्यालय जाने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण सेवा है विस्तारित अवधि के दौरान निलंबित रहेगी।

जम्मू-कश्मीर में अब एक समान बिल्डिंग परमिशन फीस, सरकार ने जारी किए आदेश

आवासीय भवन पर 80 और व्यावसायिक पर 270 रुपये प्रति वर्ग मीटर शुल्क

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर सरकार ने भवन निर्माण अनुमति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और एकरूप बनाने के उद्देश्य से पूरे केंद्र शासित प्रदेश में बिल्डिंग परमिशन फीस की नई एक समान दरें लागू कर दी हैं। आवास एवं शहरी विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अब प्रदेश के सभी नगर निकायों और विकास प्राधिकरणों में भवन निर्माण अनुमति के लिए समान शुल्क लिया जाएगा। सरकार ने यह निर्णय जम्मू-कश्मीर एकीकृत भवन उप-नियम, 2021 के तहत लिया है। नए प्रावधानों के अनुसार, आवासीय भवनों के निर्माण के लिए 80 रुपये प्रति वर्ग मीटर तथा व्यावसायिक भवनों के लिए 270 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से शुल्क लिया जाएगा। यह शुल्क स्वीकृत कुल कवर्ड एरिया के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।

आवास एवं शहरी विकास विभाग की आयुक्त सचिव मनदीप कौर द्वारा 29 जुलाई 2026 को जारी सरकारी आदेश संख्या 157-जेके (एचयूडी) ऑफ 2026 के तहत नई शुल्क व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

4.84 करोड़ से संवरेगी शोपियां की ऐतिहासिक मुगलकालीन सुख सराय धरोहर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में मुगल रोड पर स्थित ऐतिहासिक सुख सराय के जीर्णोद्धार का रास्ता साफ हो गया है। सरकार ने कैपेक्स बजट 2026-27 के तहत इस मुगलकालीन धरोहर के संरक्षण और मरम्मत के लिए 4.84 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस परियोजना का उद्देश्य ऐतिहासिक इमारत को उसके मूल स्वरूप के करीब लाना और क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है। शोपियां के विधायक शब्बीर अहमद कुल्ले ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह केवल एक पुरानी इमारत की मरम्मत का काम नहीं, बल्कि कश्मीर के गौरवशाली इतिहास और विरासत को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

लद्दाख में बढ़ी याकों की संख्या, आजीविका को मिलेगा सहारा

लद्दाख की नुब्रा घाटी में याकों की संख्या 20 प्रतिशत तक बढ़ी, राहत

भारतेंदु संवाददाता,लेह। लद्दाख की नुब्रा घाटी से पर्यावरण और स्थानीय समुदाय के लिए उत्साहजनक खबर सामने आई है। क्षेत्र में याकों की संख्या में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसे वन्यजीव संरक्षण, पारिस्थितिकी संतुलन और स्थानीय आजीविका के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। याक लद्दाख के ऊंचाई वाले दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। इनका उपयोग खेती, सामान ढोने, दूध और अन्य डेयरी उत्पादों के साथ ऊन प्राप्त करने के लिए भी किया जाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि याकों की बढ़ती संख्या संरक्षण कार्यक्रमों, बेहतर पशु चिकित्सा सेवाओं, नियमित टीकाकरण और आधुनिक याक पालन तकनीकों के सकारात्मक परिणाम हैं। इससे पशुपालकों की आय बढ़ने के साथ

◆ **बढ़ती संख्या से पशुपालकों और स्थानीय समुदाय में खुशी की लहर**

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। याक लद्दाख की सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक जीवनशैली का भी महत्वपूर्ण प्रतीक हैं, इसलिए इनकी बढ़ती आबादी को सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

प्रशासन और पशुपालन विभाग अब याक पालन को और अधिक प्रोत्साहित करने, बेहतर नस्ल विकास, स्वास्थ्य सुविधाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर जोर दे रहे हैं। इससे आने वाले वर्षों में याकों की संख्या में और वृद्धि होने के साथ स्थानीय लोगों की आजीविका मजबूत होने तथा क्षेत्र के पर्यावरणीय संतुलन को भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

मुजफ्फराबाद मार्च पर गोलीबारी के बाद पीओके में उबाल, भारतीय सेना से मदद की मांग तेज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में हाल के दिनों में विरोध प्रदर्शनों और सुरक्षा बलों की कार्रवाई को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों और इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कुछ प्रदर्शनकारी पाकिस्तान सरकार और सुरक्षा बलों के खिलाफ नाराजगी जताते हुए दिखाई दे रहे हैं। इन वीडियो में कुछ लोग भारतीय सेना से मदद की अपील करते भी नजर आ रहे हैं। हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल सभी वीडियो और उनमें किए गए दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है।

रिपोर्टों के अनुसार, पीओके में संवैधानिक और नागरिक अधिकारों की मांग को लेकर कई स्थानों पर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उनकी मांगों को सुनने के बजाय प्रशासन ने सख्ती का रास्ता

◆ **ज़ुल्म से तंग पीओके के लोगों ने भारत को पुकारा**

अपनाया। कुछ समाचार रिपोर्टों में दावा किया गया है कि मुजफ्फराबाद की ओर निकाले गए मार्च को रोकने के लिए सुरक्षा बलों ने बल प्रयोग किया, जिससे कई लोगों के हताहत होने और बड़ी संख्या में घायल होने की खबरें सामने आईं। हालांकि, मृतकों और घायलों की सटीक संख्या को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं और इनकी स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हो सकी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में इंटरनेट सेवाओं पर पाबंदियां लगाई गई हैं और कई इलाकों में शैक्षणिक संस्थानों को भी बंद रखा गया है। इसके चलते आम जनजीवन प्रभावित हुआ है और लोगों में असंतोष बढ़ा है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ लोग पाकिस्तान सरकार और सेना पर गंभीर आरोप लगाते हुए भारत से सहायता की अपील कर रहे हैं, लेकिन इन वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है।

आपदा — मानसून हुआ सक्रिय, जम्मू संभाग में पांच दिन तेज बारिश के साथ फ्लैश फ्लड का खतरा

जेएंडके में लगातार बरसेंगे बादल, कई जिलों में फ्लैश फ्लड का खतरा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है और इसके प्रभाव से प्रदेश के कई हिस्सों में लगातार वर्षा हो रही है। मौसम विभाग ने आगामी पांच दिनों तक जम्मू-कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग के अनुसार विशेष रूप से जम्मू संभाग के कई जिलों में तेज बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण नदियों, नालों और पहाड़ी क्षेत्रों में जलस्तर बढ़ने की आशंका है, जिससे फ्लैश फ्लड और भूस्खलन जैसी घटनाएं सामने आ सकती हैं। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में रहने वाले लोगों, यात्रियों और पर्यटकों से मौसम की स्थिति को देखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

पिछले चौबीस घंटों के दौरान कटड़ा, सांबा, ऊधमपुर और जम्मू सहित कई इलाकों में अच्छी वर्षा दर्ज की गई। कटड़ा में लगभग 71.2 मिलीमीटर, सांबा में 87 मिलीमीटर, ऊधमपुर में 65 मिलीमीटर और जम्मू शहर में 52 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। लगातार हो रही वर्षा से कई निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली, जबकि पहाड़ी इलाकों में छोटे-छोटे भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून की सक्रियता अगले कुछ दिनों तक बनी रहेगी और कई स्थानों पर अचानक तेज बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 31 जुलाई तक जम्मू संभाग के अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा के साथ कुछ स्थानों पर अत्यधिक तेज बारिश होने की संभावना है। वहीं कश्मीर संभाग में भी कई इलाकों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश के दौर पड़ सकते हैं। इसके बाद 1 और 2 अगस्त को भी प्रदेश के अनेक हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा जारी रहने का अनुमान है। विभाग ने चेतावनी दी है कि तेज बारिश के कारण पहाड़ी ढलानों पर भूस्खलन, पत्थर गिरने और अचानक बाढ़ जैसी घटनाएं हो सकती हैं, जिससे सड़क यातायात प्रभावित होने की आशंका है।

प्रशासन ने सभी जिला अधिकारियों, आपदा प्रबंधन विभाग, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और राहत एजेंसियों को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है और आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधनों को तैयार रखा गया है। विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों, पहाड़ी सड़कों और तीर्थ मार्गों पर निगरानी बढ़ाई जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया जा सके।

मौसम विभाग ने की लोगों से अपील

मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि भारी बारिश के दौरान नदी, नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें। पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोग ढलानों के पास अनावश्यक आवाजाही न करें और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। किसानों को भी खेतों में काम करते समय मौसम की जानकारी पर नजर रखने की सलाह दी गई है। बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए खुले मैदानों और ऊंचे पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने को कहा गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले कुछ वर्षों में अत्यधिक वर्षा की घटनाओं में वृद्धि हुई है।

न्यूज ब्रीफ

सीएम ने पूर्व विधायक के निधन पर व्यक्त किया शोक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नगरोटा बगवां विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रामचंद भाटिया के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उनका निधन बुधवार को कांगड़ा जिले के डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, टांडा में हुआ। वे 82 वर्ष के थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामचंद भाटिया ने नगरोटा बगवां विधानसभा क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा वह क्षेत्र के लोगों के कल्याण के लिए समर्पित रहते थे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा ईश्वर से दिवंगत की आत्मा को शांति और परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

सत महाजन की 99वीं जयंती पर मरीजों को फल वितरित

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। स्वर्गीय पूर्व मंत्री सत महाजन की 99वीं जयंती के अवसर पर उनके पुत्र व पूर्व विधायक अजय महाजन ने नूरपुर के सिविल अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उनके पिता की स्मृति व जनसेवा की भावना को समर्पित एक विनम्र श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा ही स्वर्गीय सत महाजन के जीवन का प्रमुख उद्देश्य रहा व उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। अजय महाजन ने बताया कि आगामी दो महीनों के भीतर नूरपुर में निर्मित मातृ व शिशु अस्पताल का उद्घाटन कर दिया जाएगा। इसके शुरू होने से नूरपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं व नवजात शिशुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी व उन्हें उपचार के लिए पठानकोट या टांडा नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि यह अस्पताल आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित होगा।

346 पेटी अवैध बीयर पकड़ी, दो गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसडीटी बिलासपुर की टीम ने 30 जुलाई को बलोह फोरलेन के समीप लिंक रोड मल्यावर क्षेत्र में गश्त और नाकाबंदी के दौरान दो पिकअप वाहनों से भारी मात्रा में अवैध बीयर बरामद की। पुलिस ने शक के आधार पर पिकअप को जांच के लिए रोका। तलाशी लेने पर दोनों वाहनों से कुल 346 पेटी अवैध बीयर मिली, जिसमें 250 पेटी ट्यूबॉर्ग और 96 पेटी किंगफिशर ब्रांड शामिल हैं। मौके पर पुलिस ने दोनों वाहन चालकों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान विशाल (23) और धीरज शर्मा (25), निवासी नोआ, तहसील सदर, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। मामले में पुलिस थाना घुमारवीं में केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

गुरु पूर्णिमा पर राकेश ने प्रो. धूमल से लिया आशीर्वाद

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी हमीरपुर के जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल से उनके आवास पर भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने प्रो. धूमल के प्रति सम्मान, श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, संगठनात्मक सोच और जनसेवा के आदर्शों ने उन्हें सार्वजनिक जीवन में कार्य करने की प्रेरणा दी है। राकेश ठाकुर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन मूल्यों, कर्तव्यों और समाज के प्रति जिम्मेदारी का मार्ग भी दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रो. धूमल ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को दिशा देने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा हमें अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करने और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेने की प्रेरणा देती है। इस अवसर पर उन्होंने प्रो. धूमल के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

हिमाचल में स्टडी लीव पर अब मिलेगा पूरा वेतन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के अध्ययन अवकाश (स्टडी लीव) से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। अब अध्ययन अवकाश पर जाने वाले कर्मचारियों को अवकाश से पहले मिलने वाले वेतन के बराबर अवकाश वेतन मिलेगा। इसके साथ महंगाई भत्ता (डीए) और नियमों के अनुसार मकान किराया भत्ता (एचआरए) भी दिया जाएगा। वित्त (विनियम) विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर सेंट्रल सिविल सर्विसेज (लीव) रूल्स, 1972 के रूल 56 में संशोधन किया है। नए नियम 7 अगस्त 2024 से प्रभावी माने जाएंगे। संशोधित प्रावधानों के अनुसार भारत या विदेश में अध्ययन अवकाश लेने वाले कर्मचारी को ड्यूटी से पहले मिलने वाले वेतन के बराबर अवकाश वेतन मिलेगा। हालांकि भारत में अध्ययन अवकाश के दौरान पूरा वेतन लेने के लिए कर्मचारी को यह प्रमाणित करना होगा कि उसे किसी छात्रवृत्ति, वजीफे या अंशकालिक रोजगार से कोई पारिश्रमिक प्राप्त नहीं हो रहा है। यदि कर्मचारी को ऐसी कोई राशि मिलती है तो उसका समायोजन अवकाश वेतन में किया जाएगा, लेकिन वेतन निर्धारित सीमा से कम नहीं होगा।

रौड़ा अनुभाग के कई क्षेत्रों में आज बिजली रहेगी बंद

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सहायक अभियंता विद्युत उपमंडल-II इ. रविंद्र चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि 31 जुलाई को रौड़ा अनुभाग में नई विद्युत लाइन बिछाने के कार्य के चलते कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि रौड़ा अनुभाग के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र बेहल कंडेला, नेक्सा शोरूम तथा इसके आसपास के क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। सहायक अभियंता ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि विद्युत आपूर्ति बाधित रहने के दौरान सहयोग बनाए रखें। उन्होंने बताया कि निर्धारित समय के बाद आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

1000 ई-बसें व 100 हाइड्रोजन बसें खरीदेगी सरकार : सुक्खू

297 नई इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी, 'हिमबस प्लस कार्ड' का शुभारंभ

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोलन जिले के क्यारीघाट में हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की 297 नई टाइप-1 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न डिपुओं के लिए रवाना किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदेश के सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित, आरामदायक और प्रदूषण मुक्त परिवहन सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'हिमबस प्लस कार्ड' का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह कार्ड प्रदेश में डिजिटल और स्मार्ट परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देगा। इसके माध्यम से सामान्य यात्रियों को बस किराये में 5 प्रतिशत तथा वरिष्ठ नागरिकों को 15 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। इसके अलावा यात्रियों को मासिक उपयोग के आधार पर 2000 रुपए तक कैशबैक का लाभ भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि इन बसों के लिए प्रदेश के विभिन्न बस डिपुओं में आधुनिक चार्जिंग सुविधाएं विकसित की गई हैं। इलेक्ट्रिक बसों का संचालन डीजल बसों की तुलना में काफी किफायती है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों पर प्रति किलोमीटर खर्च करीब 36 से 38 रुपए आता है, जबकि डीजल बसों पर यह खर्च 76 से 86 रुपए तक पहुंचता है। इससे निगम को प्रति किलोमीटर 40 से 50 रुपए तक की बचत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में एचआरटीसी के बेड़े में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या 500 हो गई है।

प्रदेश सरकार इस वर्ष 1000 और इलेक्ट्रिक बसें खरीदने जा रही है। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए 100 हाइड्रोजन बसें खरीदने पर भी विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य हिमाचल को हरित राज्य बनाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक वाली इलेक्ट्रिक बसें एक बार चार्ज होने पर करीब 200 किलोमीटर तक चल रही हैं, जबकि आगामी बसों की क्षमता बढ़ाकर 250 से 300 किलोमीटर तक की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार एचआरटीसी को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है।

2027 तक हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य वर्ष 2027 तक हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार के रास्तों को बंद कर प्रदेश की संपदा को सुरक्षित रखने का काम कर रही है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. (कर्नल) धनीराम शांडिल, विधायक हरदीप बावा, कुलदीप राठौर, एचआरटीसी के प्रबंध निदेशक डॉ. निपुण जिंदल, उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कुल्लू जेई हत्याकांड: महिला डॉक्टर, पति, देवर व ससुर काबू, अवैध संबंधों के शक में की गई हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जल शक्ति विभाग के कनिष्ठ अभियंता (जेई) लाभ सिंह गुलेरिया की हत्या के मामले में कुल्लू पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए महिला डॉक्टर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, हत्या के पीछे महिला डॉक्टर और मृतक के बीच कथित अवैध संबंधों का शक मुख्य वजह था। इस मामले में महिला डॉक्टर, उसके पति डॉ. करण ठाकुर, देवर दिनेश कुमार और ससुर विजय कुमार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) मदन लाल कौशल ने वीरवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि आरोपियों ने लाभ सिंह गुलेरिया को अपने घर बुलाया, जहां उसकी बेरहमी से पिटाई की गई। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसे अधमरी हालत में गांधीनगर क्षेत्र में सड़क किनारे फेंक दिया गया, ताकि घटना को सड़क हादसे का रूप दिया जा सके। गौरतलब है कि 24 जुलाई की रात ड्यूटी समाप्त होने के बाद लाभ सिंह गुलेरिया घर नहीं पहुंचे। चिंतित पत्नी ने जब उन्हें फोन किया तो उन्होंने रात करीब 11 बजे बताया कि सड़क दुर्घटना के कारण देर हो रही है। अगले दिन सुबह जल शक्ति विभाग के गांधीनगर कार्यालय से करीब 50 मीटर दूर वह गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले।

पुलिस ने उन्हें तत्काल क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू पहुंचाया, जहां से उनकी नाजुक हालत को देखते हुए एम्स रेफर किया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। मृतक की पत्नी ने शुरुआत से ही इसे हत्या का मामला बताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने विभिन्न पहलुओं पर गहन जांच शुरू की। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), फोरेंसिक साक्ष्य और अन्य तकनीकी तथ्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। एसपी मदन लाल कौशल ने बताया कि वैज्ञानिक और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनसे पूछताछ जारी है। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी गहन जांच कर रही है।

बिलासपुर में 22 पंचायतों के प्रतिनिधियों को मिला प्रशिक्षण

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन व ग्राम विकास योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से तैयार करने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा गुरुवार को बचत भवन, बिलासपुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता डीसी राहुल कुमार ने की। इसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए चयनित 22 पंचायतों के ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सचिवों ने भाग लिया। उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना अनुसूचित जाति बहुल ग्रामों के समग्र एवं सतत विकास की महत्वपूर्ण योजना है। इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों की योजनाओं का प्रभावी अभिसरण कर ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण तथा लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। उन्होंने कहा कि योजना का लक्ष्य केवल विकास कार्य कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक चयनित पंचायत को आदर्श एवं आत्मनिर्भर ग्राम के रूप में विकसित करना है। उन्होंने पूर्व में चयनित 25 पंचायतों में किए गए विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही वर्ष 2025-26 के लिए चयनित 22 पंचायतों के प्रतिनिधियों को भारत सरकार द्वारा निर्धारित 10 विकास डोमेन और 50 मॉनिटर योग्य संकेतकों के आधार पर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ग्राम विकास योजनाएं तैयार करने को कहा।

डीसी ने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक चयनित पंचायत को ग्राम विकास योजना में चिन्हित आवश्यकताओं के अनुसार 20 लाख रुपये तक की गैप फिलिंग सहायता तथा योजना तैयार करने के लिए 40 हजार रुपये प्रशासनिक व्यय के रूप में दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पंचायतों में पुस्तकालय, डिजिटल लाइब्रेरी, अध्ययन कक्ष, आधुनिक जिम, खेल मैदान, ई-लर्निंग सुविधाएं, बहुउद्देशीय युवा गतिविधि केंद्र, करियर मार्गदर्शन केंद्र, महिला मंडल भवनों का सुदृढ़ीकरण, वरिष्ठ नागरिक मिलन केंद्र, योग एवं फिटनेस स्थल, पौधारोपण पार्क और बच्चों के खेल क्षेत्र जैसी सुविधाएं विकसित की जा सकती हैं। जिला कल्याण अधिकारी रमेश चंद बंसल ने योजना के दिशा-निर्देश, ऑनलाइन पोर्टल संचालन, अभिसरण, गैप फिलिंग तथा ग्राम विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया पर तकनीकी एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया।

लोक भवन पहुंची शिकायत के बाद शिमला पुलिस का कांस्टेबल निलंबित, विभागीय जांच के आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। लोक भवन में दर्ज एक शिकायत के बाद शिमला जिला पुलिस ने अपने एक कांस्टेबल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही पूरे मामले की नियमित विभागीय जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, शिमला द्वारा जारी आदेश के अनुसार मामले की जांच डीएसपी शक्ति सिंह को सौंपी गई है, जिन्हें एक माह के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार पुलिस मुख्यालय को लोक भवन, शिमला से एक टेलीफोन संदेश प्राप्त हुआ था। इसमें बताया गया कि एक कांस्टेबल ने शिकायत की है कि तबादला आदेश जारी होने के बावजूद उसे नई तैनाती वाली जगह पर कार्यभार ग्रहण करने के लिए कार्यमुक्त नहीं किया जा रहा है। शिकायत मिलने के बाद संबंधित कांस्टेबल को पुलिस मुख्यालय बुलाया गया। पूछताछ के दौरान कांस्टेबल ने बताया कि वह राजभवन गार्ड में तैनाती चाहते हैं। उन्होंने इसके पीछे अपने बेटे के शारीरिक रूप से दिव्यांग होने का कारण बताया और कहा कि उसकी देखभाल के लिए यह तैनाती आवश्यक है। हालांकि, विभागीय आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि कांस्टेबल पारिवारिक परिस्थितियों के आधार पर राजभवन में तैनाती चाहते थे तो उन्हें निर्धारित विभागीय प्रक्रिया के तहत शिमला पुलिस कार्यालय के माध्यम से आवेदन करना चाहिए था। लेकिन उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया और शिकायत के समाधान के लिए भी विभागीय माध्यम का उपयोग नहीं किया। पुलिस ने इसे गंभीर कदाचार, अनुशासनहीनता और विभागीय नियमों के उल्लंघन का मामला मानते हुए कांस्टेबल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय पुलिस थाना ननखड़ी रहेगा। उन्हें अपना बेल्ट सीएचसी स्टोर में जमा कराने तथा थाना ननखड़ी में सभी फॉल-इन और रोल कॉल में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

नितिक्षा ने महिषासुर मर्दिनी स्तोत्रम् पाठ से इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया नाम

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर की नन्हीं प्रतिभा नितिक्षा ठाकुर ने अपनी अद्भुत प्रतिभा से जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। गांव देहरा, डाकघर हटवाड़, तहसील घुमारवीं निवासी 3 वर्ष 10 माह की नितिक्षा ने महिषासुर मर्दिनी स्तोत्रम् का प्रभावशाली और शुद्ध पाठ कर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करवाया है। इस उपलब्धि पर नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने घुमारवीं में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नितिक्षा ठाकुर को सम्मानित किया। उन्होंने नितिक्षा और उसके परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इतनी कम आयु में इस प्रकार की उपलब्धि हासिल करना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि नितिक्षा ने जिला बिलासपुर सहित पूरे हिमाचल प्रदेश का नाम देशभर में रोशन किया है।

पीएमश्री योजना के तहत केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर को 33.92 लाख का बजट

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। डीसी गंधर्वा राठौड़ ने केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर की विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों और विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि पीएमश्री योजना के तहत विद्यालय को चालू वित्त वर्ष में करीब 33.92 लाख रुपए का बजट मिला है। बजट राशि का उपयोग सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद ही ढांचागत विकास, मरम्मत, शैक्षणिक, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, शिक्षक प्रशिक्षण और अन्य कार्यों पर किया जाए। उन्होंने पिछले वित्त वर्ष के खर्च की रिपोर्ट भी मांगी और पुराने ऑडिट मामलों की समीक्षा के लिए कमेटी गठित करने के निर्देश दिए। डीसी ने विद्यालय की चारदीवारी निर्माण और बिजली ट्रांसफॉर्मर शिफ्ट करने सहित अन्य समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। बैठक के बाद उन्होंने करीब 30 लाख रुपए की लागत से बनी वोकेशनल लैब का शुभारंभ भी किया।

डमटाल में 151 .9 ग्राम चरस के साथ युवक काबू, सप्लाई नेटवर्क की जांच शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। नशा मुक्त हिमाचल अभियान के तहत नशे के अवैध कारोबार और तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस जिला नूरपुर को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

पुलिस थाना डमटाल की टीम ने गांव बाई अटारियां में एक युवक को उसके घर से 151.9 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) धर्म चंद वर्मा ने बताया कि थाना डमटाल की पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान कंदरोड़ी फाटक के पास मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि गांव बाई अटारियां निवासी कौशल अपने घर से चरस बेचने का अवैध कारोबार कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने नियमानुसार कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में आरोपी के घर पर दबिश दी। तलाशी के दौरान कमरे में रखे बेड के रैक की दराज से एक पारदर्शी लिफाफा बरामद हुआ। लिफाफे की जांच करने पर उसमें चरस जैसा पदार्थ मिला। वजन करने पर इसकी मात्रा 151.9 ग्राम पाई गई। पुलिस ने मौके पर ही मादक पदार्थ को सील कर कब्जे में ले लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कौशल (24), पुत्र केवल सिंह, निवासी गांव बाई अटारियां, डाकघर कंद्रोड़ी, तहसील इंदौरा, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध पुलिस थाना डमटाल में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। एएसपी धर्म चंद वर्मा ने बताया कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है तथा चरस की खरीद-फरोख्त से जुड़े बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि पूरे सप्लाई नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।

नेशनल कराटे चैंपियनशिप में प्रताप वर्ल्ड स्कूल का जलवा

81 पदकों के साथ बना ओवरऑल चैंपियन

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। प्रताप वर्ल्ड स्कूल इंदौरा के कराटे खिलाड़ियों ने 20वीं नेशनल कराटे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय और हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है।

26 जुलाई को कपूरथला (पंजाब) में आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर की 17 टीमों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबलों के बीच विद्यालय के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए ओवरऑल प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता में प्रताप वर्ल्ड स्कूल के खिलाड़ियों ने कुल 81 पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इनमें 27 स्वर्ण, 24 रजत और 30 कांस्य पदक शामिल हैं। इस शानदार उपलब्धि ने विद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विद्यालय की प्रधानाचार्या रेणु परमार ने इस ऐतिहासिक सफलता पर सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों व अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण ने यह सिद्ध कर दिया है कि निरंतर प्रयास और सही मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रताप वर्ल्ड स्कूल शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालय की प्रबंध निदेशक (एमडी) डॉ. रिचा महाजन ने विजेता खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है और राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह सफलता उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने खिलाड़ियों से भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, इंदौरा और हिमाचल प्रदेश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने की अपेक्षा जताई। विद्यालय प्रबंधन ने सभी विजेता खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों व अभिभावकों को इस उल्लेखनीय सफलता पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह उपलब्धि प्रताप वर्ल्ड स्कूल की खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्टता, समर्पण और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण का एक और स्वर्णिम अध्याय साबित हुई है।

खेलों से बढ़ता है विद्यार्थियों का आत्मविश्वास : धर्माणी

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं के स्थायी भवन को 25 बीघा भूमि मंजूर

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं के वार्षिक खेलकूद समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए राजेश धर्माणी ने कहा कि खेल गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। खेलों से बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है, जिसे उचित मंच और प्रोत्साहन मिलने पर नई दिशा मिलती है। उन्होंने एनसीसी, एनएसएस और गाइड एवं स्काउट्स के विद्यार्थियों द्वारा प्राथमिक उपचार, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता से संबंधित प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों का ज्ञान देना भी जरूरी है। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने बताया कि प्रदेश मंत्रिमंडल ने केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं के स्थायी भवन निर्माण के लिए 25 बीघा भूमि स्वीकृत कर दी है। जल्द ही लीज डीड की प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्थायी भवन बनने से विद्यार्थियों को आधुनिक और बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2012 में जिले का पहला केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं में शुरू हुआ था और वर्तमान में यह अस्थायी परिसर में संचालित हो रहा है। विद्यालय को एक ही परिसर में संचालित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होने पर 11वीं और 12वीं कक्षाएं शुरू करने का भी प्रयास किया जाएगा। राजेश धर्माणी ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय भवन के साथ घुमारवीं में आधुनिक इंडोर स्टेडियम का निर्माण भी किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न खेल सुविधाओं के साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों का स्विमिंग पूल भी बनाया जाएगा। इसके अलावा मोरसिंघी में 48 छात्राओं की क्षमता वाला हैंडबॉल हॉस्टल और घुमारवीं में 100 छात्राओं की क्षमता वाला मल्टी स्पोर्ट्स हॉस्टल स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घुमारवीं में करीब 12 करोड़ रुपए की लागत से स्किल अकादमी स्थापित की जा रही है, जिसके लिए पहली किस्त के रूप में 2 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। वहीं, करयालग में 5 करोड़ रुपए की लागत से कंप्यूटर आधारित परीक्षा केंद्र बनाया जा रहा है। समारोह में एपीएमसी अध्यक्ष सतपाल, उपनिदेशक उच्च शिक्षा नरेश चंदेल, प्रधानाचार्य रिंकू कुमारी, शिक्षक, अभिभावक, विद्यार्थी और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

योजना आंगनबाड़ी-सह-क्रच केंद्रों ने महिलाओं की बढ़ाई भागीदारी, बच्चों को मिल रहा पोषण

पालना योजना से कामकाजी माताओं को मिला भरोसा, सुरक्षित हाथों में बचपन

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। छोटे बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी अक्सर कामकाजी महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चिंता बन जाती है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित पालना योजना इस चुनौती का प्रभावी समाधान बनकर सामने आई है।

योजना के तहत संचालित आंगनबाड़ी-सह-क्रेच केंद्र महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार, शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निश्चिंत होकर आगे बढ़ने का अवसर दे रहे हैं। वहीं छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों को सुरक्षित वातावरण, पौष्टिक आहार, खेल-आधारित शिक्षा और नियमित स्वास्थ्य देखभाल उपलब्ध कराई जा रही है। बाल विकास परियोजना मंडी-सदर के अंतर्गत संचालित दरमियाना केंद्र में वर्तमान में 24 बच्चों की सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक देखभाल की जा रही है, जिससे यह केंद्र योजना की सफलता का उदाहरण बन गया है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष फोकस

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मीनाक्षी ने बताया कि केंद्र में बच्चों को संतुलित भोजन, फल, नाश्ता, खेल-खेल में सीखने की गतिविधियां और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा दी जा रही है। क्रेच कार्यकर्ता पूर्णिमा राणा ने बताया कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए सुरक्षित शैक्षणिक सामग्री का उपयोग किया जाता है। सहायिका फुलमु देवी सभी बच्चों की दैनिक जरूरतों का विशेष ध्यान रखती हैं।

महिला सशक्तिकरण की मजबूत कड़ी बनी योजना

पालना योजना केवल बच्चों की देखभाल तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सुरक्षित वातावरण, पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और माताओं को चिंता से मुक्ति जैसे पहलुओं ने इस योजना को महिला सशक्तिकरण और बाल संरक्षण की प्रभावी पहल के रूप में स्थापित किया है। मंडी जिले में बढ़ता भरोसा इसकी सफलता का प्रमाण माना जा रहा है।

जिले में 10 केंद्र संचालित, 12 नए प्रस्तावित

जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास) अजय बद्रेल ने बताया कि मंडी जिले में वर्तमान में 10 आंगनबाड़ी-सह-क्रेच केंद्र संचालित हैं। इनमें मंडी सदर में चार, सुंदरनगर में तीन तथा रिवालसर, द्रंग और सरकाघाट (गोपालपुर) में एक-एक केंद्र शामिल हैं। सभी केंद्रों में आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति की जा चुकी है। अधिक से अधिक महिलाओं तक इस सुविधा का लाभ पहुंचाने के लिए विभाग ने 12 नए केंद्रों का प्रस्ताव भी सरकार को भेजा है।

माताओं की चिंता हुई दूर बढ़ा आत्मविश्वास

बिलासपुर के बंदला की छायावंती बताती हैं कि पहले काम पर जाते समय बच्चों की सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी, लेकिन अब दोनों बच्चों को क्रेच में छोड़कर निश्चिंत होकर मजदूरी कर रही हैं। मंडी की सुजाता वालिया का कहना है कि दो वर्षीय बेटी को सुरक्षित माहौल मिलने से वे पूरी एकाग्रता के साथ नौकरी कर पा रही हैं। वंदना ठाकुर के अनुसार अब वह पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और रोजगार पर पूरा ध्यान दे पा रही हैं, जबकि सैलून संचालिका रेनू ठाकुर इसे कामकाजी महिलाओं के लिए बड़ी राहत मानती हैं।

खूबसूरत अंदाज में डेलफिना पिग्नातिएलो

अर्जेंटीना। डेलफिना पिग्नातिएलो अर्जेंटीना की प्रसिद्ध तैराक हैं। उनका जन्म 19 अप्रैल 2000 को हुआ था। उन्होंने कम उम्र में ही तैराकी में पहचान बनाई और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व किया। डेलफिना ने फ्रीस्टाइल तैराकी में कई पदक जीते।

अजिंक्य रहाणे ने क्रिकेट को कहा 'अलविदा'

भावुक संदेश में कहा-'हर शुरुआत का एक अंत होता है'

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने बुधवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। भारतीय टेस्ट टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में गिने जाने वाले रहाणे ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक वीडियो संदेश साझा करते हुए 20 वर्षों से अधिक लंबे क्रिकेट सफर को विराम देने का फैसला सुनाया।

रहाणे ने कहा कि जीवन का नियम है कि हर शुरुआत का एक अंत होता है और जब वह समय आए तो उसका सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी में उन्होंने हमेशा सही समय पर सही निर्णय लेने को महत्व दिया और अब उन्हें लगता है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सहित खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का यही उचित समय है।

उन्होंने अपने सफर को याद करते हुए कहा कि डोंबिवली की गलियों से अभ्यास शुरू कर भारतीय टीम की जर्सी पहनना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने हमेशा देश और टीम को स्वयं से ऊपर रखा तथा पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ क्रिकेट खेला। रहाणे ने कहा कि पिछले दो दशकों में भारतीय क्रिकेट ने उल्लेखनीय प्रगति की है और इस बदलाव का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात रही। उन्होंने स्पष्ट किया कि खिलाड़ी के रूप में उनकी पारी भले समाप्त हो रही हो, लेकिन क्रिकेट से उनका रिश्ता खत्म नहीं होगा। अब वह युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करना चाहते हैं और उन्हें खेल से जुड़े अनुभव, अनुशासन तथा मूल्यों से परिचित कराना चाहते हैं।

रहाणे ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड, मुंबई क्रिकेट संघ, अपने साथियों, कोचों, आईपीएल फ्रेंचाइजियों, पत्नी राधिका, परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि करियर में जीत, हार और गलतियां सब मिलीं, लेकिन प्रशंसकों का प्यार कभी कम नहीं हुआ। अपने संदेश का समापन उन्होंने इन शब्दों के साथ किया, 'कैप नंबर 278, अब विदा लेता हूं।'

यादगार रहा रहाणे का करियर

अजिंक्य रहाणे का क्रिकेट सफर मुंबई से शुरू हुआ, जहां उन्होंने अपने दूसरे रणजी ट्रॉफी सत्र में 1,000 से अधिक रन बनाकर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। उन्होंने 2013 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और जल्द ही डरबन तथा वेलिंगटन में शानदार पारियों से खुद को स्थापित कर लिया। 2014 में लॉर्ड्स टेस्ट में खेली गई उनकी 103 रन की पारी भारत की 28 वर्षों बाद उस ऐतिहासिक मैदान पर पहली जीत की नींव बनी। इसके बाद उन्होंने मेलबर्न, कोलंबो और दिल्ली में शतक जड़े तथा विदेशी दौरों पर कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। वर्ष 2020 के बॉक्सिंग डे टेस्ट में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर लगाया गया उनका शतक भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे यादगार पारियों में गिना जाता है, जिसने ऑस्ट्रेलिया में भारत की ऐतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीत की नींव रखी। 2022 में टीम से बाहर होने के बाद रहाणे ने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर वापसी की और 2023 की आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल टीम में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस फाइनल में उन्होंने पहली पारी में 89 रन बनाकर भारत की ओर से सर्वाधिक स्कोर किया, जो उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच भी साबित हुआ। आईपीएल 2026 में वो केकेआर के कप्तान भी थे।

करियर पर एक नजर

रहाणे ने भारत के लिए 195 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिनमें 85 टेस्ट, 90 एकदिवसीय और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 85 मैचों की 144 पारियों में 5,077 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 26 अर्द्धशतक शामिल रहे। सीमित ओवरों के क्रिकेट में उन्होंने 90 वनडे मैचों में 2,962 रन और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 375 रन बनाए। आईपीएल में भी रहाणे का लंबा और सफल करियर रहा। उन्होंने 212 आईपीएल मैचों में छह अलग-अलग फ्रेंचाइजियों का प्रतिनिधित्व किया और अपनी तकनीकी बल्लेबाजी तथा अनुभव से कई यादगार पारियां खेलीं। भारतीय क्रिकेट में अजिंक्य रहाणे को हमेशा एक शांत, संयमित और टीम के लिए समर्पित बल्लेबाज के रूप में याद किया जाएगा, जिसने विदेशी धरती पर कई ऐतिहासिक जीतों में अहम भूमिका निभाई और अपने खेल व व्यवहार से करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीता।

फ्लेमिंग बन सकते हैं इंग्लैंड टेस्ट टीम के हेड कोच

एजेंसी, नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग इंग्लैंड टेस्ट टीम के नए हेड कोच बनने की रेस में सबसे आगे हैं। एंडी फ्लावर, टॉम मूडी, रिचर्ड डॉसन और जोनाथन ट्रॉट भी दावेदार हैं, लेकिन ईसीबी (इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड) की पहली पसंद फ्लेमिंग माने जा रहे हैं। इस पद को लेकर उनकी ईसीबी के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की से बातचीत भी हो चुकी है। ब्रेंडन मैकुलम ने 12 जुलाई 2026 को इंग्लैंड टेस्ट टीम के हेड कोच का पद छोड़ा था। वहीं, फ्लेमिंग भी 13 जुलाई को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से अलग हो चुके हैं, जिससे उनके इंग्लैंड की जिम्मेदारी संभालने की संभावना और मजबूत मानी जा रही है। 51 साल के स्टीफन फ्लेमिंग दुनिया के सबसे सफल क्रिकेट कोचों में गिने जाते हैं। उनकी कोचिंग में चेन्नई सुपर किंग्स ने 5 बार आईपीएल का खिताब जीता। इसके अलावा वे साउथ अफ्रीका की एसए-20 लीग और अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में भी सीएसके की सिस्टर फ्रेंचाइजियों के कोच रहे हैं। इंग्लैंड के घरेलू क्रिकेट से भी उनका पुराना नाता रहा है। खिलाड़ी के तौर पर वह मिडलसेक्स, यॉर्कशायर और नॉटिंघमशायर के लिए खेले, जबकि 'द हंड्रेड' में सदर्न ब्रेव के हेड कोच भी रहे।

स्पोर्ट्स विंडो

पुरुष पेयर्स लॉन बॉल्स में भारत ने नामीबिया को हराया

एजेंसी, ग्लास्गो। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की लॉन बॉल्स प्रतियोगिता में अपना शानदार अभियान जारी रखते हुए पुरुष पेयर्स वर्ग के सेक्शन बी के दूसरे दौर के दूसरे मैच में नामीबिया को कड़े मुकाबले में हराया।मंगलवार को कुक आइलैंड्स के खिलाफ टाईब्रेकर में मिली जीत के बाद भारत के 'लीड' नवनीत सिंह और 'स्किप' दिनेश कुमार की जोड़ी ने पिछड़ने के बावजूद संयम बनाए रखा और पहला सेट 5-3 से अपने नाम किया। नामीबिया ने 3-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन भारतीय जोड़ी ने सटीक थ्रो और शानदार रणनीति के दम पर लगातार पांच अंक जुटाकर मैच का रुख पलट दिया और प्रतिद्वंद्वी टीम की वापसी की उम्मीदों को झटका दिया। दूसरे सेट में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा शुरू से ही कायम रहा। उन्होंने शुरुआती 2-0 की बढ़त को लगातार शानदार खेल और 'जैक' पर प्रभावी नियंत्रण के दम पर 6-1 तक पहुंचा दिया। नामीबिया ने सेट के अंतिम चरण में दो अंक लेकर अंतर 3-6 कर दिया लेकिन तब तक मुकाबले का नतीजा लगभग तय हो चुका था। भारतीय जोड़ी ने आसानी से मैच जीतकर ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। वहीं, महिला एकल सेक्शन सी के राउंड दो के तीसरे मैच में भारत की नयनमोनी सैकिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आइल ऑफ मैन की कैरोलीन व्हाइटहेड को 2-0 से हरा दिया।

वर्ल्ड स्क्वॉश जूनियर टीम चैंपियनशिप

भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पहुंची, महिला टीम टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली। कनाडा के ओंटारियो में चल रही वर्ल्ड जूनियर स्क्वॉश टीम चैंपियनशिप में भारत के लिए मिला-जुला दिन रहा। भारतीय मेंस टीम ने क्वार्टर फाइनल में तीसरी वरीय इंग्लैंड को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब उसका मुकाबला यूएसए से होगा। वहीं, वुमंस टीम क्वार्टर फाइनल में यूएसए से 1-2 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पिछले साल भारत ने इस प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और इस बार टीम अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की कोशिश में है। मैच की शुरुआत में आर्यवीर दीवान ने रोनी हिकलिंग को 11-9, 12-10, 11-5 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद इंग्लैंड के इस्माइल खलील ने युशा नफीस को 11-7, 8-11, 11-4, 13-11, 11-7 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। अंत में गुरवीर सिंह ने जॉर्ज ग्रिफिथ्स को 11-3, 11-8, 11-6 से सीधे गेम में हराकर भारत को जीत दिलाई। वहीं, महिला टीम के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत को अमेरिका से 1-2 से हार झेलनी पड़ी। हाल ही में वर्ल्ड जूनियर महिला चैंपियन बनी अनाहत सिंह ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने यूएसए की दीया यादव को 11-7, 11-5, 11-4 से हराया।

कॉमनवेल्थ गेम्स : गावित ने भारत को 100 मीटर रेस में दिलाया तीसरा गोल्ड

बासिल रहे दूसरे नंबर पर और लॉन्ग जंप में मुरली को मिला सिल्वर

एजेंसी, ग्लासगो

दिलीप महादु गावित ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में सातवें दिन भारत को तीसरा गोल्ड मेडल दिलाया। उन्होंने पुरुषों की पैरा 47 कैटेगरी में 100 मीटर रेस में 10.71 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। भारत के ही मोहम्मद बासिल ने 10.83 सेकेंड के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि इंग्लैंड के केविन सैंटोस ने 10.85 सेकेंड के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया। गावित से पहले भारत के लिए महिलाओं के पैरा शॉटपुट एफ57 इवेंट में शर्मिला धनकड़ और रविवार को वेटलिफ्टिंग के 48 किलोग्राम इवेंट में मीराबाई चानू गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं।

इससे पहले सातवें दिन लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने 8.09 मीटर की छलांग लगाकर सिल्वर मेडल जीता। वह पुरुषों की लॉन्ग जंप में लगातार दो कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय बने। इस इवेंट का गोल्ड जमैका के तजय गेल ने 8.15 मीटर की जंप के साथ जीता। छठे दिन के मुकाबले समाप्त होने के बाद भारत के खाते में 3 गोल्ड, 9 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज समेत कुल 15 मेडल हो गए हैं। इसके साथ ही भारतीय टीम मेडल टैली में आठवें स्थान पर पहुंच गई। भारत पांचवें दिन नौवें स्थान पर खिसक गया था। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 47 गोल्ड समेत कुल 103 मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है।

साजन प्रकाश 200 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल के लिए नहीं कर पाए क्वालीफाई

एजेंसी, ग्लास्गो। भारत के अनुभवी तैराक साजन प्रकाश राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में जगह नहीं बना सके। साजन 1:51.99 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट में पांचवें और कुल 20वें स्थान पर रहे। फाइनल में शीर्ष आठ तैराकों को प्रवेश मिला।

भारत के अनीश गौड़ा भी फाइनल की दौड़ से बाहर रहे। उन्होंने 1:51.64 सेकेंड का समय निकालकर 18वां स्थान हासिल किया। वहीं, आर्यन नेहरा पुरुष 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में सातवें स्थान पर रहे। पैरा तैराकी में चैतन्य विश्वास कुलकर्णी और सुयश नारायण जाधव ने एस7 50 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में जगह बनाई। कुलकर्णी 32.77 सेकंड और जाधव 35.35 सेकंड के समय के साथ आगे बढ़े।

विश्व कप में केसरिया जर्सी में उतरेगा भारत

विवाद के बाद हॉकी इंडिया ने किया फैसले का बचाव

एजेंसी, नई दिल्ली

अगले महीने नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप में भारतीय पुरुष और महिला टीमें पारंपरिक नीली जर्सी के बजाय केसरिया जर्सी पहनेंगी। जर्सी के रंग में बदलाव को लेकर उठे विवाद के बीच हॉकी इंडिया ने इसे पूरी तरह तकनीकी आवश्यकता पर आधारित फैसला बताया है।

हॉकी इंडिया के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब अधिकांश एस्ट्रो टर्फ का रंग नीला होता है। ऐसे में नीली जर्सी मैदान की सतह में घुल-मिल जाती है, जिससे खिलाड़ियों की दृश्यता प्रभावित होती है। इसी कारण कोचों और खिलाड़ियों की सलाह पर पीले और केसरिया जैसे विकल्पों पर विचार किया गया और अंततः केसरिया रंग चुना गया।

संस्था ने कहा कि तकनीकी जरूरत के साथ-साथ केसरिया रंग राष्ट्रीय ध्वज का हिस्सा है और साहस, त्याग तथा राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक भी है। नई जर्सी पर मंडला कला से प्रेरित डिजाइन, अशोक चक्र से प्रेरित नेवी ब्लू तत्व, सुदर्शन चक्र का आधुनिक ग्राफिक और कंधों पर तिरंगे की पाइपिंग दी गई है। जर्सी के सामने देवनागरी में 'इंडिया' लिखा गया है।

हालांकि, भारतीय टीम के पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा ने इस बदलाव पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारतीय हॉकी की पहचान हमेशा नीली जर्सी रही है और प्रशंसक भी टीम को उसी रंग में देखना चाहते हैं। हॉकी इंडिया ने स्पष्ट किया कि भारतीय हॉकी में जर्सी का रंग समय-समय पर बदला जाता रहा है। 2014 विश्व कप में टीम ने पीली और 2018 विश्व कप में हल्के नीले रंग की जर्सी पहनी थी। एफआईएच हॉकी विश्व कप 15 से 30 अगस्त के बीच खेला जाएगा।

कोयंबटूर विस्फोट मामले में ईडी ने की 16 ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वर्ष 2022 के कोयंबटूर बम विस्फोट मामले में आतंकी फंडिंग की जांच के सिलसिले में वीरवार को चेन्नई, कोयंबटूर, हैदराबाद और मुंबई में 16 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। जांच में सामने आया कि विस्फोट के आरोपितों ने फर्जी कोविड-19 वैक्सीन प्रमाणपत्र घोटाले और कोवाई अरबी कॉलेज के नाम पर चंदा एवं फर्जी निवेश के जरिए धन जुटाकर आतंकी गतिविधियों को वित्तपोषित किया।

ईडी ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत यह कार्रवाई राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विभिन्न प्राथमिकी के आधार पर शुरू की गई जांच के तहत की जा रही है। जांच एजेंसी के अनुसार, वर्ष 2022 में कोयंबटूर के संगमेश्वरर मंदिर के निकट हुए आत्मघाती कार बम विस्फोट को जमेशा मुबीन और उसके साथियों ने अंजाम दिया था। यह हमला विस्फोटक पदार्थों से भरी संशोधित मारुति कार का इस्तेमाल कर प्रतिबंधित आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) से प्रेरित आतंकी हमले के रूप में किया गया था। ईडी की जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने आतंकी गतिविधियों के लिए धन जुटाने के दो प्रमुख तरीके अपनाए। पहला, कोविड-19 महामारी के दौरान फर्जी वैक्सीन प्रमाणपत्र बनाने का गिरोह चलाया गया, जिसके माध्यम से बिना टीकाकरण कराए प्रमाणपत्र चाहने वाले लोगों से धन एकत्र किया गया।

दूसरा, कोवाई अरबी कॉलेज के नाम पर चंदा और फर्जी निवेश जुटाया गया। जांच के अनुसार, यह संस्थान युवाओं के कट्टरपंथीकरण में सक्रिय रूप से शामिल था। ईडी ने बताया कि बम विस्फोट मामले के 12 आरोपियों, जिनमें आत्मघाती हमलावर जमेशा मुबीन भी शामिल है, ने कोवाई अरबी कॉलेज में ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से अध्ययन किया था। जांच के अनुसार, कॉलेज के संचालक जमील बाशा ने इन युवकों का मार्गदर्शन किया, जिसके बाद वे सलाफी-जिहादी विचारधारा से प्रभावित हुए और आईएसआईएस के समर्थन में आतंकी हमले की साजिश रची।

अमेरिकी बेस पर हमले के बाद ईरान के कई शहरों में भीषण बमबारी

एजेंसी, वाशिंगटन

जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर मिसाइल हमले के बाद अमेरिका ने ईरान पर हवाई कार्रवाई की है। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने दावा किया कि ईरान से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों को नाकाम कर दिया गया।

रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमले का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाने वालों को जवाब दिया जाएगा। इससे पहले अमेरिका और सऊदी अरब ने इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों को निशाना बनाकर संयुक्त हवाई हमले किए थे। इन हमलों में कई लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया। अमेरिकी कार्रवाई के बाद ईरान के केशम द्वीप, किश, बंदर अब्बास, अबादान और बुशहर समेत कई इलाकों में धमाकों की खबरें सामने आईं। ईरानी मीडिया ने कुछ स्थानों पर नुकसान और लोगों के मलबे में दबने की जानकारी दी। अमेरिका ने ईरान से जुड़े कुछ संस्थानों पर नए प्रतिबंधों की भी घोषणा की है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

एक और आठ अगस्त को नहीं होगा राष्ट्रपति भवन का 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह

एजेंसी, नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के मद्देनजर राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित होने वाला रस्मी गार्डों की अदला-बदली से जुड़ा 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह एक और आठ अगस्त को आयोजित नहीं किया जाएगा।

राष्ट्रपति भवन की ओर से वीरवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार स्वतंत्रता दिवस समारोह के पूर्वाभ्यास के कारण दोनों दिन चेंज ऑफ गार्ड समारोह स्थगित रहेगा। सामान्य परिस्थितियों में यह समारोह राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित किया जाता है, लेकिन स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के चलते इसमें अस्थायी बदलाव किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के पूर्वाभ्यास संपन्न होने के बाद चेंज ऑफ गार्ड समारोह का आयोजन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार फिर से किया जाएगा।

मूंग खरीद पर सरकार के फैसले के बाद किसानों का आंदोलन खत्म

अब पात्र किसानों से 60 प्रतिशत उपज खरीदेगी मध्य प्रदेश सरकार

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश में मूंग खरीदी को लेकर चल रहा किसानों का आंदोलन सरकार के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। राज्य सरकार ने किसानों की मांग को स्वीकार करते हुए अब प्रत्येक पात्र किसान से मूंग की 60 प्रतिशत तक उपज खरीदने का निर्णय लिया है। इससे पहले सरकार ने 25 प्रतिशत उपज खरीदी का प्रावधान किया था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर बुधवार रात मंत्रालय में किसान प्रतिनिधियों और सरकार के बीच बैठक हुई। बैठक में सहमति बनने के बाद किसानों ने आंदोलन समाप्त कर दिया और अपने घरों के लिए रवाना हो गए। प्रशासन ने बसों की व्यवस्था कर किसानों को उनके वाहनों तक पहुंचाया।

कृषि मंत्री एंदल सिंह कंषाना ने बताया कि सरकार किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए मूंग खरीदी की सीमा बढ़ा रही है। नर्मदापुरम, सीहोर और हरदा जैसे प्रमुख मूंग उत्पादक जिलों में यह लगभग तीन क्विंटल प्रति एकड़ तक होगी। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। सरकार ने किसानों को राहत देते हुए स्लॉट बुकिंग की अवधि भी 10 दिन बढ़ा दी है। अब किसान 10 अगस्त तक स्लॉट बुक कर सकेंगे, जबकि मूंग खरीदी की अंतिम तारीख 10 अगस्त से बढ़ाकर 20 अगस्त कर दी गई है।

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार की योजना के तहत इस वर्ष मध्य प्रदेश को ग्रीष्मकालीन मूंग खरीदी के लिए 4.52 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य मिला था। वहीं, खाद वितरण की ई-टोकन व्यवस्था को लेकर आ रही शिकायतों के समाधान के लिए सरकार ने कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में समिति गठित करने का निर्णय लिया है। समिति व्यवस्था की समीक्षा कर सुधार के सुझाव देगी। तब तक ई-टोकन के माध्यम से खाद वितरण व्यवस्था स्थगित रहेगी।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन पर रोक नहीं, सोशल मीडिया की अफवाह भ्रामक : दिल्ली पुलिस

- कहा-शांतिपूर्ण और अनुमति प्राप्त प्रदर्शनों के लिए अब भी अधिकृत है स्थल

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर को प्रदर्शन के लिए बंद किए जाने संबंधी सोशल मीडिया पर प्रसारित दावों को पूरी तरह से भ्रामक और तथ्यहीन बताते हुए स्पष्ट किया है कि जंतर-मंतर शांतिपूर्ण एवं विधिवत अनुमति प्राप्त प्रदर्शनों के लिए अधिकृत स्थल बना हुआ है।

दिल्ली पुलिस ने वीरवार को जारी स्पष्टीकरण में कहा कि सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैलाई जा रही है कि जंतर-मंतर को प्रदर्शनकारियों के लिए बंद कर दिया गया है या वहां ताला लगा दिया गया है। पुलिस ने इन दावों को पूरी तरह गलत, भ्रामक और तथ्यों से परे बताया।

पुलिस के अनुसार उच्चतम न्यायालय के आदेश तथा उसके अनुपालन में जारी दिल्ली पुलिस की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत जंतर-मंतर पर एक समय में अधिकतम एक हजार लोगों को प्रदर्शन की अनुमति दी जा सकती है।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि प्रदर्शन की अनुमति संबंधित आयोजकों या व्यक्तियों द्वारा औपचारिक आवेदन किए जाने के बाद सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी से दी जाती है। इसके लिए निर्धारित नियमों एवं शर्तों का पालन करना अनिवार्य है।

पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे अपुष्ट या भ्रामक सूचनाओं पर विश्वास न करें और न ही उन्हें साझा करें। किसी भी जानकारी के लिए केवल आधिकारिक माध्यमों पर ही भरोसा करें।

चार महासागरों की यात्रा पूरी करने वाली महिला अधिकारियों का सम्मान

रक्षा मंत्री बोले-'समुद्र प्रदक्षिणा' अभियान नारी शक्ति और सैन्य तालमेल की मिसाल

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीरवार को भारतीय सेना की सेलिंग वेसल आईएएसवी त्रिवेणी पर सवार होकर चार महासागरों की ऐतिहासिक यात्रा पूरी करने वाली नौ महिला अधिकारियों को सम्मानित किया। रक्षा मंत्री ने लगभग 25,500 नॉटिकल मील और 314 दिनों की इस चुनौतीपूर्ण समुद्री यात्रा के लिए टीम के साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने 'समुद्र प्रदक्षिणा' अभियान को नारी शक्ति का प्रतीक और तीनों सेनाओं के बेहतर तालमेल का उदाहरण बताया।

महिला अधिकारियों ने रक्षा मंत्री के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि अभियान के दौरान कठिन मौसम और समुद्री परिस्थितियों ने उनकी चुनौतियां बढ़ाईं, लेकिन देश का गौरव बढ़ाने के संकल्प ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। राजनाथ सिंह ने कहा कि इस अभियान ने उन पुरानी धारणाओं को तोड़ा है, जिनमें महिलाओं की सैन्य क्षमता पर सवाल उठाए जाते थे। उन्होंने कहा कि शारीरिक क्षमता, मानसिक मजबूती और नेतृत्व कौशल किसी लिंग से सीमित नहीं होते। इस अवसर पर सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, वायु सेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। 'समुद्र प्रदक्षिणा' अभियान ने सैन्य उपलब्धि के साथ-साथ भारत की समुद्री कूटनीति को भी मजबूती देने का काम किया।